MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 01 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-88

रूस ही काम आया

भारत को इतना भेजा तेल कि टूटा 9 महीने का रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत का 29 मार्च तक रूसी तेल आयात 5.55 करोड़ बैरल तक पहुंच गया। जून 2025 के बाद से यह सबसे ज्यादा है। शिप ट्रैकिंग डेटा से इसका पता चलता है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारतीय रिफाइनरों ने मॉस्को से तेल खरीदना बढ़ा दिया। मिडिल ईस्ट से सप्लाई में रुकावट इसकी वजह बनी। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के कारण स्थिति बिगड़ी।

कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म कैपलर के डेटा के अनुसार, रूस से आयात में भी 89 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। फरवरी में यह 2.9 करोड़ बैरल था। मॉस्को से तेल की खरीद में यह बढ़ोतरी रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों में मिली छूट के बाद हुई है। इस छूट के तहत भारतीय रिफाइनरों को 4 मार्च तक जहाजों पर लदा हुआ, चाहे वह प्रतिबंधित हो या गैर-प्रतिबंधित, दोनों तरह का रूसी तेल खरीदने की अनुमति मिल गई थी।

वैसे तो भारतीय रिफाइनरों ने रूसी तेल खरीदना कभी बंद नहीं किया। लेकिन, जब अमेरिका ने प्रमुख तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकॉइल पर प्रतिबंध लगा दिए तब इन बैरलों के प्रति उनकी दिलचस्पी कुछ कम हो गई। इसकी वजह से रूस से तेल के आयात में भी कमी आई। नवंबर में यह अपने पिछले ऊंचे स्तर 5.5 करोड़ बैरल पर था, जो फरवरी में घटकर 2.9 करोड़ बैरल रह गया।

कैपलर के डेटा के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट में आई रुकावट के चलते देश के कच्चे तेल के आयात में काफी कमी आई है। मार्च में यह घटकर 12.7 करोड़ बैरल रह गया, जबकि पिछले महीने यह 14.5 करोड़ बैरल था।

होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यहां से हर दिन दुनिया भर के तेल की लगभग 20 फीसदी खेप गुजरती है। इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी चोकपॉइंट्स (तंग रास्तों) में से एक माना जाता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़े तेल आयातक है। उसके कच्चे तेल के आयात का लगभग 40-50 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है।

सऊदी अरब भारत को तेल की सप्लाई वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बना रहा। उससे भारत ने 1.75 करोड़ बैरल तेल का आयात किया। सऊदी अरब के बाद अंगोला का नंबर है। इसने 1.02 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई की। जहां एक ओर सऊदी अरब से होने वाले आयात में फरवरी के मुकाबले 38 फीसदी की कमी आई। वहीं दूसरी ओर अंगोला से होने वाली खरीद में महीने-दर-महीने के आधार पर जबरदस्त 255 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। भारत की ओर से इराक से की जाने वाली खरीद में भी 73 फीसदी की कमी आई। यह घटकर 73 लाख बैरल रह गई। इसी तरह संयुक्त अरब अमीरात से होने वाली खरीद में भी 59 फीसदी की कमी आई। यह 64 लाख बैरल पर पहुंच गई।

बाब-अल-मंडेब से नए खतरे की आशंका

भारत ने इस महीने के दौरान अंगोला, ओमान, इक्वाडोर, गैबॉन और सूडान से अपनी खरीद बढ़ा दी ताकि मिडिल ईस्ट के अपने पारंपरिक सप्लायर्स से होने वाली कमी की भरपाई की जा सके। हाल के घटनाक्रमों में यमन के हूती विद्रोहियों ने सप्ताहांत में इजरायल पर हमला किया। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद यह पहला मौका था, जिससे बाब-अल-मंडेब स्ट्रेट में संभावित रुकावट को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। यह स्ट्रेट ग्लोबल एनर्जी ट्रेड के लिए एक और अहम रास्ता (चोकपॉइंट) है। बाब-अल-मंडेब स्ट्रेट लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ता है। विश्लेषकों का कहना है कि इस क्षेत्र में किसी भी तरह की रुकावट से माल ढुलाई की लागत और देश का आयात बिल बढ़ सकता है।

कैपलर के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट निखिल दुबे ने कहा, अब तक बाब-अल-मंडेब स्ट्रेट से यातायात बिना किसी रुकावट के जारी है। हालांकि, स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। अगर स्थिति और बिगड़ती है तो रूसी कच्चा तेल ले जाने वाले टैंकरों को केप ऑफ गुड होप के रास्ते से जाना पड़ सकता है। इससे यात्रा का समय लगभग 16-20 दिन बढ़ जाएगा। माल ढुलाई की लागत भी संभावित रूप से बढ़ सकती है। बाब-अल-मंडेब स्ट्रेट भारत के एनर्जी इंपोर्ट के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग बना हुआ है। इसका महत्व धीरे-धीरे बढ़ रहा है। पिछले दो से तीन सालों में भारत के कच्चे तेल के आयात का औसतन लगभग 33 फीसदी हिस्सा इसी मुख्य मार्ग से होकर गुजरा है।

आज से बदल जाएंगे 8 बड़े नियम

अप्रैल फूल!

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। 1 अप्रैल 2026 से नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो गया है , जिसके साथ ही कई बड़े वित्तीय बदलाव हो गये हैं। इन बदलाओं का असर आपके मंथली बजट पर भी पड़ सकता है। अप्रैल से 8 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जिसमें एलपीजी से लेकर पैन कार्ड, एटीएम और इनकम टैक्स जैसे बदलाव शामिल हैं।

एटीएम के नियम में बदलाव हो रहा है। एचडीएफसी बैंक ने कहा है कि अगर आप एटीएम से यूपीआई का यूज करके कैश निकालते हैं तो उसे एटीएम फ्री ट्रांजेक्शन लिमिट के तहत गिना जाएगा, जबकि पहले अलग से लिमिट थी। महानगरों में एचडीएफसी बैंक के एटीएम में 5 ट्रांजैक्शन फ्री होगा, बाकी के लिए 3 ट्रांजैक्शन फ्री होगा। महानगरों के अलावा अन्य शहरों में 5 ट्रांजैक्शन फ्री होगा। चार्ज भी बढ़ चुका हैअगर लिमिट समाप्त हो जाती है तो हर लेनदेन पर 23 रुपये का चार्ज लागू होगा। इसके ऊपर टैक्स अलग से लगाया जाएगा। पीएनबी ने 1 अप्रैल से चुनिंदा कार्डों के लिए मैक्सिमम डेली विड्रॉल लिमिट 1 लाख से घटाकर 50,000 कर दी गई है।

पैन कार्ड को लेकर भी कई तरह के बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहला बदलाव यह है कि अगर आप पैन बनवाने जाते हैं तो अब आपको सिर्फ आधार ही नहीं बल्कि कोई अन्य डॉक्यूमेंट भी देना अनिवार्य होगा। साथ ही सालाना 10 लाख रुपये कैश जमा, 5 लाख तक के वाहन खरीदने, होटल या रेस्टोरेंट में 1 लाख से ज्यादा पेमेंट और 20 लाख तक की अचल संपत्ति खरीदने पर पैन दिखाना अनिवार्य होगा।

टैक्स और निवेश नियमों में बड़ा झटका

1 अप्रैल से नया इनकम टैक्स कानून 2025 लागू हो रहा है, जो इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह लेगा। इसके तहत एचआरए, अलाउंस और टैक्स सिस्टम को सरल बनाने के लिए नियम बदल रहा है। इसके तहत फाइनेंशियल ईयर, असेसमेंट ईयर को समाप्त करके टैक्स ईयर कर दिया गया है। साथ ही सैलरी स्ट्रक्चर और टैक्स प्लानिंग भी बदल सकती है।शेयर बाजार में अब ज्यादा टैक्स देना पड़ेगा। अगर आप एफएंडओ ट्रेडिंग करते हैं तो 1 अप्रैल से सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) ज्यादा देना पड़ेगा। सरकार ने बजट के दौरान ही इस टैक्स में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। फ्यूचर पर एसटीटी 150 फीसदी और ऑप्शन पर एसटीटी करीब 50 फीसदी बढ़ाया गया है।

नया लेबर कोड भी 1 अप्रैल से पूरे देश में प्रभावी हो रहा है, जिसके तहत आपकी बेसिक सैलरी 50 फीसदी रखना जरूरी है। ऐसे में पीएफ का कंट्रीब्यूशन बढ़ सकता है और आपकी टेक होम सैलरी कम हो सकती है।

फास्टैग महंगा, रेलवे नियम सख्त

कुछ समय पहले सरकार ने फास्टैग के लिए एनुअल पास लागू किया था, जिसके तहत 3000 रुपये में 200 ट्रिप की सुविधा दी गई थी। अब 1 अप्रैल से ये महंगा होने जा रहा है। हाईवे टोल के लिए फास्टैग का एनुअल पास महंगा हो रहा है, जो 3000 से बढ़कर 3075 हो जाएगा।

▶10पर

दो बेटों के साथ महिला ने की खुदकुशी

पति की दूसरी शादी के बाद शुरू हुआ घरेलू क्लेश

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): कूकटपल्ली पुलिस थाना सीमा के अंतर्गत खैतलापुर स्थित उनके आवास पर मंगलवार को एक महिला और उसके दो बच्चे मृत पाए गए। पुलिस को संदेह है कि पति की दूसरी शादी से उपजे तनाव के कारण महिला ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली, हालांकि बच्चों की मौत के कारणों का पुख्ता निर्धारण होना अभी बाकी है। मृतकों की पहचान 29 वर्षीय एस. बनोथ श्रावंती और उनके बेटों कार्तिक (12) और कौशिक (10) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, श्रावंती ने 13 साल पहले चेन्नारावपेट के एक एसी मैकेनिक प्रवीण से शादी की थी और वे खैतलापुर में रहने लगे थे। ▶10पर

वरंगल तक पहुँची आँच

वरंगल, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के कूकटपल्ली स्थित राघवेंद्र कॉलोनी में एक विवाहित महिला द्वारा अपने दो बेटों की हत्या के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने की घटना ने मंगलवार को जिले के चेन्नारावपेट मंडल के बोडा माणिक्य थंडा में तनाव पैदा कर दिया। मृतका श्रावंती, जो 16 थंडा के बोडा बिच्या और लक्ष्मी की बेटी थी, ने दस साल पहले बोडा माणिक्य थंडा के भुक्या शंकर के बेटे भुक्या प्रवीण से प्रेम विवाह किया था। इस दंपति के दो बेटे, कार्तिक (12) और कौशिक (10) थे। ▶10पर

अब अमेरिकी टेक कंपनियों पर हमले करेगा ईरान

एप्पल-गूगल समेत 18 फर्म लिस्ट में

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मिसाइल और ड्रोन से आगे बढ़कर अब टेक्नोलॉजी कंपनियां निशाने पर हैं। ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (आईआरजीसी) ने 18 अमेरिकी कंपनियों की लिस्ट जारी कर हमले की चेतावनी दी है। इस तरह अब बड़े कॉर्पोरेट ठिकाने भी असुरक्षित नजर आ रहे हैं।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स ने अमेरिकी टेक कंपनियों को सीधी चेतावनी दी है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआरजीसी ने 18 बड़ी कंपनियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें संभावित निशाने के तौर पर चिन्हित किया गया है। इस लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एप्पल, इंटेल और टेस्ला का नाम शामिल है।

आईआरजीसी का कहना है कि इन कंपनियों के क्षेत्रीय ऑपरेशन्स पर हमला किया जा सकता है। ईरान ने साफ कहा है कि यह कदम उसके इलाकों पर हुए हमलों के जवाब में उठाया जा रहा है। अब जवाब सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन संस्थाओं तक भी पहुंचेगा जिन्हें ईरान पूरे संघर्ष का हिस्सा मानता है।

आईआरजीसी ने अपने बयान में चेतावनी भरे लहजे में कहा, इन कंपनियों को ईरान में होने वाले हर आतंकी हमले के बदले अपनी-अपनी यूनिट के तबाह होने की उम्मीद रखनी चाहिए। इसमें हमलों की समयसीमा भी बताई गई है। यह सिलसिला 1 अप्रैल से शुरू होगा और तेहरान के समय के अनुसार रात 8 बजे से कार्रवाई हो सकती है।

तस्नीम न्यूज एजेंसी के हवाले से जारी बयान में यह भी कहा गया कि अब युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। अमेरिकी आईसीटी और ए कंपनियां उन सिस्टम्स ▶10पर

अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना
301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद (तेलंगाना)

प्रथम वार्षिक आम सभा (AGM-1) - सूचना
(वर्ष 2026-27 के लिए)

सभी केन्द्रीय समिति के सदस्यों एवं सभी शाखाओं के पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की वर्ष 2026-27 की प्रथम वार्षिक आम सभा (AGM-1), रविवार दि.12 अप्रैल 2026 को प्रात: 11:00 बजे से बांठिया गार्डन, सिकन्दराबाद पर नीचे दिए कार्यक्रम अनुसार आयोजित की जाएगी। यह बैठक वीडियो कैमरा रिकार्डिंग के अन्तर्गत सम्पन्न की जायेगी।

कार्यसूचि (एजेंडा) -
1. महाराजा अग्रसेन जी की पूजा।
2. अध्यक्ष द्वारा लिए गए असंवैधानिक निर्णयों की अस्वीकृति।
   a. अध्यक्ष द्वारा नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष के असंवैधानिक पद।
   b. 20 युवा शाखाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा।
   c. विधि अनुसार प्रक्रिया का पालन किए बिना वर्तमान समितियों को हटाए जाने की समीक्षा एवं चर्चा।
3. अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर विचार एवं निर्णय।
4. सामान्य सभा (Generaal Body) की अनुमति से अन्य कोई विषय।

यदि किसी विषय पर सर्वसम्मति नहीं बनती है, तो संबंधित विषयों का निर्णय मतदान के माध्यम से किया जाएगा।

सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे समय पर उपस्थित होकर बैठक में सक्रिय रूप से भाग लें।

बैठक के पश्चात दोपहर के भोजन एवं जलपान की व्यवस्था रहेगी।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना के पूर्व अध्यक्षों के अतिरिक्त किसी अन्य को विशेष आमंत्रण नही।

भवदीय
विकाश कुमार केशान
मानद सचिव, अग्रवाल समाज तेलंगाना

Date : 31-03-2026
Place : HYDERABAD

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 23°

मायके से मिली संपत्ति पर पति का हक नहीं

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने कहा है कि किसी हिंदू महिला को अपने माता-पिता से विरासत में संपत्ति मिली है और वह बिना वसीयत किए मर जाती है तो वह संपत्ति उसके पिता के वारिसों को मिलेगी। ऐसी संपत्ति पर उसके पति या ससुराल का कानूनी अधिकार नहीं होगा।

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 15 (2) (ए) का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति तरलादा राजशेखर राव ने कहा, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(ए) को सीधे तौर पर पढ़ने से यह स्पष्ट होता है कि यदि किसी हिंदू महिला को अपने पिता या माता से कोई संपत्ति विरासत में मिलती है और उस महिला की कोई संतान नहीं है तो उस मृत महिला की संपत्ति उसके पिता के कानूनी वारिसों को मिलेगी। पिता से विरासत में मिली उस संपत्ति पर उसके पति का कोई अधिकार नहीं होगा। यह टिप्पणी एक ऐसे मामले में की गई थी, जिसमें मूल रूप से एक महिला की संपत्ति का एक हिस्सा वर्ष 2002 में उसकी पहली पोती को उपहार में दे दिया गया था। इसके बाद राजस्व अभिलेखों में उस पोती का नाम दर्ज कर लिया गया और उसे एक पट्टादार पासबुक जारी कर दी गई। ▶10पर

जयललिता की संपत्ति जब्त

टैक्स चुकाते ही रिहा

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की हैदराबाद स्थित एक संपत्ति को नागरिक अधिकारियों द्वारा एक दिन के लिए जब्त कर लिया गया, क्योंकि इसके मालिकों ने संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) का भुगतान नहीं किया था। श्रीनगर कॉलोनी स्थित इस संपत्ति को मंगलवार (31 मार्च, 2026) को भुगतान की प्रक्रिया शुरू होने के बाद रिहा कर दिया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस स्टिल्ट-प्लस-फोर (पांच मंजिला) इमारत पर 2017 से टैक्स बकाया है, जो बकाया और दंडात्मक ▶10पर

ईरान से जंग के बीच ट्रंप पल-पल बदल रहे बयान, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल रहा भ्रम

वाशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बदलते और विरोधाभासी बयानों ने अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप एक ओर दावा कर रहे हैं कि अमेरिका युद्ध जीत रहा है, जबकि दूसरी ओर हजारों अतिरिक्त अमेरिकी सैनिकों को मिडिल ईस्ट में भेजा जा रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा- इस तरह के विरोधाभासी बयान युद्ध में स्थिति को जटिल बना देते हैं

उन्होंने अपने सहयोगी देशों की मदद न करने के लिए आलोचना की, तो कभी कहा कि अमेरिका को किसी की जरूरत नहीं है। इसी तरह उन्होंने ईरान को धमकी दी कि वह उसके ऊर्जा ढांचे को तबाह कर देंगे, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अमेरिका पर इसका असर नहीं पड़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के विरोधाभासी बयान युद्ध के समय स्थिति को और जटिल बना देते हैं। पूर्व रक्षा मंत्री लियोन पैनेटा ने कहा कि युद्ध के दौरान सच सबसे पहले शिकार होता है और नेतृत्व की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक ट्रंप की यह ज़िग-ज़ैग रणनीति जानबूझकर भी हो सकती है, जिससे विरोधियों को भ्रमित किया जा सके।

वहीं आलोचकों का कहना है कि इससे सहयोगी देशों और निवेशकों में अस्थिरता बढ़ रही है। इसका असर आर्थिक मोर्चे पर भी दिख रहा है, जहां अमेरिकी शेयर बाजार ने युद्ध शुरू होने के बाद सबसे खराब सप्ताह दर्ज किया गया।

अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में भी चिंता बढ़ रही है। कई नेताओं ने कहा है कि ट्रंप सरकार स्पष्ट रणनीति पेश नहीं कर रही और युद्ध की दिशा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि, व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप की रणनीति सफल है और ईरान पर दबाव बनाया जा रहा है, ताकि वह बातचीत के लिए मजबूर हो सके।

न्यूज ब्रीफ

लीबिया से ग्रीस जा रही प्रवासियों की नाव समुद्र में रास्ता भटकी, 22 की मौत, इनमें 12 बांग्लादेश के

ढाका। लीबिया से ग्रीस जा रही प्रवासियों की नाव समुद्र में रास्ता भटक गई। इस दौरान 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें 12 युवा बांग्लादेश के नागरिक हैं। सुनामगंज के उपायुक्त मोहम्मद इलियास मिया ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस घटना के लिए जिम्मेदार मानव तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज करेगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सुनामगंज के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजन सरकार ने बताया कि अब तक उन्होंने 12 नागरिकों की मौत की पुष्टि कर ली है। इनमें से छह लोग डेराई उपजिला के, पांच लोग जगन्नाथपुर उपजिला के और एक व्यक्ति दोराबाजार उपजिला का रहने वाला है। सुनामगंज के उपायुक्त मोहम्मद इलियास ने कहा कि इनके शव समुद्र से मिल गए हैं। 28 मार्च को बचाए गए 26 लोगों को ग्रीस के एक शिविर में रखा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस, परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत करने के बाद अब तक 12 मृतकों की पहचान की पुष्टि हो चुकी है। जान गंवाने वालों में मो. नूरुज्जमान सरदार मोयना (30), साजिदुर रहमान (28), साहन एहिया (25), मुजीबुर रहमान (38), तायक मिया, अबू फहीम, सोहनुर रहमान, शायेक अहमद, मो. नईम मिया, अमीनुर रहमान और मोहम्मद अली हैं। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि मानव तस्करों ने युवकों को 12 से 15 लाख टका के बदले इटली पहुंचाने का वादा करके फंसाया था। सबको सबसे पहले लीबिया ले जाया गया। उन्हें जबरदस्ती ठसाठस भरी नावों में बिठा दिया गया। पुलिस ने बताया कि ग्रीक कोस्ट गार्ड ने 28 मार्च को 26 लोगों को बचाया।

यूएन अधिकारी मोहम्मद सफा का इस्तीफा, तेहरान पर संभावित परमाणु हमले को लेकर गंभीर चेतावनी

न्यूयार्क/तेहरान। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े अधिकारी मोहम्मद सफा ने ईरान पर संभावित परमाणु हमले की आशंका जताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि तेहरान पर बड़े पैमाने पर हमले की योजना बनाई जा रही है, जिसे लेकर वैश्विक स्तर पर पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। सफा ने अपने बयान में कहा कि लोग इस मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं और आरोप लगाया कि लाखों आम नागरिकों को प्रभावित करने वाली संभावित कार्रवाई की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस जानकारी को सार्वजनिक करने के कारण उन्होंने अपना कूटनीतिक करियर छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कर्तव्यों को निलंबित कर दिया ताकि वह किसी भी ऐसे कदम का हिस्सा न बनें, जिसे उन्होंने मानवता के खिलाफ अपराध बताया। सफा ने न्यूक्लियर विंटर जैसी स्थिति की आशंका जताते हुए कहा कि समय रहते कदम उठाना बेहद जरूरी है। ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच सफा की यह टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस को जन्म दे सकती है। हालांकि, उनके दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है और न ही यूनाइटेड नेशंस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। अपने संदेश के अंत में सफा ने वैश्विक समुदाय से सतर्क रहने और परमाणु हथियारों के संभावित उपयोग के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है और इसे रोकने के लिए तत्काल प्रयास जरूरी हैं।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का निधन, 67 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

पारामारिबो। दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का सोमवार को अचानक निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि देश की वर्तमान राष्ट्रपति जेनिफर सिमंस ने की। संतोखी ने वर्ष 2020 से 2025 तक सूरीनाम के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। वह प्रोग्रेसिव रिफार्म पार्टी के अध्यक्ष भी थे और इससे पहले 2005 से 2010 के बीच देश के न्याय मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। राष्ट्रपति जेनिफर साइमंस ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि संतोखी का सार्वजनिक जीवन में योगदान लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने देश के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए उल्लेखनीय सेवाएं दीं। हालांकि, उनके निधन के कारणों का तत्काल खुलासा नहीं किया गया है। संतोखी के अचानक निधन से देश में शोक की लहर है और राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्रों से उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है।

ईरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से मनोवैज्ञानिक युद्ध में भी बढ़त बनाने में जुटा

तेहरान, 31 मार्च (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में तनाव की स्थिति अब एक अत्यंत गंभीर और अनिश्चित मोड़ पर पहुँच गई है। ईरान न केवल सैन्य स्तर पर आक्रामक रुख अपना रहा है, बल्कि वह आधुनिक तकनीक, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक युद्ध में भी बढ़त बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान की सरकारी समाचार ने हाल ही में एक नया एआई-जनरेटेड वीडियो जारी किया है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं। वीडियो में ईरान के सुप्रीम कमांडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को एक रणनीतिक सैन्य बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिखाया गया है।

इसमें भारी मात्रा में मिसाइल लांच, दुश्मन के शहरों में भीषण विस्फोट और ईरानी सैनिकों को यरुशलम की पवित्र अल-अक्सा मस्जिद की ओर विजयी मुद्रा में बढ़ते हुए दिखाया गया है। इससे पहले भी ईरान ने वन वेंजेंस फार आल शीर्षक से एक वीडियो जारी किया था, जिसमें हिरोशिमा, वियतनाम और हालिया गाजा संघर्षों का संदर्भ देकर अमेरिका विरोधी भावनाओं को भड़काने की कोशिश की गई थी। सिर्फ वीडियो ही नहीं, धरातल पर भी ईरान की सैन्य गतिविधियाँ खाड़ी देशों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई हैं। पिछले कुछ घंटों में इन देशों में अलर्ट की स्थिति रही है। दुबई में कई बार खतरे के सायरन सुनाई दिए। आसमान में मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने (हवा में मार गिराने) के वीडियो सामने आए हैं। बहरीन में भी लगातार धमाकों की आवाजों ने नागरिकों के बीच दहशत पैदा कर दी है। सऊदी रक्षा बलों ने पुष्टि की है कि उन्होंने अपने पूर्वी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाली 5 बैलिस्टिक मिसाइल और 1 क्रूज मिसाइल को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। कुवैती रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उनके क्षेत्र में 14 मिसाइल और 12 ड्रोन दर्ज किए गए, जो पिछले हमलों की तुलना में काफी अधिक हैं। ईरान और इजराइल के बीच सीधा संघर्ष भी चरम पर है। रविवार को ईरान ने इजराइल पर एक ही दिन में 10 बड़े हमले किए। इन हमलों में उच्च क्षमता वाली मिसाइलों का उपयोग किया गया, जिससे इजराइल के कई हिस्सों में हड़कंप मच गया और हजारों लोगों को सुरक्षित बंकरों में शरण लेनी पड़ी।

ईरान के इस्फहान शहर पर हमला, दुबई में विशाल टैंकर आग की लपटों से घिरा

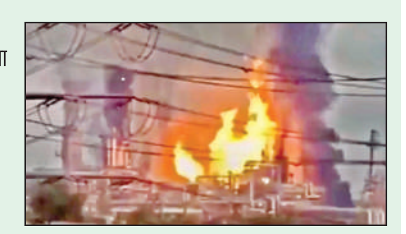

तेहरान/कुवैत सिटी/बेरूत/बगदाद। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के ऐतिहासिक शहर इस्फहान पर जबरदस्त हमला किया है। इस शहर की आबादी लगभग 23 लाख है। यहां बदर मिलिट्री एयरबेस भी मौजूद है। जोरदार धमाकों और आग की लपटों से सुबह तक आसमान में दहशत रोशन रही। इस बीच कुवैत पेट्रोलियम कार्पोरेशन ने बताया है कि दुबई बंदरगाह पर विशाल तेल टैंकर अल-सलमी पर ईरान के हमले के कारण आग लग गई है। कार्पोरेशन ने चेतावनी दी है कि इससे तेल फैल सकता है। उधर, हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना पर हमलों का दावा किया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने इस्फहान में हमले के कई वीडियो तैयार किए हैं। इस्फहान ईरान का तीसरा सबसे बड़ा और सांस्कृतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक है। यह ईरान का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। यहां कपड़ा और इस्पात की मिलें हैं। यहां ईरान का महत्वपूर्ण परमाणु केंद्र (नतंज) और सैन्य मिसाइल बनाने के कारखाने भी हैं। इसके कारण यह अकसर चर्चा में रहता है। इस बीच हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजराइल की मिसगाव अम बस्ती में एक सैन्य चौकी को निशाना बनाते हुए ड्रोन की बौछार कर दी।यही नहीं दक्षिणी लेबनान के अल-क़ंतारा और तैबेह कस्बों के बीच सड़क पर मौजूद एक इजराइली मर्कवा टैंक पर गाइडेड मिसाइल से हमला किया। हमले में टैंक जल गया। इराक की पापुलर मोबिलाइज़ेशन फोर्सेज का कहना है कि अमेरिकी-इजरायली सेनाओं ने बाबुल और अनबार प्रांतों में उनके दो ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। बाबुल प्रांत के जुर्फ अल-नस्र सेक्टर में 45वीं ब्रिगेड पर लगातार तीन हवाई हमले किए गए। एक और हमला अनबार प्रांत के पूर्व में अल-कर्मा सेक्टर में हुआ। इस हमले में 31वीं ब्रिगेड के ठिकाने को निशाना बनाया गया। उधर, कुर्द अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र में स्थित सुलेमानिया शहर को निशाना बनाकर किए गए दो हमलों को विफल कर दिया गया है।

पश्चिम एशिया में चल रही जंग के बीच किम जोंग उन लगातार बढ़ा रहे ट्रंप की टेंशन

प्योंग यांग, 31 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में चल रही जंग के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए और शक्तिशाली मिसाइल इंजन के परीक्षण का जायजा लिया। सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह इंजन एक अपग्रेडेड, हाई-थ्रस्ट, सालिड-फ्यूल पर आधारित है और इसकी ताकत पहले से कहीं ज्यादा है। किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। इस परीक्षण का मकसद ऐसी मिसाइलें बनाना है जो अमेरिका और उसके सहयोगियों को निशाना बना सकें।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन मिसाइलों को पहचानना और रोकना बहुत मुश्किल है। यह इंजन कार्बन फाइबर से बना है। इस इंजन की अधिकतम ताकत 2,500 किलोटन मापी गई है। इससे पहले सितंबर में हुए परीक्षण में यह ताकत 1,970 किलोटन थी। यह टेस्ट देश के पांच साल के हथियार विकास कार्यक्रम का हिस्सा है। इसका लक्ष्य परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को और आधुनिक बनाना है। किम जोंग उन ने कहा कि इस टेस्ट से देश की रणनीतिक ताकत सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह टेस्ट कब और कहां हुआ, इसकी सटीक जानकारी नहीं दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया के दावे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हो सकते हैं। दक्षिण कोरिया के एक शोधकर्ता ली चुन ग्यून ने कहा कि उत्तर कोरिया इसमें कुछ बातें छिपा रहा है। उन्होंने इंजन के जलने के कुल समय जैसी जरूरी जानकारी नहीं दी है। उत्तर कोरिया ने सितंबर के परीक्षण को सालिड-फ्यूल इंजन का नौवां और अंतिम ग्राउंड परीक्षण बताया था, और पहले कहा था कि इस इंजन का उपयोग इंटरकान्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए किया जाएगा। उस समय पर्यवेक्षकों ने अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरिया जल्द ही उस इंजन से लैस एक इंटरकान्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण-प्रक्षेपण करेगा, लेकिन उसने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

अमेरिका ने खोली पोल कहा- 15 आतंकी समूहों का सुरक्षित ठिकाना बना है पाक

वाशिंगटन। पाकिस्तान का आतंकवाद के साथ गहरा और पुराना नाता एक बार फिर वैश्विक मंच पर चर्चा का विषय बन गया है। अमेरिकी कांग्रेस रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की ताजा रिपोर्ट ने पाकिस्तान के उन दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं, जिनमें वह खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता रहा है। इस रिपोर्ट में साफ किया गया है कि दशकों से आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने वाला पाकिस्तान आज भी चरमपंथियों और उनके आकाओं का सबसे पसंदीदा ठिकाना बना हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विशेषकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव में, खुद को एक मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की रणनीतिक नीतियों में बदलाव के तमाम दिखावों के बावजूद वहां की जमीन पर वर्तमान में लगभग 15 बड़े आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। इन समूहों का वर्गीकरण वैश्विक, भारत-केंद्रित, अफगानिस्तान-केंद्रित और सांप्रदायिक आधार पर किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन 15 समूहों में से 12 को अमेरिकी कानून के तहत विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है। रिपोर्ट स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि पाकिस्तान इन नेटवर्कों को खत्म करने में पूरी तरह विफल रहा है।

सऊदी, यूएई, कुवैत और बहरीन ने कहा-ईरान की हार न हो जाए तब तक हमले जारी रखे अमेरिका

दुबई, 31 मार्च (एजेंसियां)।

सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और बहरीन ने निजी कूटनीतिक वार्ताओं में स्पष्ट किया है कि वे तब तक युद्ध विराम या सैन्य आपरेशन रोकने के पक्ष में नहीं हैं, जब तक कि ईरान के नेतृत्व में कोई बड़ा और स्थायी बदलाव न हो जाए। यह मांग ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध को और विस्तार देने या किसी समझौते पर पहुंचने के बीच दुविधा की स्थिति में हैं। कुल मिलाकर पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व में अमेरिका के खाड़ी सहयोगियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया है। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है कि खाड़ी देश इस युद्ध को तेहरान के वर्तमान शासन को निर्णायक रूप से कमजोर करने या पूरी तरह खत्म करने के एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इन देशों का तर्क है कि एक महीने तक चले हवाई हमलों के बावजूद ईरान का धार्मिक नेतृत्व अभी पूरी तरह पंगु नहीं हुआ है, इसलिए सैन्य कार्रवाई को बीच में रोकना रणनीतिक भूल होगी।गौरतलब है कि इस भीषण जंग में अब तक 3,000 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। रविवार शाम एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि सऊदी अरब, कतर, यूएई, कुवैत और बहरीन जैसे देश इस मामले में बेहद कड़ा और आक्रामक रुख अपना रहे हैं। विशेष रूप से यूएई इस गठबंधन में सबसे सख्त रवैया रखने वाले देश के रूप में उभरा है। रिपोर्टों के अनुसार, यूएई राष्ट्रपति ट्रंप पर जमीनी हमले का आदेश देने के लिए जोर डाल रहा है। यूएई की इस नाराजगी की मुख्य वजह ईरान की ओर से दागी गई 2300 से अधिक मिसाइलें और ड्रोन हमले हैं, जिन्होंने मिडिल-ईस्ट में व्यापार और पर्यटन के एक सुरक्षित केंद्र के रूप में उसकी वैश्विक छवि को खतरे में डाल दिया है। कुवैत और बहरीन भी सैन्य दबाव बनाए रखने के पक्ष में खड़े दिखाई दे रहे हैं। दूसरी ओर, सऊदी अरब ने अमेरिका को तर्क दिया है कि यदि युद्ध को इस मोड़ पर समाप्त किया गया, तो भविष्य में कोई अच्छा समझौता संभव नहीं हो पाएगा।

यहां ना सड़कें हैं ना कारें, हार्न की जगह बत्तखों की आवाज और पानी कल-कल देती है सुनाई

नीदरलैंड के गिएथूर्न गांव की लाइफस्टाइल है कूल, इसे नार्थ का वेनिस कहा जाता है

नुक, 31 मार्च (एजेंसियां)।

सोचिए अगर आप किसी ऐसी जगह हों जहां आप सुबह सोकर उठें और खिड़की खोलें तो आपको हार्न के शोर की जगह बत्तखों की आवाज और पानी की धीमी कल-कल सुनाई दे। आप आफिस जाने के लिए बाहर निकलते हैं, लेकिन गैरेज में कार नहीं, एक छोटी सी इलेक्ट्रिक बोट खड़ी मिले। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि नीदरलैंड के गिएथूर्न इलाके की हकीकत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिएथूर्न की लाइफस्टाइल इतनी कूल है कि इसे नार्थ का वेनिस कहा जाता है। आज की दुनिया में दो समस्याएं सबसे बड़ी हैं एक ग्लोबल वार्मिंग और दूसरी मानसिक तनाव। गिएथूर्न की सुकून वाली जिंदगी इन दोनों का समाधान है। रिपोर्ट के मुताबिक जब हम किसी शहर के बारे में सोचते हैं, तो दिमाग में फ्लाईओवर, ट्रैफिक सिग्नल और प्रदूषण का नजारा सामने आता है, लेकिन गिएथूर्न ने दुनिया को दिखाया है कि बिना सड़कों के भी जिंदगी शानदार हो सकती है। इस पूरे गांव के मुख्य हिस्से में एक भी सड़क नहीं है। यहां एक घर से दूसरे घर तक जाने के लिए या तो आपको नाव का सहारा लेना पड़ता है, या फिर उन 170 से ज्यादा लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों पर पैदल चलना होगा जो नहरों के ऊपर बनाए गए हैं। यहां के लोग अपनी ग्रासरी से लेकर फर्नीचर तक सब कुछ नावों के जरिए ही इधर-उधर ले जाते हैं। यहां की शांति किसी थेरेपी से कम नहीं। यहां की सरकार ने सड़कों के प्रस्ताव को ठुकरा दिया ताकि उनकी शांति भंग न हो। यहां की नावों को विस्पर बोट्स कहा जाता है। इनमें इलेक्ट्रिक मोटर लगी होती है जो बिल्कुल आवाज नहीं करतीं और न ही धुआं छोड़ती हैं। यहां की हवा इतनी शुद्ध है कि शहर से आने वाले इंसान को अपनी सांसें भारी लगने लगती हैं। गिएथूर्न में सबसे तेज आवाज जो आप सुन सकते हैं, वह पक्षी की चहचहाहट या किसी के चप्पू के पानी से टकराने की होगी। यहां लोग पैदल चलना, साइकिल और नावों की सवारी करना पसंद करते हैं। कई लोगों ने दफ्तर पहुंचने के लिए अपनी पर्सनल विस्पर बोट रखी है और उन्हें दफ्तर तक पहुंचने में 10 मिनट से ज्यादा समय नहीं लगता क्यों यहां कोई ट्रैफिक जाम ही नहीं होता, लेकिन इमरजेंसी के लिए यहां वाटर एम्बुलेंस जरूर हैं। इस जगह ने अपनी जड़ों और प्रकृति को बचाकर रखा, इसीलिए आज जब दुनिया हीटवेव और डिप्रेशन से जूझ रही है, यहां के लोग अपनी नाव में बैठकर सुकून की लहरों पर तैर रहे हैं। यहां एसपी की जरूरत नहीं पड़ती, वे नहरों के ठंडे पानी और पेड़ की छांव में बिना किसी मशीन के मस्त रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यहां की जलसड़कें ही नहीं घर भी खास हैं। हर घर की छत घास-फूस से बनी है, जो 18वीं सदी की याद दिलाती है। हर घर के सामने सुंदर बगीचे हैं जो सीधे नहर के पानी से मिलते हैं। यहां की जिंदगी में एक विरोधाभास भी है। यहां की आबादी केवल 2800 लोगों की है और वे सुकून से रहना चाहते हैं लेकिन दुनिया के सबसे खूबसूरत इलाके का टैग यहां दुनियाभर से लोगों को खींच लाता है। इस छोटे से जगह हर साल दुनिया भर से 10 लाख से ज्यादा पर्यटक आते हैं।

नालंदा : शीतलाष्टमी मंदिर में भगदड़ से आठ लोगों की मौत

राजगीर, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को शीतलाष्टमी मंदिर में भगदड़ से आठ लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मधडा गांव स्थित शीतलाष्टमी मंदिर में आज सुबह श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए गये थे। अत्यधिक भीड़ से लोगों में भगदड़ मच गयी। भगदड़ से आठ लोगों की मौत हो गयी है।

मृतकों में सभी महिलाये हैं।

सूत्रों ने बताया कि मृतकों में से पांच की पहचान देवंती देवी,रेखा देवी,मालो देवी,चिंता देवी और कांति देवी के रूप में की गयी है।

अन्य मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। इस घटना में कुछ लोग घायल हो गये हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर कैंप कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं की मौत पर नीतीश ने शोक एवं संवेदना व्यक्त की मृतकों के आश्रितों के लिए अनुग्रह अनुदान के दिए निर्देश

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के बिहार शरीफ स्थित शीतला देवी मंदिर में हुई भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि यह घटना काफी दुखद है और वह इससे मर्माहत हैं।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से 04-04 लाख रूपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रूपये (कुल 06 लाख रूपये) अनुग्रह

अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद श्री कुमार के निर्देश पर वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच गये है तथा राहत एंव बचाव कार्य में जुटे हुये है। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल हुये लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है और उनकी समुचित इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।उल्लेखनीय है कि आज नालंदा जिले के बिहारशरीफ में शीतला माता मदिर के पास हुई भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गयी थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच लिएंडर पेस ने भाजपा का दामन थामा

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। टेनिस के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

श्री पेस ने केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पश्चिम बंगाल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री रिजिजू ने भाजपा की सदस्यता वाली पर्ची के साथ फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले श्री पेस का भाजपा में शामिल होना के कई बड़े राजनीतिक मायने हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उनका भाजपा में शमिल होना बेहद अहम माना जा रहा है। लोग कयास लगा रहे हैं कि राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी अहम भूमिका हो सकती है।प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री पेस की पिछले दिनों भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से पश्चिम बंगाल

दौरे पर मुलाकात हुयी थी। इस दौरान उनके साथ सौमिक भट्टाचार्य भी मौजूद थे।

भाजपा में शामिल होने के बाद श्री पेस ने कहा, यह मेरे जीवन का बड़ा दिन है। मैं प्रधानमंत्री मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को धन्यवाद देना चाहता हूं। भाजपा ने मुझे इस देश के लोगों और युवाओं की सेवा करने का जो मौका दिया है, उसके लिए मैं उनका आभारी हूं। भाजपा की सदस्यता पर्ची मेरे ऊपर एक जिम्मेदारी है।

पूर्व टेनिस खिलाड़ी पेस के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को बंगाल विधानसभा चुनाव में फायदा हो सकता है। ज्ञात रहे कि श्री पेस ने वर्ष 2021 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सदस्यता ली थी लेकिन अब उन्होंने पार्टी से दूरी बनाते हुए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। हाल ही में उनकी भाजपा अध्यक्ष नवीन से मुलाकात के बाद इस कदम की अटकलें तेज हो गई थीं।श्री पेस भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा उनके नाम आठ पुरुष युगल और 10 मिक्स्ड डबल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। श्री पेस की जोड़ी महेश भूपति और मार्टिना नवरातिलोवा जैसे खिलाड़ियों के साथ काफी सफल रही है। डेविस कप इतिहास में सबसे ज्यादा डबल्स मैच जीतने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। श्री पेस को राजीव गांधी खेल रत्न, पद्म श्री और पद्म भूषण से नवाज गया है। अब उनका राजनीति में सक्रिय होना पश्चिम बंगाल चुनाव में नया समीकरण बना सकता है।

केंद्र सरकार में सीनियर आईएएस अधिकारियों का बड़ा फेरबदल, कई मंत्रालयों में नई पोस्टिंग

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार में सीनियर आईएएस अधिकारियों का बड़ा फेरबदल हो गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसमें विभिन्न मंत्रालयों में अतिरिक्त सचिव स्तर की पोस्टिंग शामिल है। गुजरात कैडर के कुछ अधिकारियों को भी महत्वपूर्ण पदों पर जगह दी गई है। इस फेरबदल के तहत पुनीत कंसल को नागरिक उड्डयन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव बनाया गया है। मोना के. खांधार को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फैज अहमद किदवई को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। वीर विक्रम यादव को नागरिक उड्डयन महानिदेशक का पदभार सौंपा गया है। विशाल गगन को केंद्रीय सूचना आयोग में सचिव बनाया गया है। श्रीधर चिरुवोलु को प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव का पद मिला है। आरती कुंवर को वस्त्र मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

विजय नेहरा को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव बनाया गया है। लोखंडे प्रशांत सीताराम को गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव की पोस्टिंग दी गई है। दिवाकर नाथ मिश्रा को विद्युत मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव बनाया गया है।अंकिता मिश्रा बुंदेला को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। नीतू कुमारी प्रसाद को वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव का पद सौंपा गया है।

टोल प्लाजा पर अब नहीं चलेगा कैश, एक अप्रैल से केवल डिजिटल माध्यम से भुगतान होगा मान्य

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने टोल से जुड़े नियमों में बदलाव किया है और अब एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान ही मान्य होगा, यानी अब हाइवे यूजर्स कैश में टोल का भुगतान नहीं कर पाएंगे। एनएचएआई का यह कदम पूरे देश में उसके सभी टोल प्लाजा पर लागू होगा। एनएचएआई के मुताबिक, एक अप्रैल से यात्री केवल टोल प्लाजा पर डिजिटल माध्यम जैसे फास्टैग और यूप-ीआई के माध्यम से भुगतान कर पाएंगे।इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल

वसूली में दक्षता बढ़ाना और पारदर्शिता लाना है।अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली से वाहनों को टोल प्लाजा से तेजी से गुजरने में मदद मिलेगी, जिससे लंबी कतारें कम होंगी और यात्रा का समय बचेगा।कैश लेन को हटाने से अधिकारियों को उम्मीद है कि यातायात खासकर व्यस्त समय में सुचारू रूप से चलेगा।टोल बूथों पर तेजी से प्रोसेसिंग से ईंधन की खपत और वाहन उत्सर्जन में भी कमी आने की संभावना है, जिससे स्वच्छ पर्यावरण में योगदान मिलेगा।हालांकि, इस बदलाव से कुछ यात्रियों को असुविधा हो सकती है, खासकर उन लोगों को जो डिजिटल भुगतान के लिए तैयार नहीं हैं।वैध फास्टैग या पर्याप्त बैलेंस न होने पर वाहनों पर जुर्माना लग सकता है या उन्हें टोल प्लाजा पर रोका भी जा सकता है।ऐसे मामलों में, यात्रियों के पास टोल बूथों पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई के माध्यम से तुरंत भुगतान करने का विकल्प होगा।लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण कभी-कभी ये लेनदेन प्रभावित हो सकते हैं, जिससे देरी हो सकती है।बाधाओं से बचने के लिए, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले सुनिश्चित करें कि उनका फास्टैग सक्रिय है, उनके बैंक खाते से ठीक से जुड़ा हुआ है और उसमें पर्याप्त शेष राशि है।

अपने स्मार्टफोन में बैकअप के रूप में एक चालू यूपीआई ऐप रखने की सलाह भी दी गई है।

यह बदलाव भारत के डिजिटल अवसंरचना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे राजमार्ग यात्रा तेज, सुगम और अधिक कुशल बनेगी।

1098 चाइल्ड हेल्पलाइन से 2.31 लाख से अधिक बच्चों को मिली सहायता

प्रदेश में बाल सुरक्षा नेटवर्क मजबूत, हर जिले में हेल्पलाइन यूनिट

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण को लेकर योगी सरकार का तंत्र अत्यंत सुदृढ़ हो चुका है। महिला कल्याण विभाग की 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को 24 घंटे त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य सरकार की पहल के तहत अब तक प्रदेश में 2.31 लाख से अधिक बच्चों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। संकटग्रस्त, लावारिस, बाल श्रम और उत्पीड़न के शिकार बच्चे शामिल हैं। प्रदेश में बाल सुरक्षा के लिए एक मजबूत और संवेदनशील तंत्र विकसित किया गया है। निदेशक महिला कल्याण डॉ. वंदना वर्मा ने बताया कि यह सेवा अब जमीनी स्तर

पर प्रभावी नेटवर्क के रूप में कार्य कर रही है, जहां हर जिले में हेल्पलाइन यूनिट सक्रिय रूप से संचालित है और संकट में फंसे बच्चों तक तुरंत पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 77 हजार से अधिक बच्चों को हेल्पलाइन के माध्यम से मदद मिली है, जो इसकी बढ़ती पहुंच और प्रभावशीलता को दर्शाता है। 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के तहत त्वरित बचाव व्यवस्था की गई है, जिसमें कॉल प्राप्त होते ही टीम 60 मिनट के भीतर आपात स्थिति में फंसे बच्चों तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित निकालती है। यह सेवा 24 घंटे पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, आश्रय और कानूनी परामर्श उपलब्ध कराती है, जिससे बच्चों को हर स्तर पर संरक्षण मिलता है। मुसीबत में फंसे बच्चों का बाल कल्याणसमिति के माध्यम से पुनर्वास कर उन्हें उनके परिवार से मिलाने की व्यवस्था भी की गई है।1098 चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा को रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों तक विस्तारित किया गया है, जिससे ऐसे स्थानों पर भटकने वाले या जोखिम में पड़े बच्चों तक तत्काल पहुंच बनाई जा सके। इसके अंतर्गत राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम, जनपदों में चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट, 28 रेलवे स्टेशन यूनिट व 11 बस स्टैंड यूनिट की स्थापना की गई है। यह व्यवस्था बाल तस्करी और बाल शोषण जैसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में भी सहायक बन रही है। योगी सरकार का यह मॉडल बाल सुरक्षा के क्षेत्र में एक सशक्त, जवाबदेह और सक्रिय व्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आया है।

योगी सरकार में होगी औद्योगिक क्रांति

9 साल में 17 हजार से अधिक कारखानो का पंजीकरण

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। योगी सरकार के सुशासन, पारदर्शी नीतियों और दूरदर्शी नेतृत्व का ही असर है कि प्रदेश में अप्रैल 2017 से अब तक 17,841 नए कारखाने पंजीकृत किए गए हैं। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश के स्वतंत्र होने के बाद वर्ष 1947 से मार्च 2017 तक लगभग 70 वर्षों में प्रदेश में कुल 14,178 कारखाने ही पंजीकृत हो पाए थे। वर्तमान समय में प्रदेश में कुल पंजीकृत कारखानों की संख्या 32,019 तक पहुंच चुकी है।प्रमुख सचिव श्रम एवं रोजगार डॉ. एमके शनमुगा सुंदरम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से सुधार, निवेश अनुकूल माहौल और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, ऑनलाइन क्लीयरेंस, भूमि बैंक,

बेहतर कानून-व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं विकसित कीं। देश-विदेश के निवेशकों का भरोसा उत्तर प्रदेश पर बढ़ा है। प्रदेश में 17,841 कारखाने अप्रैल 2017 के बाद पंजीकृत हुए हैं, जो राज्य में औद्योगिक गतिविधियों की तेज रफ्तार को दर्शाते हैं। सिर्फ सितंबर 2023 से अब तक ही 10,194 कारखानों का पंजीकरण हुआ है, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 4,746 नए कारखाने जुड़े हैं। अप्रैल 2017 के बाद पंजीकृत इन कारखानों में वर्तमान में 16,53,179 लोग नौकरी कर रहे हैं। इनमें 15,29,907 पुरुष व 1,23,272 महिलाएं कार्यरत हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10,895, मध्य उत्तर प्रदेश में 3,526, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 3,205 और बुंदेलखंड क्षेत्र में 215 कारखाने पंजीकृत किए गए हैं। आंकड़े दर्शाते हैं कि योगी सरकार ने क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करते हुए हर क्षेत्र में उद्योगों को बढ़ावा दिया, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। इन कारखानों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन भी तेजी से हुआ है। प्रदेश में 14,412 कारखाने ऐसे हैं, जिनमें 100 तक श्रमिक कार्यरत हैं जबकि 3,213 कारखानों में 101 से 1000 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी तरह 118 बड़े कारखाने ऐसे हैं जिनमें 1000 से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। यह संख्या दर्शाती है कि योगी सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों एमएसएमई के साथ बड़े उद्योगों को समान रूप से प्रोत्साहन दिया है। औद्योगिक विकास में कानून-व्यवस्था की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। योगी सरकार ने प्रदेश में सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया निवेशकों का विश्वास बढ़ा। एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट और लॉजिस्टिक हब जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ने उद्योगों को नई गति दी। इन प्रयासों का परिणाम यह है कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ कृषि प्रधान राज्य नहीं रहा, बल्कि तेजी से औद्योगिक राज्य के रूप में उभर रहा है।

असम चुनाव: भाजपा के घोषणापत्र में पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश, मूल निवासियों के संरक्षण का वादा

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असम विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को भाजपा का घो-षणापत्र जारी किया, जिसमें मूल निवासियों की जमीन, विरासत और सम्मान की सुरक्षा और बुनियादी ढांचा के लिए पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया गया है।

भाजपा के संकल्प पत्र में 31 वादे किए गए हैं, जिनमें बांग्लादेशी मियांओं से अतिक्रमित जमीन वापस लेना, समान नागरिक संहिता लागू करना, राज्य का विकास सुनिश्चित करना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना शामिल हैं।

सीतारमण ने कहा कि यह घोषणापत्र राज्य के एक दशक के परिवर्तन पर आधारित है, जिसे कांग्रेस 60 वर्षों में हासिल नहीं कर पाई।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का पूर्वोत्तर के दीर्घकालिक विकास पर कोई ध्यान नहीं था।

सीतारमण ने दावा किया कि राज्य में भाजपा सरकार के दौरान व्यापक विकास हुआ और कई युवा असमियों ने मजबूरी नहीं, बल्कि अवसरों के कारण विदेश से नौकरी छोड़कर असम लौटना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने असम में शांति बहाल की और विकास केवल स्थिरता होने पर ही संभव है।

सीतारमण ने यह भी कहा कि कांग्रेस की नीतियों के कारण असम 32 साल तक अफस्पा के अधीन रहा, लेकिन भाजपा ने अधिकांश राज्यों से इस कानून को हटवाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गरीटा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा, राज्य के कैबिनेट मंत्री और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता मौजूद थे।

राज्य की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होना है, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

यूरोपीय संघ परिषद ने कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर ईरान पर लगे प्रतिबंधों को बढ़ाया

ब्रसेल्स, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने कथित मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों को लेकर ईरान पर लगे प्रतिबंधों को 13 अप्रैल, 2027 तक बढ़ा दिया है। यूरोपीय संघ परिषद ने यह जानकारी दी।परिषद ने सोमवार को एक बयान में कहा, परिषद ने आज ईरान में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन के जवाब में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधात्मक उपायों को 13 अप्रैल 2027 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। बयान के अनुसार, इन उपायों में ईयू में प्रवेश पर प्रतिबंध और संपत्ति को फ्रीज करना, साथ ही ईरान को दूरसंचार निगरानी उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध शामिल है। इसमें ईयू के नागरिकों और कंपनियों को प्रतिबंध सूची में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं को धन उपलब्ध कराने से भी प्रतिबंधित किया गया है।

ईयू ने 2011 में ईरान के खिलाफ प्रतिबंध लगाना शुरू किया था और तब से हर साल प्रतिबंधों को बढाया जाता है। इस बार, प्रतिबंधों के विस्तार का कारण हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान ईरान द्वारा कथित मानवाधिकार उल्लंघन बताया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अगले एक महीने तक बंद रहने पर बढ़ सकती हैं तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल : जेपी मॉर्गन

वाशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी बैंक जेपी मॉर्गन के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रूस कासमैन का मानना है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य एक और महीने के लिए बंद रहता है, तो तेल की कीमतें आसमान छूने के साथ 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।ब्रिटिश समाचार पत्र द टाइम्स ने अर्थशास्त्री कासमैन के बयान के हवाले से कहा, ऐसी स्थिति में, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य एक और महीने तक बंद रहता है, तो तेल की कीमतें लगभग 150 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं और ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर औद्योगिक उपभोक्ताओं को कमी का सामना करना पड़ सकता है।उल्लेखनीय है कि अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान की राजधानी तेहरान सहित देश के विभिन्न ठिकानों पर हमले शुरू किए थे, जिससे भारी क्षति हुई और नागरिक हताहत हुए थे।

मोदी सरकार की स्मार्ट सिटी योजना धोखा साबित हुयी : राहुल

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्मार्ट सिटी परियोजना को लेकर मोदी सरकार पर हमला करते हुए मंगलवार को इसे धोखा करार दिया और कहा कि यह योजना अपने उद्देश्य से भटक गई और आम नागरिकों को इससे कोई फायदा नहीं पहुंचा।

श्री गांधी ने एक बयान में आरोप लगाया कि परियोजना के तहत शहरों के समग्र विकास के बजाय सीमित क्षेत्रों में काम कर उसे बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश

किया गया, जबकि ज़मीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कोई भी शहर तब तक 'स्मार्ट' नहीं हो सकता, जब तक वह अपने नागरिकों को साफ पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षा जैसी बुनियादी गरिमा उपलब्ध नहीं कराता। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत करीब 48 हजार करोड़ रुपये खर्च होने और 97 प्रतिशत परियोजनाओं के पूरे होने का दावा किया गया, लेकिन वास्तविक स्थिति इससे अलग है। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि कितने शहरों में वास्तव में ठोस बदलाव आया और लोगों के जीवन में क्या सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि दूषित पानी, खुले सीवर, गिरते पुल और धंसती सड़कें इस योजना की विफलता को उजागर करती हैं।

2026 में लगातार प्रोजेक्ट्स रिलीज के बाद ब्रेक लेंगी जेंडाया, कहा

कुछ समय के लिए हो जाऊंगी गायब

बॉलीवुड में कुछ ऐसे सितारे होते हैं, जो अपने काम, स्टाइल और स्क्रीन प्रेजेंस से हर साल दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं। उन्हीं में से एक हैं अभिनेत्री जेंडाया, जो पिछले कुछ सालों में लगातार बड़ी फिल्मों और चर्चित प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनकर ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं।

साल 2026 उनके करियर का बेहद खास साल साबित होने वाला है, क्योंकि इस दौरान उनकी कई बड़ी फिल्में और सीरीज रिलीज होने जा रही हैं। एक इंटरव्यू में जेंडाया ने खुलकर अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स और भविष्य की योजनाओं पर बात की। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे बार-बार स्क्रीन पर देखकर बोर नहीं होंगे। मैं सच में फैंस की आभारी हूं, जो मेरे फिल्मों और मेरे करियर को सपोर्ट करते हैं। मैं अपने हर प्रोजेक्ट के लिए दर्शकों के प्यार और समर्थन की शुक्रगुजार हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''इस साल दर्शक मुझे काफी ज्यादा देखने वाले हैं, क्योंकि मेरी कई फिल्में और शोज एक के एक रिलीज होने वाले हैं। इसके बाद मैं थोड़े समय के लिए गायब हो जाऊंगी, यानी ब्रेक ले लूंगी, ताकि खुद को थोड़ा समय दे सकूं और फिर नई एनर्जी के साथ वापसी कर सकूं।''

जेंडाया की इस साल की शुरुआत फिल्म 'द ड्रामा' से होगी, जो 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वह एमा हारवुड का किरदार निभा रही हैं, जो एक बुकस्टोर में काम करती है और अपनी शादी की तैयारी करती है। लेकिन शादी से ठीक पहले उसके रिश्ते में एक बड़ा मोड़ आता है, जब उसे अपने पार्टनर के बारे में कुछ चौंकाने वाली बातों का पता चलता हैं। यह फिल्म रिश्तों, सच्चाई और भावनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

इसके अलावा, उनका चर्चित शो 'यूफोरिया' भी वापसी करने जा रहा है। इसका तीसरा सीजन 12 अप्रैल से शुरू होगा, जिसमें जेंडाया फिर से अपने लोकप्रिय किरदार में नजर आएंगी। यह शो पहले भी अपनी कहानी और किरदारों के कारण काफी चर्चा में रहा है।

साल के बीच में जेंडाया निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ टॉम हॉलैंड भी होंगे। यह फिल्म 17 जुलाई को रिलीज होगी। इसके ठीक बाद दोनों की जोड़ी फिल्म 'स्पाइडर मैन: ब्रांड न्यू डे' में भी दिखाई देगी, जो 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। इस जोड़ी को पहले भी दर्शकों ने काफी पसंद किया है, इसलिए इस फिल्म से भी बड़ी उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

साल के आखिर में जेंडाया की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ड्यून: पार्ट 3' 18 दिसंबर को रिलीज होगी। वहीं खबर यह भी है कि अगर वह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा बनी रहती हैं, तो उसी दिन 'एवेंजर्स: डूम्स्डे' भी रिलीज हो सकती है।

कुल मिलाकर, 2026 जेंडाया के लिए एक ऐसा साल होगा जिसमें वह लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी। मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, आप सबसे बढ़िया हैं बॉस। फराह खान ने लिखा, अरे वाह। 'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था।

इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

पावरस्टार पवन सिंह का नया धमाका

भोजपुरी एल्बम 'शहरिया' जल्द होगा रिलीज

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार और गायक पवन सिंह, जिन्हें 'पावर स्टार' कहा जाता है, इन दिनों साउथ सिनेमा में अपनी सिंगिंग डेब्यू के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच, अभिनेता अपने भोजपुरी फैंस को एक और धमाकेदार म्यूजिक एल्बम 'शहरिया' का तोहफा देने जा रहे हैं। पवन सिंह ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' से एक पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को इसकी जानकारी दी। इसी के साथ अभिनेता ने एल्बम का पोस्टर भी जारी किया। पोस्टर में पवन सिंह के साथ शिवानी सिंह नजर आ रही हैं। 'शहरिया' के पोस्टर में दोनों ही कलाकारों का लुक काफी शानदार नजर आ रहा है। म्यूजिक वीडियो जल्द ही 'एस मनोरंजन' नामक यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा, जिसका फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। म्यूजिक एल्बम 'शहरिया' में लोगों को पवन सिंह की दमदार गायकी के साथ-साथ शिवानी सिंह के साथ उनकी शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी।

बता दें, इन दिनों पवन सिंह ने एक्टर अदिवि शेष की आगामी बहुभाषी फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' से साउथ (तेलुगु) सिनेमा में धमाकेदार सिंगिंग डेब्यू किया है। उन्होंने इस फिल्म में 'टच बडी' गाने को अपनी दमदार आवाज दी है, जो कि हिंदी और तेलुगु दोनों ही भाषाओं में 28 मार्च को रिलीज हुआ। 'टच बडी' गाने में पवन सिंह के साथ जोनिता गांधी ने भी अपनी शानदार आवाज दी है, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। गाने की लोकप्रियता के साथ ही भोजपुरी के सुपरस्टार की पहुंच अब बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ सिनेमा में भी मजबूत हो रही है।

शेनिल देव द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मूवी में अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं को निभाते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक गुस्से से भरे कैदी के ईर्द-गिर्द है, जो धोखा का बदला लेने के लिए निकलता है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अक्षरा सिंह का जलवा, फिल्म फेस्टिवल में पसंद की गई मुझे ऐसा पति दे भगवान

मराठी भोजपुरी सिनेमा आज के समय तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब यह अच्छी कहानियों और मजबूत स्क्रिप्ट के साथ दर्शकों से जुड़ रहा है और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में अभिनेत्री अक्षरा सिंह की फिल्म 'मुझे ऐसा पति दे भगवान' को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल दिल्ली में जगह मिली है। यह फिल्म भोजपुरी भाषा की पहली फिल्म है, जो इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में चुनी गई। मूवी को फिल्म फेस्टिवल में अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

मंगलवार को अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने समारोह की कुछ झलकियां अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। अभिनेत्री द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि लोगों की तरफ से फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, जब आपकी कहानी और भाषा दुनिया के बड़े मंच तक पहुंचती है, तो यह सिर्फ एक उपलब्धि नहीं बल्कि, एक खास एहसास होता है।

अक्षरा ने आगे लिखा, इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली में हमारी पहली भोजपुरी फिल्म का चयन हुआ है, 'ऐसा पति मुझे दे भगवान'। मैं खुद को बहुत खुश और गौरवशाली महसूस कर रही हूं।

उन्होंने अपनी पूरी टीम को बधाई दी। इसमें सह- अभिनेता अंशुमान सिंह राजपूत, प्रोड्यूसर अविनाश रोहरा, डायरेक्टर इश्तियाक शेख बंटी समेत फिल्म की पूरी टीम शामिल हैं। अक्षरा ने लिखा, मेरे सभी साथियों को दिल से बधाई। और आप सभी दर्शकों का भी दिल से धन्यवाद, जिन्होंने हमें यहां तक पहुंचाया।

अभिनेत्री ने लिखा कि अब यह सफर और भी बड़ा होने वाला है। उन्होंने दर्शकों से कहना है कि क्या आप हमारा साथ देंगे?

इश्तियाक बंटी शेख द्वारा निर्देशित फिल्म 'ऐसा पति मुझे दे भगवान' एक इमोशनल कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो पत्नी के प्रेम और तीज व्रत की शक्ति पर आधारित है।

इस फिल्म में अक्षरा सिंह के अलावा अंशुमन सिंह राजपूत, अमित शुक्ला, अयाज खान, प्रेम दुबे, विद्या सिंह, ज्योति मिश्रा, और पल्लवी खोली जैसे मंझे हुए कलाकार शामिल हैं।

मेन स्ट्रीम सिनेमा के मुकाबले ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार : भूमि पेडनेकर

मायानगरी के सिनेमा के सपने को पूरा करने का ख्वाब अब दिल्ली में भी देखा जा सकेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पहली बार दिल्ली में हो रहा है। 31 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में सितारों का मेला लग रहा है। सोमवार को 'टॉयलेट : एक प्रेमकथा' और 'दम लगाके हईशा' जैसी फिल्मों में लीड रोल निभा चुकीं भूमि पेडनेकर और अभिनेता मानव विज समारोह का हिस्सा बने। भूमि पेडनेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है। दिल्ली को इस फिल्म फेस्टिवल की सबसे ज्यादा जरूरत है, और आज सरकार और इस समारोह से जुड़े लोगों की मेहनत ने कलाकारों और निर्माताओं को बड़ा मंच दिया है। भले ही मैं मुंबईवासी हूं, लेकिन मेरा दिल दिल्ली के लिए धड़कता है। ओटीटी और सिनेमा में आए बदलाव पर अभिनेत्री ने कहा कि ओटीटी पर जितने भी किरदार एक्सपेरिमेंटल मिलते हैं, वो राइटर की बदौलत मिलते हैं, क्योंकि वो वैसे किरदारों को लिखते हैं, हमें बस सही किरदार का चुनाव करना होता है, लेकिन मेन स्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं के लिए उतने अच्छे और एक्सपेरिमेंटल रोल नहीं मिल पा रहे हैं, जितने ओटीटी पर मिल रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा में यह बदलाव भी जल्द से जल्द आएगा।

पंजाबी अभिनेता मानव विज भी महोत्सव का हिस्सा बने और उनकी फिल्म 'मां जाए' की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी गई। मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और किरदार को जीवंत करने के लिए उन्होंने पूरी जान लगा दी थी। मुझे पता था कि फिल्म अच्छी साबित होगी, लेकिन यह नहीं पता था कि फिल्म को इतना सम्मान भी मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिल्ली को जरूरी बताते हुए अभिनेता ने कहा, इसी महोत्सव की वजह से अच्छा सिनेमा सामने आ पाता है और दूसरों को भी अच्छी फिल्म बनाने की प्रेरणा मिलती है। आप किसी चीज की बेहतरी तभी कर सकते हैं, जब उसे बेहतर मंच मिलेगा।

अप्रैल माह में होंगे 4 बड़े ग्रह गोचर

अप्रैल महीने से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत होती है। हिंदू कैलेंडर और धार्मिक लिहाज से अप्रैल का महीना बहुत खास महत्व का होता है। सनातन धर्म में इस माह कई महत्वपूर्ण व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। मार्च-अप्रैल के महीने में ही हिंदू नववर्ष का आरंभ भी होता है। चैत्र का महीना हिंदू कैलेंडर का पहला महीना माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रह गोचर के लिहाज से अप्रैल का महीना बड़ा ही ख़ास माना जा रहा है। सूर्य, बुध, मंगल और शुक्र ये चार बड़े ग्रह अप्रैल के महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। महीने की शुरुआत में मंगल का गोचर मीन राशि में होगा। इसके बाद बुध 11 अप्रैल को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं सूर्य का गोचर 14 अप्रैल को अपनी उच्च राशि मेष में होगा। 19 अप्रैल को शुक्र ग्रह अपनी स्वराशि वृषभ में गोचर कर जाएंगे। इस महीने सूर्य, मंगल, बुध और शनि की युति मीन राशि में होगी। शनि और सूर्य पहले से ही मीन राशि में मौजूद हैं। वहीं, इस महीने शुक्र का गोचर भी स्वराशि वृषभ में होगा। शुक्र के स्वराशि वृषभ में गोचर करने से मालव्य राजयोग बनेगा। ज्योतिष शास्त्र में मालव्य राजयोग को प्रभावशाली और शक्तिशाली राजयोग माना गया है।

2 अप्रैल 2026 को मंगल मीन राशि में गोचर करेंगे। जिससे भावनात्मक और आध्यात्मिक ऊर्जा में वृद्धि होगी। इसके बाद 11 अप्रैल को बुध भी मीन राशि में प्रवेश करेंगे। फिर 14 अप्रैल को सूर्य मेष राशि में गोचर करेंगे, जहां वह उच्च के माने जाते हैं। वहीं 19 अप्रैल को शुक्र वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे, जो सुख-सुविधाओं, प्रेम और भौतिक सुखों में वृद्धि का संकेत देता है। वहीं महीने के अंत में 30 अप्रैल को बुध मेष राशि में गोचर करेंगे, जिससे निर्णय लेने की क्षमता तेज होगी। ऐसे में ग्रहों के इस महत्व-पूर्ण बदलाव का असर सभी राशियों पर पड़ेगा।

2 अप्रैल को मंगल का मीन राशि में गोचर

अप्रैल माह में पृथ्वी पुत्र और युद्ध के देवता मंगल गुरु ग्रह की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। 02 अप्रैल को मंगल मीन राशि में गोचर करने वाले हैं, जहां पर पहले से शनिदेव विराजमान हैं जिसके कारण मीन राशि में शनि-मंगल की युति बनेगी। मीन राशि पर देवगुरु बृहस्पति का स्वामित्व होता है। वहीं ज्योतिष में शनिदेव को कर्मफलदाता और मंगल को युद्ध, साहस, पराक्रम और भूमि आदि का कारक ग्रह माना जाता है। शनि और मंगल दोनों की ही गिनती पाप ग्रहों में होती है और दोनों का एक ही राशि में आने से प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलेगा। हालांकि कुंडली में ग्रहों की स्थिति से कुछ राशि वालों के लिए बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिससे कुछ राशि वालों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को भी मिल सकता है।

11 अप्रैल को बुध का मीन राशि में गोचर

बुध 11 अप्रैल 2026 को मेष राशि की यात्रा को विराम देते हुए मीन राशि में गोचर करेंगे। बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है। बाजार में खरीदारी बढ़ सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। अनाज और खाने की चीजों के दाम बढ़ सकते हैं। बुध के मीन राशि में गोचर करते ही राशि के जातकों को अच्छा धनलाभ हो सकता है।

14 अप्रैल को सूर्य का मेष राशि में गोचर

सूर्य हर एक माह में अपनी राशि बदलते हैं। जिसे सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष में सूर्य ग्रहों के राजा हैं। सूर्य 14 अप्रैल को मीन राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए मेष राशि में प्रवेश करेंगे। मेष राशि में सूर्य उच्च का फल देते हैं। ज्योतिष में सूर्य को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। सूर्य को आत्मा और पिता का कारक भी कहा गया है। सूर्य शुभ होने पर व्यक्ति को उच्च पद की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य को सिंह राशि का स्वामी माना गया है। सूर्य के मीन से निकलकर मेष राशि में गोचर के साथ मीन मलमास समाप्त हो जायेगा और इसकी वजह से रुके हुए मांगलिक कार्यक्रम, विवाह आदि फिर से शुरू हो जाएंगे।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

19 अप्रैल को शुक्र का वृषभ राशि में गोचर

रविवार 19 अप्रैल दोपहर 3:28 बजे शुक्र ग्रह अपनी ही राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे। वैदिक ज्योतिष में शुक्र को सुख, यश, प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है। जब शुक्र अपनी ही राशि में प्रवेश करते है तो उसकी शक्ति और प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। वृषभ एक स्थिर राशि है जो पृथ्वी तत्व से संबंधित है और भौतिक सुख-सुविधाओं से इसका गहरा जुड़ाव है। यह प्रभाव केवल भौतिक सुखों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में संतुलन, सौंदर्य और रचनात्मकता भी लाता है। शुक्र का वृषभ राशि में प्रवेश जीवन को अधिक सुखी और संतुलित बनाता है।

30 अप्रैल को बुध का मेष राशि में गोचर

बुध देव 30 अप्रैल 2026 को मेष राशि में प्रवेश कर जाएंगे और वे इस स्थिति में 14 मई तक रहेंगे। बुध के राशि परिवर्तन होने से इनकम, निवेश और लेन-देन पर असर पड़ता है। जिससे कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है तो कुछ लोगों को नुकसान भी होता है। इस ग्रह के कारण शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं। साथ ही शरीर में नसें, तंत्रिका तंत्र, गले और स्किन से जुड़ी बीमारी भी बुध की वजह से होती है। इस ग्रह के कारण तर्क शक्ति पर असर पड़ता है। साथ ही पत्रकारिता, शिक्षा, लेखन और वकालात से जुड़े लोगों के कामकाज में भी बड़े बदलाव होते हैं।

यह होगा असर

देश की राजनीति में बड़े बदलाव होंगे। नए चेहरे और युवाओं को मौका मिलेगा। कुछ नेताओं को हानि होगी। पड़ोसी देशों से तनाव बढ़ेगा। अनचाही घटनाएं होंगी। वाद विवाद ज्यादा होंगे। भूकंप आगजनी रेल और वायुयान दुर्घटना होगी। किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का निधन। सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा होंगी। बाजार और व्यापार को फायदा होगा। किसानो को फायदा होगा।

अन्न उत्पादन ज्यादा होगा। लोहा इस्पात मेडिकल और केमिकल्स व्यापार तरक्की करेंगे। आंखों एवं त्वचा के रोग बढ़ेंगे। सोने की कीमत और विदेशी करेंसी में उतार-चढ़ाव रहेगा। पेट्रोल, डीजल और तेल के दाम बढ़ने का अनुमान है। देश में विवाद होंगे। चोरी-डकैती, अपहरण और दुष्कर्म भी बढ़ने की आशंका है। जिससे लोगों में डर और तनाव रहेगा। नई-पुरानी बीमारियों से लोग परेशान हो सकते हैं। महंगाई और टैक्स बढ़ने के योग हैं।

उपाय

हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं। भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें ।

4 ग्रहों के राशि परिवर्तन का 12 राशियों पर असर

मेष: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बीमारी का अंदेशा है।

वृष: प्रमोशन के योग बनेंगे। सेहत संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

मिथुन: रोजगार मिलेगा। समृद्धि बढ़ेगी।

कर्क: तनाव और दौड़-भाग रहेगी। समस्याएं सुलझ जाएंगी।

सिंह: मेहनत ज्यादा होगी और उसका फायदा मिलेगा।

कन्या: मांगलिक कामों के योग बनेंगे। खर्चा भी बढ़ेगा।

तुला: प्रॉपर्टी खरीदी-बिक्री के साथ ही रियल एस्टेट में निवेश के योग हैं।

वृश्चिक: परिवार से मदद मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

धनु: मेहनत के मुताबिक सफलता मिलेगी। संतान संबंधी चिंता रहेगी।

मकर: खर्चा बढ़ेगा। सेहत संबंधी परेशानी भी रहेगी।

कुंभ: सेहत संबंधी परेशानी रहेगी। तनाव बढ़ेगा।

मीन: धन हानि और सेहत संबंधी परेशानी होगी। स्थान परिवर्तन के योग हैं।

वैशाख मास 3 अप्रैल से आरंभ, जानें महत्व और इस दौरान क्या करें क्या न करें

हिंदू नव वर्ष का दूसरा महीना वैशाख का होता है। चैत्र मास के बाद वैशाख मास का आरंभ हो जाता है। वैशाख मास में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस महीने में इनकी पूजा करने के विशेष फल प्राप्त होता है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है। साथ ही इस महीने में दान पुण्य आदि कार्य करने से कई गुना फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में आइए जानते हैं पंडित राकेश झा से कि वैशाख मास का आरंभ कब से हो रहा है और इस महीने क्या करना चाहिए और क्या नहीं, जानें वैशाख मास आरंभ होने की तारीख और नियम।

वैशाख मास 2026 का आरंभ कब?

पंचांग की गणना के अनुसार, वैशाख मास का आरंभ 3 अप्रैल से होने जा रहा है। दरअसल, 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर प्रतिपदा तिथि का आरंभ होगा और 3 तारीख को सुबह में 8 बजकर 43 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, 3 अप्रैल से ही वैशाख मास की शुरुआत होगी।

वैशाख मास का महत्व

स्कंद पुराण में भी वैशाख मास का विशेष महत्व बताया गया है। पुराण में वैशाख मास को भगवान विष्णु का प्रिय मास बताया गया है पुराण के अनुसार, नारदजी ने वैशाख मास का माहात्म्य इस तरह बताया है जैसे उपवास की तुलना में दूसरा कोई तप नहीं, जीवन के समान कोई लाभ नहीं, दया के समान कोई धर्म नहीं होता, दान से बढ़कर कोई सुख नहीं होता है, वैसा ही वैशाख मास के जैसा दूसरा कोई पवित्र महीना नहीं होता है। इसलिए ही इस महीने में किए गए दान पुण्य, जप तप, उपवास आदि का विशेष महत्व बताया गया है।

वैशाख मास में क्या करें

वैशाख मास के दौरान लोगों को ठंडा पानी पिलाना पुण्य फलदायी माना जाता है। इस दौरान पानी का दान करना पुण्यकारी माना गया है। इतना ही नहीं, इस दौरान पशु पक्षियों के लिए दाना, पानी रखना बहुत ही शुभ फलदायी माना जाता है।

वैशाख मास में रोजाना शाम के समय तुलसी के सामने दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

वैशाख मास में जरुरतमंद लोगों को जूते चप्पल और कपड़ों आदि का दान करें। ऐसा करना व्यक्ति को मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है।

वैशाख मास में क्या न करें

वैशाख मास में सूर्योदय होने के बाद तक न सोए। सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि करने के बाद पूजा पाठ करें।

तामसिक भोजन से परहेज करें। ऐसा करने से वैशाख मास में किए गए पुण्य फलों में कमी आती है। साथ ही सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है।

वैशाख मास में भूलकर भी जल की बर्बादी नहीं करनी चाहिए। इस महीने में पशु पक्षियों के लिए भी जल की व्यवस्था करनी चाहिए। इस महीने में जल का दान करना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है।

हनुमान जयंती पर मंगल गोचर का संयोग, वृषभ, मिथुन सहित अन्य राशियों के लिए बना मंगलकारी योग

मंगल गोचर 2 अप्रैल 2026, गुरुवार दे दिन होने जा रहा है। इस दिन संयोग से चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि भी पड़ रही है। इस दिन हनुमान जयंती का पावन पर्व मनाया जाता है। ऐसे में मंगल गोचर पर हनुमान जयंती का बेहद शुभ और दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दौरान देवगुरु बृहस्पति की राशि मीन में मंगल प्रवेश करेंगे। हनुमान जी को मंगल का स्वामी भी कहा जाता है। ऐसे में ज्योतिष की दृष्टि से इसे कई राशियों के लिए बेहद शुभ और मंगलकारी माना जा रहा है। मंगल गोचर के साथ हनुमान जयंती का संयोग वृश्चिक सहित 5 राशियों के लिए फलदायी रहने वाली है। इन राशियों को हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होगी और रुके हुए काम तेजी से पूरे होंगे।

वृषभ राशि : मेहनत का फल प्राप्त होगा

वृषभ राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर इनकी राशि से ग्यारहवें भाव में होगा। ऐसे में कमाई के घर में मंगल का आना इनके लिए लाभ का संयोग निर्मित करेगा। ऊर्जा और उत्साह का संचार होने से कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे और हनुमानजी की कृपा का लाभ भी इनको प्राप्त होता रहेगा। आप इस दौरान भूमि और प्रोप्टी से जुड़े काम में लाभ प्राप्त कर पाएंगे। सामाजिक संबंध आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। संपर्क क्षेत्र का विस्तार होगा।

मिथुन राशि : नौकरी में सफलता मिलेगी

मिथुन राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर आपके दसवें भाव में होने जा रहा है। हनुमान जयंती के दिन मंगल का गोचर मिथुन राशि वालों को मेहनत का फल दिलाएगा। व्यवसाय और नौकरी करने वाले जातकों को सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में प्रमोशन या वेतन वृद्धि से जुड़ा समाचार प्राप्त हो सकता है। कोई बड़ी जिम्मेदारी भी हनुमान जी के आशीर्वाद से आपको प्राप्त होती दिख रही है। यह समय समाज में आपको मान-सम्मान दिलाने वाला रहेगा।

कर्क राशि : अचानक बड़ी सफलता प्राप्त होगी

कर्क राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर नौवें भाव को प्रभावित करेगा। आपकी राशि के जातकों के लिए यह गोचर अत्यंत भाग्यशाली रहने वाला है। इस दौरान आपको अचानक कोई बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। लंबी दूरी की यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। विदेश यात्रा का भी मौका आपको मिल सकता है। तीर्थ यात्रा पर जानें का सौभाग्य भी मिल सकता है। इस अवधि के दौरान पिता के साथ आपके संबंध भी अधिक प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राशि : अटके हुए सभी कार्य पूरे होंगे

वृश्चिक राशि वालों के पांचवें भाव में मंगल का गोचर होने वाला है। इस दौरान आपकी राशि के जातकों पर हनुमान जी की विशेष कृपा रहेगी। इस दौरान प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। विवाहित लोगों की संतान प्राप्ति की इच्छा पूरी हो सकती है। अचानक धन मिलने की संभावना भी दिखाई दे रही है। इस दौरान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी। हनुमान जी के आशीर्वाद के आपके अटके हुए सभी कार्य पूरे होने लगेंगे।

मकर राशि : बाधाओं से छुटकारा मिलेगा

मंगल का गोचर आपकी राशि के तीसरे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मंगल का गोचर आपको लाभ दिलाने वाला रहेगा। इस दौरान आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। मंगल शत्रु पर विजय दिलाता है और हनुमान जी को संकट मोचक कहा जाता है। ऐसे में दोनों का मेल आपको बाधाओं से छुटकारा दिलाएगा। निवेश आपके लिए लाभकारी रहेगा। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपको लाभ दिलाने का काम करेगी।

हनुमान जयंती साल में दो बार मनाई जाती है, जानें कब और क्यों दो बार मानते हैं हनुमानजी का जन्मदिन

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। यह त्योहार मुख्य रूप से दक्षिण भारत में मनाया जाता है। इस साल हनुमान जयंती 2 अप्रैल, गुरुवार के दिन पड़ रही है। इसके अलावा, साल में एक बार और भी हनुमानजी का जन्मदिन मनाया जाता है। जिसे हनुमान जन्मोत्सव के नाम से जाना जाता है। हनुमान जयंती साल में दो बार मनाने के पीछे एक कथा छिपी हुई है। इसके मुख्य रूप से दो कारण बताए जाते हैं।

हनुमान जयंती दो बार कब-कब मनाई जाती है?

चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को जो हनुमान जयंती पड़ती है उसे मुख्य रूप से दक्षिण भारत में मनाया जाता है। इस साल यह तिथि 2 अप्रैल, गुरुवार को पड़ रही है। मान्यता है की इसी दिन पवन पुत्र हनुमानजी को नया जीवन प्राप्त हुआ था। ऐसे में जीवन पाने के साथ अद्भुत शक्तियां प्राप्त करने के उपलक्ष्य में हनुमान जयंती का त्योहार मनाया जाता है। वहीं, कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भी हनुमानजी का जन्मदिन मनाया जाता है। इस दिन उत्तर भारत के लोग हनुमान जन्मोत्सव का त्योहार मनाते हैं। पंचांग के अनुसार, इस साल 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 49 मिनट के बाद से चतुर्दशी तिथि लग जाएगी। ऐसे में उत्तर भारत के मतानुसार इसी दिन हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

हनुमान जयंती साल में दो बार क्यों मनाई जाती है?

हनुमान का जन्मदिन दो बार मनाने के पीछे खास वजह बताई जाती है। एक हनुमान जयंती उनके जन्मदिवस के रूप में तो दूसरी विजय अभिनन्दन महोत्सव के रूप में मनाई जाती है। कथा के अनुसार, पवन पुत्र बजरंगबली बाल्यकाल से ही बहुत शक्तिशाली और ऊर्जा से भरपूर थे। एक दिन हनुमानजी आकाश में चमकते हुए सूर्य को फल समझकर उसे खाने का प्रयास कर रहे थे। ऐसे में इंद्र उन्हें समझाने की कोशिश की, जब हनुमानजी नहीं माने तो इंद्रदेव ने क्रोधित होकर वज्र से उन पर प्रहार कर दिया। इसके चलते बजरंगबली की ठोड़ी धंस गई और वो मूर्छित हो गए। वायुदेव यह जानकर बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने क्रोध में आकर वायु को रोक दिया। इससे हवा बंद हो गई और सभी जीव संकट में आ गए।

हनुमानजी को मिला था दूसरा जीवन

पूरे ब्रह्मांड पर संकट आया तो सभी देवताओं के प्रार्थना करने के बाद ब्रह्माजी ने भगवान हनुमान को दूसरा जीवन दिया। सभी देवताओं ने उन्हें कई प्रकार शक्तियां भी दी थीं। मान्यता है की जिस दिन हनुमानजी को दूसरा जीवन प्राप्त हुआ था उस दिन चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि थी। तभी से इस दिन को हनुमान जयंती के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा, पौराणिक कथाओं में बताया गया है की देवी सीता और भगवान राम ने बजरंगबली को चिरंजीवी होने का वरदान दिया था। इसी के चलते कार्तिक माह में भी हनुमान जयंती का त्योहार मनाया जाता है।

सुबह-शाम भूलकर भी न करें ये काम, नहीं तो बढ़ सकती है आर्थिक परेशानी

वास्तु शास्त्र और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार घर की ऊर्जा हमारे जीवन पर सीधा प्रभाव डालती है। अक्सर लोग अनजाने में कुछ ऐसी आदतें अपना लेते हैं, जो घर में नकारात्मक वातावरण पैदा कर सकती हैं। खासतौर पर सुबह और शाम का समय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इन समयों में की गई छोटी गलतियां धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति, मानसिक शांति और पारिवारिक संतुलन पर असर डाल सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि इन आदतों को समय रहते सुधारा जाए, ताकि घर में सकारात्मकता और स्थिरता बनी रहे।

तुलसी से जुड़ी सावधानी

घर में तुलसी का पौधा शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ना उचित नहीं होता। ऐसा करने से घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। बेहतर यह माना जाता है कि सुबह के समय ही पूजा के लिए आवश्यक पत्ते ले लिए जाएं, जिससे दिनभर घर में शांति और संतुलन बना रहे।

शाम के समय सफाई से बचें

वास्तु के अनुसार, सूर्यास्त के बाद घर की सफाई या कूड़ा बाहर फेंकना अच्छा नहीं माना जाता। यह समय घर में ऊर्जा के स्थिर होने का होता है। ऐसे में सफाई करने से सकारात्मकता भी बाहर चली जाती है। इसलिए घर की सफाई सुबह के समय करना अधिक उपयुक्त माना जाता है, जिससे दिनभर अच्छा वातावरण बना रहे।

शाम को सोने की आदत

शाम का समय दिन और रात के बीच का संक्रमण काल होता है, जिसे आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है। इस दौरान सोना सुस्ती और नकारात्मकता को बढ़ा सकता है। इसके बजाय इस समय को परिवार के साथ बिताना या शांत वातावरण में बैठना मानसिक संतुलन के लिए बेहतर माना जाता है।

धन से जुड़े निर्णय का समय

आर्थिक मामलों में सही समय का चयन भी महत्वपूर्ण माना जाता है। परंपरागत मान्यताओं के अनुसार कुछ विशेष दिनों में धन से जुड़े कार्य करना अधिक अनुकूल होता है। इससे निर्णयों में स्थिरता आती है और अनावश्यक जोखिम से बचाव होता है।

घर की दीवारों और फर्श का ध्यान

घर की साफ-सुथरी दीवारें और व्यवस्थित फर्श सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करते हैं। दीवारों पर अनावश्यक निशान या गंदगी घर के वातावरण को प्रभावित कर सकती है। इसलिए घर को साफ और व्यवस्थित रखना मानसिक शांति के लिए भी जरूरी है।

सुबह की शुरुआत साफ-सफाई से करें

दिन की शुरुआत घर की सफाई से करना एक अच्छी आदत मानी जाती है। सुबह झाड़ू लगाने से रातभर की नकारात्मकता दूर होती है और घर में ताजगी आती है। इसके बाद किए गए कार्य अधिक प्रभावी और सकारात्मक परिणाम देने वाले माने जाते हैं।

अंततः यह समझना जरूरी है कि जीवन में बड़े बदलाव अक्सर छोटी आदतों से ही शुरू होते हैं। यदि रोजमर्रा की दिनचर्या में इन बातों का ध्यान रखा जाए, तो घर का वातावरण संतुलित और सकारात्मक बना रह सकता है, जिससे आर्थिक और मानसिक स्थिरता को बनाए रखने में मदद मिलती है।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है।

वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक विफलता का प्रमाण है निरंतर हो रहे

डॉ. शैलेश शुक्ला

यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब वैश्विक समुदाय ने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना की, तब उसका मूल उद्देश्य स्पष्ट था—भविष्य में युद्धों को रोकना, राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा को स्थायी आधार प्रदान करना किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ अनेक युद्ध और सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अपने मूल उद्देश्य में सफल रही हैं। यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी। यद्यपि मृत्यु दर में उतार-चढ़ाव देखा गया किंतु सक्रिय संघर्षों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि विश्व व्यवस्था में अस्थिरता गहराती जा रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संघर्षों को रोकने या नियंत्रित करने में सीमित सफलता ही प्राप्त कर पा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को वैश्विक शांति और सुरक्षा का मुख्य संरक्षक माना जाता है किंतु व्यवहार में उसकी संरचना और निर्णय प्रक्रिया कई बार उसकी प्रभावशीलता को सीमित कर देती है। स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो अधिकार के कारण कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव केवल इसलिए पारित नहीं हो पाते क्योंकि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक हित उनसे टकराते हैं। यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस ने अनेक प्रस्तावों पर वीटो का प्रयोग किया, जबकि गाजा संघर्ष के दौरान भी विभिन्न प्रस्ताव स्थायी सदस्यों के मतभेदों के कारण लंबित या विफल रहे। इस स्थिति ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता और क्षमता दोनों पर प्रश्न खड़े किए हैं, क्योंकि जब वही राष्ट्र, जिन पर शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी है, स्वयं संघर्षों में पक्षकार बन जाते हैं या अपने सहयोगियों के पक्ष में निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, तब संस्था की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सीमित प्रभावशीलता का एक अन्य संकेत वैश्विक सैन्य व्यय में लगातार हो रही वृद्धि है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में विश्व का कुल सैन्य व्यय 2.718 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत भाग सैन्य खर्च पर व्यय

किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्र सुरक्षा के लिए सामूहिक संस्थाओं पर भरोसा करने के बजाय अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल हथियारों की दौड़ को बढ़ावा देती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस भूमिका को भी कमजोर करती है, जिसमें वे सामूहिक सुरक्षा और संघर्ष-निवारण के माध्यम से युद्ध की आवश्यकता को कम करने का प्रयास करती हैं। हाल के वर्षों में विश्व के कई प्रमुख संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थायी और सर्वमान्य समाधान नहीं निकल सका। इसी प्रकार पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के बीच हिंसा बार-बार युद्धविराम के बावजूद पुनः भड़क उठती है। सूडान में आंतरिक संघर्ष ने मानवीय संकट को जन्म दिया, किंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय समय रहते निर्णायक हस्तक्षेप नहीं कर सका। इन सभी उदाहरणों में यह देखा गया कि संस्थाएँ बयान जारी करने, मानवीय सहायता प्रदान करने और कूटनीतिक प्रयास करने तक तो सक्रिय रहीं, किंतु संघर्षों को शीघ्र समाप्त कराने या दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की इस विफलता के पीछे कई संरचनात्मक और राजनीतिक कारण हैं। संयुक्त राष्ट्र की संरचना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की शक्ति संतुलन पर आधारित है, जबकि आज का विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है। नए उभरते राष्ट्र और क्षेत्रीय शक्तियाँ वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रही हैं, किंतु सुरक्षा परिषद की संरचना में अब तक व्यापक सुधार नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप, अनेक राष्ट्र स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से बाहर या हाशिये पर महसूस करते हैं, जिससे संस्थाओं की वैधता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। राजनीति इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थाओं की शक्ति मुख्यतः सदस्य राष्ट्रों की सहमति और सहयोग पर निर्भर करती है। यदि कोई शक्तिशाली राष्ट्र किसी निर्णय को मानने से इनकार कर देता है या प्रतिबंधों को नजरअंदाज करता है, तो संस्थाओं के पास उसे बाध्य करने के सीमित साधन ही होते हैं। यही कारण है कि कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों या परिषदों के निर्णय नैतिक और कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हुए भी व्यवहार में लागू नहीं हो पाते। इससे यह संदेश जाता है कि वैश्विक व्यवस्था में नियमों से अधिक शक्ति और प्रभाव का महत्व है, जो संस्थागत व्यवस्था के मूल सिद्धांतों को कमजोर करता है। निरंतर हो रहे युद्धों का मानवीय और आर्थिक प्रभाव भी इस विफलता को और अधिक स्पष्ट करता है। युद्धों के कारण लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं, शरणार्थी संकट बढ़ रहा है और अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएँ अस्थिर हो रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संकटों को समय रहते रोक नहीं पातीं, तो उनका ध्यान संघर्ष के बाद राहत और पुनर्वास पर केंद्रित हो जाता है जबकि मूल उद्देश्य युद्ध को रोकना और शांति बनाए रखना था। इस प्रकार संस्थाएँ प्रतिक्रियात्मक भूमिका में सिमट जाती हैं, जबकि उनसे अपेक्षा सक्रिय और निवारक भूमिका की थी। यह भी ध्यान देने योग्य है कि आधुनिक युद्धों का स्वरूप पारंपरिक युद्धों से भिन्न हो गया है। अब केवल दो राष्ट्रों के बीच सीधी लड़ाई ही नहीं, बल्कि प्रॉक्सी युद्ध, साइबर आक्रमण, आतंकवाद और गैर-राज्यीय सशस्त्र समूहों की भूमिका भी बढ़ गई है। इन जटिल और बहुस्तरीय संघर्षों से निपटने के लिए पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय संस्थागत ढांचे पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हैं। जब संघर्ष स्पष्ट रूप से दो राष्ट्रों के बीच न होकर अनेक पक्षों और गुटों में बंटा हो, तब मध्यस्थता और शांति स्थापना और भी कठिन हो जाती है। इसके बावजूद यह कहना भी पूर्णतः उचित नहीं होगा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ पूरी तरह विफल हो चुकी हैं। उन्होंने अनेक अवसरों पर शांति वार्ताओं को संभव बनाया, मानवीय सहायता पहुंचाई और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानवाधिकार के मानकों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किंतु समस्या यह है कि उनकी सफलता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है, जबकि उनकी विफलताएँ व्यापक और प्रत्यक्ष रूप से सामने आती हैं। जब युद्ध रुकता है तो उसे कूटनीतिक सफलता के रूप में कम देखा जाता है लेकिन जब युद्ध जारी रहता है तो संस्थाओं की सीमाएँ स्पष्ट रूप से उजागर हो जाती हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य यह संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में संरचनात्मक सुधार, निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता, क्षेत्रीय संगठनों के साथ बेहतर समन्वय और वैश्विक शक्ति संतुलन के अनुरूप प्रतिनिधित्व आवश्यक है।

कुछ अलग

भगवान न्यूट्रल हो गया

भगवान को अपने ईश्वरत्व पर शक होने लगा था। वह वरदान देने की कोशिश करते, तो भक्त शापित हो जाते। नदियों को आगे बढने को कहते, तो वे सूख कर रुक जातीं, लेकिन चौराहों की ट्रैफिक को रुकने का इशारा करते, तो वह आगे बढ़ जाती। आखिर क्या हुआ कि भगवान अपने भीतर भगवान ही नहीं रहा और उधर धरतीलोक पर लोगों ने बाकायदा चुन कर भगवान बना लिए। ऐसे में कुछ देवता चाहने लगे कि वे भी चुनाव जीत कर भगवान हो जाएं। अफरातफरी के इस आलम में भगवान ने अपने मंत्रिमंडल से सलाह लेनी चाही कि अब संसार को ठीक से चलाने के लिए क्या किया जाए। अधिकांश मंत्री खामोश थे, लेकिन एक जोर देकर बोला, 'यह आपकी कमजोरी है कि धरती पर भगवान बनने लगे हैं। आपके भक्त कम और नेताओं के बढने लगे हैं।' देवताओं की सहमति भी इसमें थी कि स्वयं भगवान धरती पर जाएं और भक्तों को अपने पक्ष में लाएं। धरतीलोक पर उतर कर भगवान अनकंफर्टेबल हो रहे थे। पहली बार भगवान को लगा कि उनसे ज्यादा औकात तो नेताओं ने बना ली है। अधिकांश भक्तों को भगवान की जरूरत ही नहीं थी। अंततः भगवान को एक शराबी मिलता है। पहली बार धरती पर भगवान को इसी शराबी ने पहचान लिया। भगवान ने शराबी से पूछा, 'तुम्हें क्यों लगा कि मैं भगवान हूं और तू बाकी जनता की तरह नेता का भक्त क्यों नहीं बना।' शराबी हंसा, उसने सामने स्थापित बड़ी सी मूर्ति की तरफ इशारा करके पूछा, 'बताओ यह किसकी है।' भगवान आश्चर्यचकित थे कि यह तो वही नेता है, जो बड़े मंच से जनता को सपने दिखा रहा था और श्रोता उसका नाम जप रहे थे।

देश दुनिया से

डिजिटलीकरण की रफ्तार और 'डिजिटल जहर' का खतरा

आज हमारा देश भारत तेजी से डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, और कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें स्मार्टफोन विशेषकर एंड्रॉयड का सबसे बड़ा योगदान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब (390 करोड़) है, वहीं भारत में वर्ष 2025–2026 के अनुमान के अनुसार कुल स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 75 करोड़ (750 मिलियन) तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 89%-90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं। अर्थात सरल शब्दों में कहें तो भारत में करीब 65-70 करोड़ लोग एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर रहे हैं।यह भी कहा जा सकता है कि आज हर 10 में से लगभग 9 लोग एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, हमारे देश में सस्ते डेटा प्लान, किफायती स्मार्टफोन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार इस तेज़ी के प्रमुख कारण हैं।भारत राजनीति समाचार हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक चिंताजनक पहलू भी सामने आ रहा है-'डिजिटल जहर' अर्थात मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत, जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि हमारे देश में 0-5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। वहीं, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उनके लिए स्क्रीन टाइम शून्य होना चाहिए। इतना ही नहीं, यदि हम यहां पर स्कूल जाने वाले बच्चों की बात करें, तो एक अध्ययन के अनुसार 62.5% बच्चों में मध्यम से उच्च स्तर की स्क्रीन लत पाई गई है, और उनका औसत स्क्रीन टाइम लगभग 4 घंटे प्रतिदिन है। एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करते हैं, जिनमें से 21% बच्चे 4 घंटे से भी अधिक समय मोबाइल, गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता-पिता का मानना है कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। और भी चिंता की बात यह है कि 64% बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के आदी हैं, जबकि केवल 20% बच्चों में किसी प्रकार की डिजिटल लत नहीं पाई गई है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज के समय में भारत में लगभग 90% किशोरों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है और 76% बच्चे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी डिजिटल लत को बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया है, क्योंकि यह उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7-8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की होड़ बच्चों में हीन भावना, तनाव और अवसाद को बढ़ा रही है, वहीं ऑनलाइन बुलिंग जैसी समस्याएं भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। हाल ही में एक अमेरिकी अदालत ने भी यह माना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का डिजाइन इस प्रकार बनाया जाता है कि उपयोगकर्ता बार-बार उन्हें इस्तेमाल करें, जिससे लत की प्रवृत्ति बढ़ती है। इस बढ़ती समस्या के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं। राज्यसभा में राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने, स्कूलों में 'डिजिटल हेल्थ' को पाठ्यक्रम में शामिल करने और सोशल मीडिया तथा गेमिंग कंपनियों पर सख्त नियम लागू करने की मांग की गई है। साथ ही, अभिभावकों को यह सलाह दी गई है कि वे बच्चों पर केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय उनसे खुलकर संवाद करें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें खेल-कूद तथा रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। अंततः, यह स्पष्ट है कि डिजिटल लत अब केवल एक आदत नहीं, बल्कि समाज के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने जहां अभिव्यक्ति और सूचना के नए द्वार खोले हैं, वहीं उनका अत्यधिक उपयोग बच्चों और किशोरों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते प्रभावी और संतुलित कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर गहरा और दीर्घकालिक होगा। इसलिए सरकार, शैक्षणिक संस्थान, अभिभावक और समाज-सभी को मिलकर जागरूकता, संतुलित उपयोग और सकारात्मक संवाद के माध्यम से इस 'डिजिटल जहर' से बच्चों और युवाओं को बचाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

आप का नज़रिया

नीयत से नौबत तक

राष्ट्रीय स्तर के कई आंकड़ों में हिमाचल ने साबित किया है कि राज्यों की छोटी इकाइयां भी बड़े काम कर सकती हैं, लेकिन देश की राजनीतिक जरूरतें बड़े राज्यों के पक्ष में खिलबाड़ करती हैं। अगर हिमाचल को अपना बजट छोटा करना पड़ा, तो राष्ट्रीय पैमाने भी कम दोषी नहीं। राज्य की खुशहाली में हिमाचल का प्रति व्यक्ति हिसाब निजी तरक्की में तो नजर आता है, लेकिन औसत में राष्ट्रीय संसाधनों का व्यय कहां नजरअंदाज होता है। यहां बेसहारा मान लेना उपचार नहीं और न ही केंद्र को एकमात्र सहारा मान लेना भी सही नहीं। पहाड़ी व समुद्र तटीय राज्यों को एक ही तराजू में तौल लेना सही नहीं। देश अगर समुद्र तटीय राज्यों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आवाजाही के मानक पूरा करता है, तो पर्वतीय परिवेश के योगदान में पर्यावरण, मौसम, जलवायु तथा जल संसाधनों का संरक्षण होता है। क्या पर्वतीय मासूमियत ही काफी नहीं कि अब यहां चोर सिपाही का केस बनते-बनते अब केंद्र भूल गया कि उसकी नीयत से यह नौबत आ रही है। अगर पराली जलाने वाले राज्यों को दोषी करार दिया जा सकता है, तो पर्यावरण बचाने वाले राज्यों को आर्थिक अभिशाप से आर्थिक संताप क्यों दिया जाए। वैसे एक दिन ऐसा होना था क्योंकि हम पर्वतीय नीतियों के प्रति लापरवाह रहे। जो देश में बंटा, उसमें चोंच मारते रहे। हम भोले, दीन हीन और राष्ट्र की शांति में हाथ फैलाते रहे, जबकि अपने संसाधनों के लिए संघर्ष ही नहीं किया। हमने हिमाचल का इतिहास नहीं जोड़ा और न ही अधिकारों के प्रति चेतना पैदा की। इतिहास पढ़ा होता तो मालूम होता है कि मंगल पांडेय से पहले ही किसी वजीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की थी। जोरावर सिंह जैसे योद्धा ने सिख व डोगरा इतिहास के कई पन्ने अपने कौशल से स्वर्णिम किए थे। हमने गिनती में संस्थान-गिनती में अभियान, गिनती में आत्म सम्मान चुना। हमने ऐसी शिक्षा चुनी जो नौकरी का आवेदन बन गई। प्राकृतिक खेती से विमुख होकर हम न आगे के रहे और न ही पीछे के। अंततः पशुओं को आवारा और जंगल उगा कर बंदरों व वन्य प्राणियों को बस्ती से खेत तक ले आए। हमने संघीय ढांचे में खुद को स्थपित करने के लिए क्या किया। क्या हमने पर्वतीय मानदंडों, पर्वतीय अध्ययन एवं शोध तथा पर्वतीय सरोकारों के प्रति आवाज उठाई। यह कैसे हुआ कि जंगलों की बायो डायवर्सिटी को उजाड़ कर हम आर्थिकी के चीड़ हो गए। हमसे जंगल रूठे, खेत रूठे और रूठ गया मौसम, लेकिन पर्यावरण की चिंताओं से दूर हमने पौंग डैम, गोबिंद सागर के अलावा कितने ही बड़े बांध बनवा कर अपने ही पांव में कुल्हाड़ी मार ली। हम सियासी सर्कस के माहिर चुनाव-चुनाव खेलते रहे हैं। क्या विधानसभा चर्चाओं में आम आदमी का वजूद स्वतंत्र और मौलिक रूप से खड़ा हुआ। आखिर हिमाचल की मौलिकता के सबूत में खनन के ढेर क्यों लग गए। आश्चर्य यह कि हिमाचल धंधेबाज हो गया। कुछ बड़े भू माफिया पैदा हो गए, कहीं बिल्डर लाबी, कहीं होटलों के मालिकाना हक में नेता और कहीं निजी विश्वविद्यालयों की कतार में मिलीभगत की दास्तान ने कई हिमाचल बना दिए। एक हिमाचल सरकारी नौकरी के लिए केवल हस्ताक्षर करना जानता है, दूसरा राजनीतिक अपेक्षाओं की जिरह करता है। तीसरे हिमाचल का ऐसे बुद्धिजीवी से संबंध है, जो केवल सरकारी नौकरी और औजार के रूप में सेंकता है। यहां भी सरकारी नौकरियों का परिवारवाद पैदा हो चुका है। आसमानों पर रहने वाले परिंदे, अब हमारी जमीन के दाने ले उड़े। एक चौथा हिमाचल भी है जो अपने सरोकारों, प्रतिस्पर्धा, संबंधों और काबिलीयत को आजमाते हुए बहुत दूर निकल गए। ऐसे में समाज अपनी मूल धारणा भूल गया। सारा हिमाचल सियासी हो गया और इसीलिए राज्य से बड़े निजी अधिकार हो गए है। राज्य से बड़ा निजी आत्म सम्मान हो गया। यहां नर्म गद्दों पर बैठे विशेषाधिकार, पत्थर हो गए। तू गजब की भूल भलैया में जीने लगा है हिमाचल। हर किसी को चाहिए सत्ता, सत्तारूढ़ दल की उदारता, संसर्ग, इसलिए चुनाव हमारी संवेदना नहीं, कुछ निजी हासिल करने का स्वार्थ है।

राज्य की खुशहाली में हिमाचल का प्रति व्यक्ति हिसाब निजी तरक्की में तो नजर आता है, लेकिन औसत में राष्ट्रीय संसाधनों का व्यय कहां नजरअंदाज होता है। यहां बेसहारा मान लेना उपचार नहीं और न ही केंद्र को एकमात्र सहारा मान लेना भी सही नहीं। पहाड़ी व समुद्र तटीय राज्यों को एक ही तराजू में तौल लेना सही नहीं। देश अगर समुद्र तटीय राज्यों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आवाजाही के मानक पूरा करता है, तो पर्वतीय परिवेश के योगदान में पर्यावरण, मौसम, जलवायु तथा जल संसाधनों का संरक्षण होता है। क्या पर्वतीय मासूमियत ही काफी नहीं कि अब यहां चोर सिपाही का केस बनते-बनते अब केंद्र भूल गया कि उसकी नीयत से यह नौबत आ रही है। अगर पराली जलाने वाले राज्यों को दोषी करार दिया जा सकता है, तो पर्यावरण बचाने वाले राज्यों को आर्थिक अभिशाप से आर्थिक संताप क्यों दिया जाए। वैसे एक दिन ऐसा होना था क्योंकि हम पर्वतीय नीतियों के प्रति लापरवाह रहे। जो देश में बंटा, उसमें चोंच मारते रहे। हम भोले, दीन हीन और राष्ट्र की शांति में हाथ फैलाते रहे, जबकि अपने संसाधनों के लिए संघर्ष ही नहीं किया। हमने हिमाचल का इतिहास नहीं जोड़ा और न ही अधिकारों के प्रति चेतना पैदा की। इतिहास पढ़ा होता तो मालूम होता है कि मंगल पांडेय से पहले ही किसी वजीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की थी। जोरावर सिंह जैसे योद्धा ने सिख व डोगरा इतिहास के कई पन्ने अपने कौशल से स्वर्णिम किए थे।

दृष्टि कोण

भारतीय आर्थिकी पर युद्ध का बढ़ता साया

इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते हुए युद्ध से जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था लडख़ड़ाते हुए दिखाई दे रही है, वहीं युद्ध का साया भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। देश में विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढने लगी हैं। डॉलर की तुलना में रुपए में तेज गिरावट है। निर्यात घट गए हैं। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। शेयर बाजार भी बेहाल है। ऐसे में देश के आम आदमी और अर्थव्यवस्था को युद्ध की तपिश से बचाने के मद्देनजर हाल ही में 27 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से भारत के बाजार से लेकर आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ते हुए असर की समीक्षा की गई। साथ ही महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य, ऊर्जा, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे सभी तरह के प्रयासों के साथ आने वाले समय में निर्मित हो सकने वाली चुनौतियों से निपटने के मद्देनजर संभावित उपायों पर विचार मंथन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी के दौरान केंद्र और राज्यों की सामूहिक रणनीति से कोरोना की आपदा का सफलतापूर्वक मुकाबला किया गया, अब उसी तरह साझा जिम्मेदारी से टीम इंडिया के रूप में काम करते हुए भारत पश्चिम संकट की चुनौती से भी निपट लेगा। मोदी ने बताया कि पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए उत्पाद कर में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती किए जाने से महंगाई को काबू में रखा जा सकेगा। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है। साथ ही सरकार ने किसी भी तरह के लॉकडाउन की स्थिति से इंकार किया। इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते हुए युद्ध से जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था लडख़ड़ाते हुए दिखाई दे रही है, वहीं युद्ध का साया भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। देश में विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढने लगी हैं। डॉलर की तुलना में रुपए में तेज गिरावट है। निर्यात घट गए हैं। विदेशी मुद्रा

भंडार 700 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। शेयर बाजार भी बेहाल है। ऐसे में देश के आम आदमी और अर्थव्यवस्था को युद्ध की तपिश से बचाने के मद्देनजर हाल ही में 27 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से भारत के बाजार से लेकर आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ते हुए असर की समीक्षा की गई। साथ ही महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य, ऊर्जा, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे सभी तरह के प्रयासों के साथ आने वाले समय में निर्मित हो सकने वाली चुनौतियों से निपटने के मद्देनजर संभावित उपायों पर विचार मंथन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी के दौरान केंद्र और राज्यों की सामूहिक रणनीति से कोरोना की आपदा का सफलतापूर्वक मुकाबला किया गया, अब उसी तरह साझा जिम्मेदारी से टीम इंडिया के रूप में काम करते हुए भारत पश्चिम संकट की चुनौती से भी निपट लेगा। मोदी ने बताया कि पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए उत्पाद कर में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती किए जाने से महंगाई को काबू में रखा जा सकेगा। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है। साथ ही सरकार ने किसी भी तरह के लॉकडाउन की स्थिति से इंकार किया। उल्लेखनीय है कि इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों व वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में भारत की विकास दर में कुछ कमी के अनुमान प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरूरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेंगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुकसान हो सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक़्त की नाज़ाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 अप्रैल 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 07:08 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायं 04:18 तक
योग : वृद्धि दोपहर 02:49 तक
करण : वणिज प्रातः 07:08 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 07:12 से रात्रि 07:26 तक , मन्वादि तिथि , पूर्णिमा व्रत पुण्य , सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 04:18 से रात्रि 06:10 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की बड़ी घोषणा

अब प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश के 22 जिलों के बाद अब दौसा एवं करौली जिले में भी कृषि उपभोक्ताओं को खेती के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली सुलभ होने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट करके यह बड़ी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने का महत्वाकांक्षी संकल्प लिया है। इस क्रम में वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में यह कार्य चरणबद्ध रूप से वर्ष-2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फिलहाल प्रदेश के 22 जिलों में कृषि उपभोक्ताओं को दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। अब जयपुर विद्युत वितरण निगम के दौसा एवं करौली जिले भी इससे जुड़ने जा रहे हैं। फिलहाल इन जिलों में किसानों को मिल रही दिन के दो ब्लॉक में बिजली

फिलहाल जयपुर डिस्कॉम के 7 जिलों–धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग एवं भरतपुर के किसानों को सिंचाई के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली उपलब्ध हो रही है। इसी तरह अजमेर डिस्कॉम के 12 जिलों–अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना–कुचामन, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, बांसवाड़ा, झुन्झुनूं, सीकर, चित्तौड़गढ एवं डूंगरपुर तथा जोधपुर डिस्कॉम के 3 जिलों–जालौर, सिरोही एवं पाली में भी कृषकों को दिन के दो ब्लॉक में आपूर्ति की जा रही है।

विगत समय में जयपुर डिस्कॉम ने दौसा एवं करौली जिलों में विद्युत तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। दौसा जिले में 33 केवी के 18 तथा करौली जिले में 33 केवी के 6 नए ग्रिड सब स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही दौसा में 33 केवी के 47 सब स्टेशनों पर ट्रांसफार्मरों में 128.95 एमवीए की क्षमता वृद्धि की गई है। वहीं करौली में 33 केवी के 15 सब स्टेशनों पर 49.45 एमवीए की क्षमता बढ़ाई गई है। दोनों जिलों में पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट–ए एवं कम्पोनेंट–सी में 32 मेगावाट क्षमता के 17 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसका लाभ दौसा जिले में 52,460 तथा करौली जिले में 35,341 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली आपूर्ति के रूप में होगा। कड़ाके की सर्दी एवं बारिश में रात्रि के समय सिंचाई करने की मजबूरी नहीं रहेगी। जंगली–जानवरों का खतरा नहीं होगा और रात्रि में वे अपने परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकेंगे।

सांभर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का का हुआ आयोजन

जयपुर (सांभर), 31 मार्च (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय साम्भर लेक जयपुर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांभर में आयोजित उक्त प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह में आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों का स्वागत किया। उन्होंने आंगनबाड़ी के बच्चों को पोर्टफोलियो किट जिसमें बच्चों के लिए रंग, वॉटर बोतल, खिलौने आदि प्रदान किये। आंगनबाड़ी केंद्रों पर उक्त पोर्टफोलियों खेल सामग्री का वितरण इस उद्देश्य से किया जाता कि बच्चें खेल खेल में सीखे। बच्चों को आंगनबड़ियों में स्वस्थ सुरक्षित एवं सीखने का माहौल मिल सके।

उक्त समारोह में साम्भर उपखण्ड अधिकारी ऋषि राज कपिल, उपनिदेशक आईसीडीएस श्रीमती पार्थवी शर्मा, उपनिदेशक महिला अधिकारिता राजेश डोगीवाल, कार्यक्रम प्रभारी आरपीएस सपना मौर्य तथा सीडीपीओ प्रिया कुमावत एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री महोदया ने एक बच्चे के जन्मदिन एवं आंगनबाड़ी में प्रवेश उत्सव पर केक काट कर स्टॉल का अवलोकन किया जिसमें भामाशाहों से प्राप्त सामग्री एवं खिलौने आदि का वितरण किया गया।

स्टॉल में विभिन्न आयामों पर आधारित कॉर्नर्स बनाए गए जिसमें आसपास के वातावरण में उपलब्ध सामग्री से निर्मित सहायक शिक्षण सामग्री तैयार कर प्रदर्शित की गई व बताया गया कि बच्चों को खेल खेल के माध्यम से स्कूल शिक्षा के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में 6 वर्ष पूर्ण करने वाले बच्चों को समग्र प्रमाण पत्र (ईसीसी ई सर्टिफिकेट)दिए गए। साथ ही कार्यक्रम में उन भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय में सहयोग प्रदान किया । भामाशाह द्वारा प्रदान सांभर परियोजना के 3 से 6 वर्ष के पंजीकृत 1600 बच्चों के लिए पोर्टफोलियो किट ,पानी की बोतल, खिलौने इत्यादि वितरित किए गए। आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपने बाल मनोभाव से देश भक्ति के गानो पर नृत्य प्रस्तुति दी।उपमुख्यमंत्री ने विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का अवलोकन किया। अधिकारियो द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को खेल–खेल में प्रदान की जा रही है शालापूर्व शिक्षा के बारे जानकारी दी गई। दिया कुमारी ने बच्चों हेतु आंगनबाड़ी केंद्र पर तैयार किया जा रहे हैं गर्म पोषाहार के बारे में जाना।

भगवान महावीर का 2526वां जन्म कल्याणक धूमधाम से मनाया गया

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। भगवान महावीर के 2526वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से भरपूर एक भव्य आयोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैन समाज की महिलाओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम को विशेष रूप प्रदान किया। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर के चित्र के अनावरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जैसे ही दीप जलाया गया, पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया और उपस्थित लोगों के मन में श्रद्धा का भाव जागृत हो गया। मुख्य अतिथि बबीता जैन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया, जिससे आयोजन को गरिमामयी शुरुआत मिली और कार्यक्रम की दिशा निर्धारित हुई।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभा जैन (श्रीजी नगर) द्वारा महिलाओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस सम्मान ने प्रतिभागियों के उत्साह को और बढ़ाया तथा सभी के चेहरों पर प्रसन्नता की झलक दिखाई दी। यह पल कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया, जिसने सभी को प्रेरणा और प्रोत्साहन प्रदान किया।

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और भावनात्मक पक्ष तब सामने आया, जब समता जैन ने माता त्रिशला की भूमिका को मंच पर जीवंत कर दिया। उनके अभिनय ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया और सभी ने इस प्रस्तुति की सराहना की। इसके साथ ही महिलाओं द्वारा प्रस्तुत अन्य सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिससे आयोजन में जीवंतता और उत्साह बना रहा।

इस पावन अवसर पर संस्था की परम संरक्षक श्रीमती चन्द्रकला जैन ने सभी को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाने और जीवन में अहिंसा, सत्य तथा करुणा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया, जो समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं।कार्यक्रम के अंत में महिला मंडल की अध्यक्ष रेणु जैन ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सभी के योगदान की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक पर्व का उत्सव नहीं था, बल्कि इसने समाज में एकता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी संदेश दिया।

सांसद सैलजा ने किसानों की समस्याओं को बताया अत्यंत चिंताजनक

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा मंडियों में फसल बेचने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर बायोमेट्रिक अनिवार्यता और अन्य नई शर्तें लागू करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे किसानों पर थोपा गया तुगलकी फरमान बताते हुए कहा कि यह निर्णय किसानों की समस्याओं को कम करने के बजाय और बढ़ाने वाला है। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश का किसान पहले ही मौसम की मार, बढ़ती लागत, खाद–बीज की महंगाई और समय पर भुगतान न मिलने जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में सरकार द्वारा जटिल डिजिटल प्रक्रियाएं थोपना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसान तकनीकी प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और संसाधनों की कमी के कारण मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना उनके लिए बेहद कठिन हो जाता है।

उन्होंने बताया कि कई किसान अभी तक पंजीकरण नहीं करवा पाए हैं, जिससे वे अपनी मेहनत की फसल बेचने से वंचित रह सकते हैं। मंडियों में पहले से ही लंबी कतारें, टोकन प्रणाली में देरी और भुगतान में विलंब जैसी समस्याएं मौजूद हैं। अब बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर–ट्रॉली नंबर अंकन और फोटो जैसी नई शर्तों के कारण किसानों को कई दिनों तक मंडियों के चक्कर लगाने पड़ेंगे, जिससे उनकी आर्थिक और मानसिक परेशानी और बढ़ेगी।

कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि धान खरीद में हुई गड़बड़ियों और घोटालों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यापारियों पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार किसानों को ही परेशान कर रही है। यह स्थिति करे कोई, भरे कोई को दर्शाती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस फैसले को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल को दोबारा खोला जाए ताकि वंचित किसान भी पंजीकरण करवा सकें, और बिना किसी शर्त के सभी किसानों की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाए।

कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार को गेहूं की खरीद में किसी प्रकार की रोक नहीं लगानी चाहिए, क्योंकि केंद्र सरकार इसके लिए पूरा भुगतान करती है और मार्केट फीस व प्रोक्योरमेंट चार्जेस की भरपाई भी करती है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक: प्रदेशभर की मंडियों में जाएंगे कांग्रेस विधायक: हुड्डा

चंडीगढ़ , 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में आज कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें फैसला लिया गया है कि गेहूं और सरसों की खरीद में किसानों को पेश आ रही दिक्कतों को जानने के लिए तमाम विधायक प्रदेशभर की मंडियों का दौरा करेंगे और किसानों की आवाज को उठाएंगे। क्योंकि बीजेपी सरकार हर बार फसल खरीद के नाम पर सिर्फ घोटाला करती है। साथ ही फैसला लिया गया है कि मई महीने में पार्टी पूरे प्रदेश में जिला स्तरीय बैठकें करेगी। इसके अलावा मीटिंग में नवनिर्वाचित राज्यसभा उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध ने समर्थन के लिए सभी विधायकों का धन्यवाद किया। साथ ही पार्टी ने निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग को लिखित शिकायत देने का फैसला लिया है। क्योंकि उन्होंने गलत तरीके से कांग्रेस विधायकों की वोट को कैंसिल की थी। साथ ही वोट कैंसिल के मामले को हाईकोर्ट में भी लेकर जाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष रॉव नरेंद्र सिंह ने बताया कि क्रॉस वोटिंग को लेकर अनुशासन समिति की बैठक 3 अप्रैल को होगी।

तमाम मुद्दो पर बोलते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी की रीति–नीति बन गई है कि वो हर बार किसानों को परेशान करने का नया तरीका ढूंढ़ लाती है, इसबार भी उसने ऐसा किया है। इसबार गेहूं खरीद के लिए नया नियम बनाया गया है कि ट्रैक्टर की नंबर–प्लेट की फोटो समेत किसानों का बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन भी होगा। इतना ही नहीं, किसान को वैरिफाई करने के लिए 3–3 गारंटर भी चाहिए होंगे। मानो ये अनाज मंडी नहीं बल्कि कोई हाई सिक्युरिटी जोन या जेल हो।

हुड्डा ने कहा कि जल्द से जल्द और गेहूं की पूरी खरीद सुनिश्चित करने की बजाए, सरकार हमेशा खरीद में अड़ंगा लगाने की तरकीब निकालती रहती है। किसानों के लिए बायोमेट्रिक और गेट पर ही गेट पास काटने का नियम ऐसा है, जो प्रैक्टिकल रूप से लागू करना असंभव है। क्योंकि जमींदार एक मेहनतकश वर्ग है, जिस वजह से बहुत से किसानों की उंगलियों के निशान तक घिस जाते हैं।

कई बार बैंकों तक में उनकी उंगलियों के निशान मैच नहीं होते या फिर मैच करने में उनका समय लगता है। ऐसे में अगर यही काम मंडी के गेट पर होगा तो ट्रैक्टरों की लंबी लाइन लग जाएगी, जो जाम का कारण बनेगी।

समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई सोच और सक्रिय कार्यशैली को अपनाना होगा : विनोद सिंगला

कैथल, 31 मार्च (एजेंसियां)। अग्रवाल वैश्य समाज कैथल जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विनोद सिंगला की अध्यक्षता में किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के मार्गदर्शन में आयोजित हुई इस बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता एवं विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और विभिन्न पदों पर नियुक्तियों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गईं, जिनमें प्रकाश बंसल को प्रधान, पंकज मित्तल को महासचिव नियुक्त किया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए अक्षरा गुप्ता को महिला जिला अध्यक्ष तथा रिद्धी गुप्ता को महिला हलका अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी प्रकार संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने हेतु मनोज सिंगला को विधानसभा अध्यक्ष, प्रदीप गुप्ता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

युवा वर्ग को प्रतिनिधित्व देते हुए जयंत बिंदलिश को युवा अध्यक्ष बनाया गया, जबकि मुकेश सिंगला को प्रदेश युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष विनोद सिंगला ने सभी

नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे समाज की उन्नति और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विनोद सिंगला ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखते हुए संगठन का गठन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई सोच, नई ऊर्जा और सक्रिय कार्यशैली को अपनाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन तभी मजबूत बन सकता है, जब हर स्तर पर पारदर्शिता, सक्रियता और आपसी सामंजस्य कायम रहे। उन्होंने आगे कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि एक सशक्त विचारधारा है, जो समाज के राजनीतिक उत्थान, समाजसेवा और संगठनात्मक एकता के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज को संगठित करने में योगदान दें।

इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विकास गुप्ता ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि जब तक जमीनी स्तर पर कार्य नहीं होगा, तब तक संगठन का विस्तार संभव नहीं है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपील की कि वे समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोडऩे का प्रयास करें और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई, जिसमें राजनीतिक भागीदारी और सदस्यता अभियान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने संगठन की एकता और मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर महिला प्रदेश सचिव अंजु बंसल, वेदप्रकाश गर्ग, राखी, मंजु, खुशबु गोयल सहित जिलेभर से अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहें।

कंकुर में टीजीएफडीसी का जल संरक्षण, टीजीएसपी में संविदा भर्ती

जयपुर, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना वन विकास निगम (टीजीएफडीसी) के तत्वावधान में मंचेरियाल जिले के जयपुर मंडल के कंकुर वन क्षेत्र में जल संरक्षण के उपाय किए गए। टीजीएफडीसी के अंतर्गत नीलगिरी वृक्षारोपण के बीच स्थित नाले में दो स्थानों पर जल स्रोतों की पहचान की गई और रोजगार गारंटी कार्यकर्ताओं की सहायता से जल का भंडारण किया गया। गाद हटा दी गई और अवरोध स्थापित किए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए, टीजीएफडीसी के मंचेरियाल रेंज के वृक्षारोपण प्रबंधक गोगु सुरेश कुमार ने कहा कि इस गर्मी में वन क्षेत्र और वृक्षारोपण में पानी की बर्बादी को रोकने के लिए जल संरक्षण उपाय किए जा रहे हैं और क्षेत्र में विचरण करने वाले वन्यजीवों की प्यास बुझाने के लिए संबंधित जल तालाब स्थापित किए गए हैं।

संविदा आधार पर पदों को भरने के लिए आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं।

तेलंगाना जर्नलिस्ट डेली न्यूज़: जिले के हाजीपुर मंडल के गुडीपेट स्थित टीजीएसपी 13वीं बटालियन में संविदा आधार पर पदों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। बटालियन कमांडेंट ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पात्र उम्मीदवार धोबी और रसोइया के पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। संबंधित पुलिस स्टेशन से संबंधित किसी भी आपराधिक मामले में उम्मीदवार का नाम दर्ज नहीं होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि गुडीपेट, मंचेरियाल जिले के निवासियों और दिवंगत एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के परिवार के सदस्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार अपनी शैक्षणिक योग्यता, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और अनुभव प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। इच्छुक और पात्र उम्मीदवारों को ये सभी दस्तावेज 6 अप्रैल तक कार्यालय में जमा करने होंगे।

मदनूर में अवैध शराब बिक्री पर डंडोरा, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

ग्राम सभा प्रस्ताव के तहत दुकानें बंद

मदनूर, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार की रात में स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव व सरपंच के आदेश के अनुसार मदनूर मंडल केंद्र की विविध दुकानों में अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए डंडोरा दिया गया।

स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव संदीप ने बताया कि अवैध शराब दुकानें बंद करने के लिए

कुछ दिन पहले ग्राम सभा में स्थानिक जनता द्वारा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया।

ग्राम पंचायत सचिव संदीप कुमार ने बताया कि ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुसार, मंडल केंद्र में अवैध शराब की दुकानें पूरी तरह बंद करने के लिए डंडोरा दिया गया।

उन्होंने आगे बताया कि अगर कोई व्यक्ति विविध दुकानों में अवैध रूप से शराब बेचता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह प्रस्ताव की प्रतियां स्थानिक तहसीलदार, पुलिस विभाग और उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों को पहले ही दी जा चुकी हैं।

प्रजावाणी में जन समस्याओं पर कलेक्टर का सख्त निर्देश

मंचेरियाल, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों की जमीनी स्तर पर जांच कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) वी. चंद्रैया और जिला अरण्य कलेक्टर (राजस्व) श्रीनिवास राव ने नासपुर स्थित एकीकृत जिला कार्यालय में आवेदन प्राप्त किए। चेन्नूर के दासारी प्रवीण कुमार व दानारी रमेश ने पट्टा भूमि निषिद्ध सूची में शामिल करने का अनुरोध किया। किश्तमपेट ग्रामीणों ने जोडु घाटी पर मताना पुल निर्माण की मांग की। बटवानपल्ली के श्रीनिवास ने भूमि विवाद में न्याय मांगा।

अशोक रोड की पलकुर्थी रमादेवी ने पति की मृत्यु के बाद भूमि हस्तांतरण, वेमनपल्ली की पूर्व सरपंच तलंदी स्वरूपरानी ने खर्च मुआवजा, बेल्लमपल्ली के मोहम्मद अब्दुल खादर ने वृद्धावस्था पेंशन, कन्नाला के भीमनपल्ली रामचंद्रम ने मुआवजा, तथा बाबूराओपेट के निवासी ने भू-रिकॉर्ड सुधार का आवेदन दिया।

कलेक्टर ने अधिकारियों को समन्वय से जन समस्याओं का समाधान करने और आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की सलाह दी।

जैन समाज के तत्वावधान में मंगलवार को महावीर जयंती समारोह के अंतर्गत जैन मंदिर से गांधी चौक, विवेकानन्द चौक, अम्बेडकर चौक होते हुए कस्बे के मुख्य मार्गों से महावीर जयंती शोभा यात्रा निकाली गई ।

पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में आधुनिक तकनीक से चार सफल सर्जरी

जम्मीकुंटा, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल के चउक अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा तकनीक का उपयोग करके चार महिलाओं पर सफल सर्जरी की गई।जम्मीकुंटा की 50 वर्षीया सीपीडीओ सुपरवाइज़र महिला को गर्भाशय में ट्यूमर मिला। चिकुराई की 42 वर्षीया महिला भी तेज़ रक्तस्राव के कारण अस्पताल आई। विशेषज्ञ टीम ने दोनों पर हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने) की सफल लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की।ओडेला की 32 वर्षीया महिला और निम्मनपल्ली

की 55 वर्षीया महिला के पित्ताशय में पथरी मिली। आधुनिक लैप्रोस्कोपिक तकनीक से दोनों पर कोलेसिस्टेक्टॉमी की गई; ओडेला वाली महिला पर ट्यूबेक्टॉमी भी की गई।सर्जरी टीम में लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अमारा सिम्हा रेड्डी, जनरल सर्जन डॉ. साई प्रसाद, गायनाकोलॉजिस्ट डॉ. अनुसूया, डॉ. मीराज, डॉ. रावलिका और एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. स्वाति, डॉ. भवानी शामिल थे; अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने भी ऑपरेशनों में भाग लिया।

सुपरिंटेंडेंट ने जनता से नवजात केंद्र, 2डी इको, लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, यूरोलॉजी व रूट कैनाल सेवाओं का लाभ लेने का आह्वान किया और बताया कि सभी सेवाएं मुफ्त हैं; किसी भी शिकायत के लिए तुरंत नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट, आरएमओ या सुपरिंटेंडेंट से संपर्क करें।

एससी बेरोजगार युवाओं को 8 अप्रैल तक योजना आवेदन जमा करें : कलेक्टर

पेद्दापल्ली के लिए इलेक्ट्रिक वाहन व सोलर पंप पर सब्सिडी

पेद्दापल्ली, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने घोषणा की कि बेरोजगार एससी युवा 2025-26 वार्षिक योजना के लिए 8 अप्रैल तक आवेदन जमा करें।सरकार ने स्वरोजगार के लिए पेद्दापल्ली जिले को 100 दो-पहिया इलेक्ट्रिक वाहन (1 लाख/वाहन, 90% सब्सिडी+10% बैंक ऋण), 71 तीन-पहिया इलेक्ट्रिक वाहन (3 लाख/वाहन, 70% सब्सिडी+30% बैंक ऋण) और 15 सोलर यूनिवर्सल पंप कंट्रोल सेट (7 लाख/सेट) आवंटित किए हैं।गैर-कृषि योजनाओं के लिए आयु 21-50 वर्ष, कृषि के लिए 21-60 वर्ष। आवश्यक दस्तावेज: आधार, राशन कार्ड, जाति/आय प्रमाण पत्र (ग्रामीण 1.50 लाख, शहरी 2 लाख तक आय), ड्राइविंग लाइसेंस (परिवहन के लिए), पट्टादार पासबुक (2 एकड़+ सोलर के लिए), सदरेम प्रमाण पत्र (दिव्यांग)। पासपोर्ट फोटो के साथ https://tgobmms.cgg.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करें।

नदेल्ली दिवाकर राव ने किया हनुमान भक्तों को महाप्रसाद वितरित

मंचेरियाल, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के पूर्व विधायक नदेल्ली दिवाकर राव और बीआरएस पार्टी के राज्य नेता नदेल्ली विजित कुमार ने दांडेपल्ली व लक्षेट्टीपेट मंडल में हनुमान चालीसा का पाठ किया तथा भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया।लक्षेट्टीपेट शहर के अंगदी बाजार में श्री पतिबंदला प्रसन्ना-श्री राममूर्ति हनुमान कल्याण मंडपम में हनुमान भक्तों के लिए महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। हनुमान चालीसा का पाठ भक्तों के साथ किया गया और फिर हनुमान जी ने इसका पाठ किया। महाप्रसाद प्राप्त भक्तों को भिक्षा के रूप में भोजन वितरित किया गया।

इस कार्यक्रम में लक्षेट्टीपेट नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष नलमास कंथय्या, उपाध्यक्ष पोदेती श्रीनिवास, लक्षेट्टीपेट मंडल बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष चुंचु चिन्नय्या, दांडेपल्ली मंडल बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष श्रीनिवास, डीसीएमएस के पूर्व अध्यक्ष केथिरेड्डी सुरेंद्र रेड्डी, हनुमान दीक्षा स्वामी, जन प्रतिनिधि, नेता और कार्यकर्ता भाग लेंगे।

सुथार के घर से निकली बेटी ने 98.80% लेकर रचा इतिहास

जालौर (राजस्थान), 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। 12वीं बोर्ड परीक्षा में बागरा क्षेत्र ने एक बार फिर मेहनत और संकल्प की जीत दिखाई है। साधारण परिवार की बेटी, दीपिका (पुत्री चंपालाल सुथार), ने 98.80% अंक लेकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

दीपिका के पिता सुथार के काम से ही परिवार की आय चलती है, लेकिन सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बेटी की शिक्षा को कभी अलग नहीं होने दिया। इसी समर्पण का नतीजा है कि दीपिका ने कठिन परिस्थितियों के बीच यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।परिणाम से परिवार, विद्यालय और पूरा गांव खुशी में नहला पड़ा है। पिंक मॉडल विद्यालय के शिक्षकों ने दीपिका की मेहनत, अनुशासन और लग्न यह उपलब्धि हासिल करने में मददगार रही। उन्होंने छात्रा को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।बागरा क्षेत्र में लगातार बेहतर शैक्षणिक परिणाम सामने आ रहे हैं। दीपिका की यह उपलब्धि न केवल उसके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

मुफ्त बस यात्रा और योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक सहारा : कलेक्टर

मंचेरियाल, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि तेलंगाना सरकार महिलाओं के कल्याण और आर्थिक विकास को विशेष प्राथमिकता दे रही है। नस्पूर स्थित जिला कार्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने बताया कि महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिल रही है, जिससे उनके यात्रा व्यय में भारी बचत हो रही है । उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा आवास योजना में महिलाओं, विशेषकर विधवा, अकेली महिला और गरीब परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है । गृहज्योति योजना के तहत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और रियायती रसोई गैस सिलेंडर महिलाओं के घरों को आर्थिक राहत दे रहे हैं ।कलेक्टर ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को बिना ब्याज ऋण और रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं । साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि लंबे समय तक आर्थिक स्वावलंबन सुनिश्चित हो सके।बैठक में महिलाओं ने सरकारी योजनाओं, खासकर मुफ्त बस यात्रा और ऊर्जा/आवास सहायता से हो रही बचत पर संतोष जताया और कहा कि इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है । कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मंचेरियाल में बेमौसम बारिश से मक्का तिल और आम की फसलें क्षतिग्रस्त

भैंसा, कुंभीर, थानूर आदि मंडलों में फसलों को भारी नुकसान

मंचेरियाल, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्मल और मंचेरियाल जिलों के कई हिस्सों में सोमवार रात बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से मक्का, तिल और आम की खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा। किसानों ने इस असमय बारिश से हुए नुकसान को लेकर चिंता जताई और आपदा राहत के लिए शीघ्र सर्वेक्षण व मुआवजे की मांग की।

भैंसा, कुंभीर, सारंगापुर, थानूर, मुधोले, पेम्बी और कुंताला जैसे मंडलों में उगाई गई मक्का और तिल की फसलें भारी बारिश व तेज हवाओं से खेतों में गिर गईं और बड़े स्तर पर क्षतिग्रस्त हो गईं। फसल उत्पादकों ने बताया कि लंबे समय तक की मेहनत एक रात में बर्बाद हो गई और अब आर्थिक संकट की आशंका प्रबल हो गई है।मंचेरियाल जिले के नेन्नाल, भीमाराम, चेन्नूर, जयपुर, बेल्लमपल्ली, मंदामरी, कन्नेपल्ली और तंदूर मंडलों में फलने की अवस्था में पहुंचे आम के बाग भी बारिश से प्रभावित हुए। किसानों का कहना है कि फलों को देखकर उन्हें अच्छी आय की उम्मीद थी, लेकिन तेज बारिश के कारण पेड़ों को नुकसान पहुंचा और पैदावार में गिरावट आने की आशंका है।किसान नेताओं ने जिला प्रशासन से जल्द सर्वेक्षण करवाकर फसल क्षति का आकलन करने और योग्यतानुसार मुआवजा देने की मांग की है, ताकि खेती जारी रखने के लिए उनकी आर्थिक स्थिति को थोड़ी राहत मिल सके।

कावेती सम्मैय्या चौक का नामकरण का निर्णय

आसिफाबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कागजनगर नगर परिषद ने मंगलवार को सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि भट्टुपेली चौराहा (वार्ड 6 व 7) का नाम कावेती सम्मैय्या चौक रखा जाए। यह चौक सिरपुर के पूर्व विधायक कावेती सम्मैय्या के नाम पर नामित किया जाएगा।वार्ड 17 के पार्षद कावेती विजय कुमार ने परिषद में प्रस्ताव रखा, जिसे बाद में सर्वसम्मति से स्वीकृत कर दिया गया। साथ ही प्रस्तावित चौक पर कावेती सम्मैय्या की मूर्ति स्थापित करने को भी नगर परिषद ने मंजूरी दे दी।संयुक्त आदिलाबाद एमएलसी दांडे

विट्ठल ने बैठक में कहा कि तेलंगाना राज्य गठन आंदोलन में कावेती सम्मैय्या के काली टीशर्ट पहनकर विधानसभा भवन पर चढ़कर किए गए विरोध प्रदर्शन ने आंदोलन को मजबूती दी। उन्होंने कहा कि पूर्व बीआरएस सरकार ने इन ज स कार्यकर्ताओं को पर्याप्त पहचान नहीं दी, जबकि अब कांग्रेस सरकार ने उन्हें उचित सम्मान दिया है।

कावेती विजय कुमार ने अपने साथी पार्षदों व नगर निगम के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास कर और नामकरण व मूर्ति निर्माण के लिए सहयोग किया।

सेवानिवृत्ति पर हेड कांस्टेबल को जिला एसपी ने किया सम्मानित

आसिफाबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने जिला सहायक कांस्टेबल अथराम अमृता राव की सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया।

इस अवसर पर पुलिस सहकारी समिति को 2,68,568 रुपये का सहयोग चेक सौंपा गया।

एसपी नितिका पंत ने बताया कि अथराम अमृता राव ने 1984 में तेलंगाना राज्य के विशेष पुलिस कांस्टेबल के रूप में कर्तव्य संभाला और निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी से लगभग 41 वर्ष तक पुलिस विभाग में सेवा दी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और विभाग के लिए उनकी भूमिका सराहनीय रही है तथा वे सहयोगियों के लिए मिसाल हैं।

इस कार्यक्रम में प्रभारी जफर, स्टाफ और अन्य अधिकारी व कर्मी शामिल हुए। एसपी ने सम्मानित हेड कांस्टेबल को विदाई के साथ-साथ भविष्य के लिए शुभकामनाएँ भी दीं।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर आलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

शार्दुल से बोले पंड्या, अब मुम्बई टीम में ही बने रहें

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली शानदार जीत पर खुशी जतायी है। मुम्बई के लिए ये जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि 13 साल के बाद ये पहला अवसर है जब उसे शुरुआती मैच में ही जीत मिली है। इस जीत में तेज गेंदबाजी आलराउंडर शार्दुल ठाकुर की अहम भूमिका रही है। शार्दुल ने इस मैच में अपनी जबरदस्त गेंदबाजी से केकेआर की बल्लेबाजी ध्वस्त कर दी थी। इसी से उत्साहित पांड्या ने कहा कि अब अपने करियर का बचा हुआ समय शार्दुल मुम्बई के साथ ही बिताएं। शार्दुल ने अपने चार ओवर में 39 रन लेकर 3 विकेट लिये। इसके लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड भी मिला। जीत के बाद हार्दिक ने कहा कि शार्दुल की जगह अब टीम में पक्की हो गयी है। मेरी इच्छा है कि वह अब बाकि करियर यहीं बिताएं। शार्दुल ने इस सत्र से पहले छह अलग-अलग टीमों से है। वहीं इस मैच के बाद हार्दिक ने कहा, मैंने शार्दुल से इस सत्र में पहले भी कहा था, बहुत हो गया फ्रेंचाइजी बदलना। मैं चाहता हूं कि तुम अपने बाकी करियर के लिए यहीं रहो। जिस तरह से वह आता है और हमेशा बल्लेबाज पर अंकुश लगाता है। ये शानदार है। मैं उसके लिए बहुत खुश हूं।

पीएसएल में सुरक्षा प्रोटोकाल तोड़ने के लिए शाहीन पर लगा 10 लाख का जुर्माना

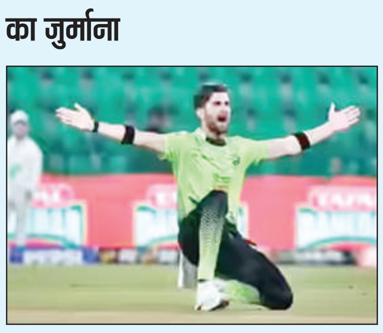

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स टीम के कप्तान शाहीन अफरीदी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। शाहीन पर ये जुर्माना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए अपने दोस्तों को होटल में ले जाने पर लगाया गया है। शाहीन ने इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की बात भी नहीं मानी थी जिसके बाद उनकी शिकायत पीएसएल प्रबंधन और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से की गयी थी। आंतरिक जांच के बाद शाहीन अफरीदी पर ने 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना ठोका है। इस मामले में लाहौर कलंदर्स टीम के लिए खेलने वाले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा भी शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार चार अनधिकृत मेहमानों को होटल में खिलाड़ियों के कमरों में जाने की अनुमति नहीं थी। वहीं शाहीन ने सुरक्षा अधिकारियों और पीसीबी से औपचारिक अनुरोध भी नहीं किया था। रिपोर्ट में बताया गया कि शाहीन और रजा सुरक्षा कर्मियों की सलाह की बात न मानते हुए मेहमानों को होटल के कमरे में ले गए। वे वहां कम से कम तीन घंटे तक रहे जो सुरक्षा नियमों के खिलाफ था। इस घटना को लेकरलाहौर कलंदर्स ने बयान जारी करते हुए कहा कि इस मामले में शाहीन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं होटल में तैनात सुरक्षा कर्मियों के सजग रहने के लिए उनकी प्रशंसा की गयी है।

वैभव सभी मैचों में उतरेंगे : रियान

गुवाहाटी। राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस सत्र में अपनी सभी 14 मैच खेलेंगे। 15 साल के वैभव ने पहले ही मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाकर राजस्थान रायल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे उत्साहित रायल्स के कप्तान रियान ने कहा है हालात कैसे भी हों वैभव हर मैच खेलेंगे। सीएसके के खिलाफ मैच के बाद कप्तान रियान से जब वैभव के बारे में पूछा गया कि आप उन्हें क्या कहेंगे इसके जवाब में पराग ने कहा, मैं उसे यही कहूंगा कि तुम 14 गेम खेलने वाले हो और गेम में चाहे कुछ भी हो, तुम्हें इसी प्रकर निडर होकर खेलना है। मीडिया में क्या चल रहा है इससे परेशान होने की जगह केवल बल्लेबाजी पर ही ध्यान दो। मैंने कोच को बता दिया है कि उसे जितनी बल्लेबाजी करनी है करने दें। साथ कही कहा कि मैं और ध्रुव उसकी बल्लेबाजी देखकर हैरान हुए थे। हमें पता नहीं चल पा रहा था कि वह कैसे क्या कर रहा है हालांकि उसे अपनी टीम में पाकर बहुत खुश हूं।

पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराया

न्यू चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत के साथ की है। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सीजन के चौथे मुकाबले में पंजाब ने गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हराया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। पंजाब किंग्स ने 20वेंओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

12 ओवर के बाद पंजाब किंग्स का स्कोर दो विकेट पर 110 रन था। यहां से गुजरात ने दमदार वापसी की लेकिन अंत में पंजाब ने मैच जीत लिया। आईपीएल डेब्यू कर रहे 22 साल के कूपर कोनोली पंजाब की जीत के हीरो रहे। उन्होंने 44 गेंद पर 72 रनों की नाबाद पारी खेली। 118 रन पर पंजाब के 6 विकेट गिर चुके थे। यहां से पहले मार्को यानसेन (9) के साथ कानोली ने 26 रनों की साझेदारी बनाई।

जोवियन बार्टलेट के साथ 8वें विकेट के लिए 9 गेंद पर कोनोली ने 21 रन जोड़े। 5 गेंद पर बार्टलेट ने 11 रन बनाए। 72 रनों की पारी में बार्टलेट ने 5 चौके और इतने ही छक्के मारे।

गुजरात को साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल की जोड़ी ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 3.4 ओवरों में 37 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 11 गेंदों में 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 46 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। कप्तान 27 गेंदों में 6 छक्कों के साथ 39 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बटलर ने ग्लेन फिलिप्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 रन जुटाकर टीम को शतक के पार पहुंचाया। बटलर ने 33 गेंदों में 38 रन टीम के खाते में जोड़े।इनके अलावा, ग्लेन फिलिप्स ने 25 रन और वाशिंगटन सुंदर ने 18 रन का योगदान दिया। पारी के अंतिम ओवर में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कुल 11 बॉल फेंकी। इस दौरान 4 वाइड और 1 नो-बॉल शामिल थी। इस पूरे ओवर में अर्शदीप ने 12 रन लुटाए। पंजाब किंग्स के लिए विजयकुमार वैशाक ने 34 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि युजवेंद्र चहल ने 2 विकेट निकाले। मार्को यानसेन ने एक शिकार किया।

फार्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो, 31 मार्च (एजेंसियां)।

जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फार्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फार्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फार्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फार्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हाकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हाकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हाकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हाकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्काटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हाकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्काटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

वैज्ञानिक ट्रेनिंग और रिकवरी से प्रदर्शन में सुधार होगा : सोनाली शिंगाटे

बेल्लारी, 31 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय कबड्डी खिलाड़ी सोनाली शिंगाटे ने आगामी एशियन गेम्स 2026 से पहले चल रहे भारतीय महिला कबड्डी टीम के राष्ट्रीय शिविर में वैज्ञानिक ट्रेनिंग और रिकवरी को प्रदर्शन सुधार की कुंजी बताया है। बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट में आयोजित इस हाई-परफार्मेंस कैंप में टीम की संभावित खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।

सोनाली शिंगाटे, जो 2025 कबड्डी वर्ल्ड कप (ढाका) में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं और 2018 एशियन गेम्स में रजत पदक विजेता टीम में भी शामिल थीं, ने कहा कि इस बार ट्रेनिंग में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जो खिलाड़ियों के लिए नया अनुभव है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को बेहतर तरीके से ट्रेनिंग करने और अपने प्रदर्शन को सुधारने में मदद मिल रही है।

करीब एक दशक का अनुभव रखने वाली शिंगाटे ने बताया कि 27 मार्च से शुरू हुए इस कैंप में वैज्ञानिक तरीकों से ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसमें रिकवरी पर भी बराबर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ट्रेनिंग काफी कठिन है, लेकिन रिकवरी भी उतनी ही जरूरी है, और यहां इसका अच्छा प्रबंधन किया जा रहा है, जिससे शरीर जल्दी ढल रहा है।

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित 72वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में इंडियन रेलवे की ओर से उपविजेता रहने के बाद शिंगाटे ने कहा कि उच्च स्तर पर प्रदर्शन के लिए ट्रेनिंग और रिकवरी के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। उन्होंने माना कि पहले रिकवरी और वर्कलोड मैनेजमेंट पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था, जिससे चोट की संभावना बढ़ जाती थी, लेकिन अब वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन दोनों में सुधार होगा। यह कैंप 2 अप्रैल तक चलेगा और इसमें अनुभवी व युवा खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। शिंगाटे ने कहा कि साथ में ट्रेनिंग करने से सीनियर और जूनियर खिलाड़ी एक-दूसरे को प्रेरित करते हैं, जिससे पूरी टीम का स्तर बेहतर होता है।

वैभव की पारी देखकर कैफ के सुर बदले, बोले उसकी क्षमताएं पहचानने में मुझसे भूल हुई

वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आलोचना करने वालों के सुर भी उनकी बल्लेबाजी देखकर अब बदल गये हैं। जिस प्रकार से वैभव ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ पहले ही मैच में 15 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगाया है। उससे पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाये। पहले जहां कैफ ने कहा था कि वैभव को लेकर जरुरत से ज्यादा बातें कही जा रही हैं, वहीं इस बल्लेबाज की पारी देखकर अब कैफ को भी अपनी धारणा बदलनी पड़ी है। कैफ ने माना है कि वैभव की क्षमताएं पहचानने में उनसे गलती हो गयी। कैफ ने सोशल मीडिया में लिखा, पिछले सत्र में मुझे लगा था कि वैभव सूर्यवंशी को बहुत जल्दी हाइप मिल रही है। पुराने विचारों वाला क्रिकेटर होने के नाते मेरा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक साल बाद मुझे लगता है कि वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार है। यह 15 साल का लड़का मनोरंजन भी कर सकता है और मैच विजेता पारियां भी खेल सकता है। पिछले साल उसने 35 गेंद में शतक लगाया था। वहीं अब 15 गेंद में अर्धशतक लगाया है। पिछले साल वैभव ने 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वह आईपीएल इतिहास में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में इस बल्लेबाज ने 35 गेंद में शतक लगा दिया था। ये आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले सबसे तेज शतक केवल यूनिवर्स बास क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में केवल 30 गेंदों में तीन अंकों का आंकड़ा हासिल किया था। सोमवार को हुए मैच की बात करें तो सीएसके पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 127 रन पर सिमट गई। टीम पूरे 20 ओवर तक नहीं खेल पाई और 19.4 ओवर में ही सिमट गई।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था।

अप्रैल 2026-27 में वीकेंड हालिडे को मिलाकर कुल 10 दिनों के लिए बंद रहेगा शेयर बाजार

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। **नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत 1 अप्रैल 2026 से हो रही है। इस महीने शेयर बाजार (बीएसई और एनएसई) में सिर्फ दो ट्रेडिंग हालिडे होंगी। दोनों एक्सचेंजों पर इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बारोइंग (एसएलबी) जैसे सभी सेगमेंट इन हालिडे पर बंद रहने वाले है।**

अप्रैल 2026 में कुल ट्रेडिंग दिन कम होने से बाजार की गतिविधियां पर असर होगा। वीकेंड हालिडे मिलाकर कुल 10 दिनों के लिए दलाल स्ट्रीट बंद रहेगा। जबकि एक दिन पर सेटलमेंट हालिडे रहेगी।

अप्रैल 2026 के मुख्य ट्रेडिंग हालिडे सबसे पहले 3 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को गुड फ्राइडे के दिन पर होगी। इस दिन शेयर बाजार पूरी तरह बंद रहेगा। गुड फ्राइडे के दिन एमसीएक्स सुबह और शाम दोनों सेशन में पूरी तरह बंद रहेगा, क्योंकि इस दिन कई ग्लोबल मार्केट भी बंद रहते हैं। इसके बाद 14 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को डा. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती रहेगी। इस दिन भी बीएसई और एनएससी दोनों पर ट्रेडिंग नहीं होगी। 1 अप्रैल 2026 (बुधवार) को बाजार खुला रहेगा, लेकिन यह सेटलमेंट हालिडे है। इस दिन वार्षिक बैंक क्लोजिंग के कारण ट्रेड सेटलमेंट में सामान्य से ज्यादा समय लग सकता है।

शेयर बाजार में इन तीन दिनों के अलावा वीकेंड पर भी छुट्टी रहेगी। 4-5 अप्रैल को शनिवार-रविवार की वजह से छुट्टी रहेगी। इसके बाद 11 और 12 अप्रैल को शेयर बाजार बंद होगा। फिर 18 और 19 को भी मार्केट हालिडे रहने वाली है। इसके बाद 25 और 26 को शेयर बाजार वीकेंड हालिडे के कारण बंद रहेगा। अप्रैल में केवल दो ट्रेडिंग बंदी होने से महीना बाकि महीनों के मुकाबले व्यस्त रहेगा। लंबे वीकेंड (जैसे गुड फ्राइडे के आसपास) की वजह से कुछ दिन बाजार बंद रहेगा। विशेष रूप से 1 अप्रैल को सेटलमेंट में देरी की संभावना को ध्यान में रखें। बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर हालिडे सूची जारी की है।

न्यूज ब्रीफ

गिरावट के बाद चमक सकता है स्मालकेप स्टाक टाइम टेक्नोप्लास्ट, 2026 में 15 फीसदी टूटा, ब्रोकरेज को अब 70 फीसदी अपसाइड का दिख रहा मौका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय शेयर बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई और यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र रहा जब प्रमुख सूचकांक दबाव में बंद हुए। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली, जिससे ज्यादातर शेयर लाल निशान में बंद हुए। निवेशकों की चिंता बढ़ने के चलते लगभग सभी सेक्टरों में कमजोरी दर्ज की गई। इस गिरावट के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने स्मालकैप कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। ब्रोकरेज का मानना है कि हालिया गिरावट लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक अच्छा अवसर पेश करती है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टाक पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखते हुए 280 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। मौजूदा स्तर से यह करीब 70 प्रतिशत से अधिक संभावित रिटर्न दर्शाता है। ब्रोकरेज के अनुसार, भले ही पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है, लेकिन कंपनी के आपरेशन काफी हद तक स्थिर हैं। इस क्षेत्र से कंपनी की कुल आय का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिससे जोखिम सीमित रहता है। कंपनी की रणनीति, जिसमें 11 देशों में स्थानीय स्तर पर उत्पादन और बिक्री शामिल है, सप्लाई चेन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और कम्पोजिट सिलेंडर सेगमेंट में बढ़ती हिस्सेदारी कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत देती है।

किफायती होने के साथ शानदार माइलेज देती है ये 5 कारें

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में कई ऐसी कारें मौजूद हैं जो किफायती होने के साथ शानदार माइलेज भी देती हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में उतार-चढाव के बीच आजकल कार खरीदते समय माइलेज सबसे अहम फैक्टर बन गया है। खासकर मिडिल क्लास परिवार ऐसी गाड़ियों की तलाश में हैं जो कम ईंधन में ज्यादा दूरी तय कर सकें। इनमें कुछ माडल 25 से 28 किमी/लीटर से ज्यादा का माइलेज देने में सक्षम हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा (विक्टोरिस) का नाम आता है, जो 28.65 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है। इसका हाइब्रिड इंजन इसे बड़ी एसयूवी होने के बावजूद बेहद फ्यूल एफिशिएंट बनाता है। दूसरे नंबर पर टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर है, जो 27.97 किमी/लीटर का माइलेज देती है। इसका स्ट्रान्ग हाइब्रिड सिस्टम इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के तालमेल से बेहतर एफिशिएंसी देता है। प्रीमियम सेडान सेगमेंट में होंडा सिटी हायब्रिड भी शानदार विकल्प है, जो 27.26 किमी/लीटर का माइलेज देती है। इसका स्मार्ट हाइब्रिड सिस्टम ड्राइविंग के दौरान खुद तय करता है कि कब इंजन और कब बैटरी का इस्तेमाल करना है।

पैसेंजर व्हीकल एक्सपोर्ट में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

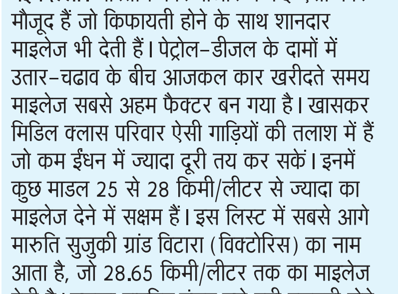

नई दिल्ली। पिछले एक साल में भारतीय आटोमोबाइल इंडस्ट्री ने निर्यात के मोर्चे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत में अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच पैसेंजर व्हीकल एक्सपोर्ट में 19 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। पैसेंजर व्हीकल की कुल 8,13,919 यूनिट्स विदेशों में भेजी गई। इस दौरान मारुति सुजुकी ने सबसे आगे रहते हुए अपना दबदबा कायम रखा। कंपनी ने 34.4 प्रतिशत की सालाना ग्रोथ के साथ 3,88,591 यूनिट्स का निर्यात किया, जिससे उसका मार्केट शेयर बढ़कर 47.7 प्रतिशत हो गया। निर्यात सूची में दूसरे स्थान पर हयूदै रही, जिसने 19.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,76,185 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए। तीसरे नंबर पर निसान ने 22.1 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 76,427 गाड़ियों का निर्यात किया। वहीं फाक्सवैगन के लिए यह अवधि चुनौतीपूर्ण रही और उसका निर्यात 15.5 प्रतिशत घटकर 37,659 यूनिट्स रह गया। इस सूची में टोयोटा ने 42.1 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त के साथ 36,905 यूनिट्स का निर्यात कर पांचवां स्थान हासिल किया। किआ ने 25,908 यूनिट्स के साथ छठा स्थान पाया।

रुपए की लुढ़कती कीमतों पर आरबीआई का सख्त वार, बैंकों को आर्थिक दबाव का खतरा

बैंकों की गुहार: पुरानी पोजीशन को कैप से बाहर रखने और समय बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। **पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले लगातार कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को एक डालर की दर 95.30 तक पहुंच गई, जो इस साल रुपये में लगभग 11 फीसदी की गिरावट को दर्शाती है और पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज है। रुपये की इस तेजी से गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों की नेट ओपन रुपया पोजीशन (एनओपी) पर 100 मिलियन डालर की सीमा लगाने का ऐलान किया है। आरबीआई ने सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों (बैंकों) को आदेश दिया है कि वे 10 अप्रैल से हर कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन रुपया पोजीशन 100 मिलियन डालर के भीतर रखें। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 फीसदी तक की पोजीशन रखने की अनुमति थी, जो बड़े बैंकों के लिए अरबों डालर में होती थी। इस नए नियम का मुख्य उद्देश्य आनशोर और आफशोर मार्केट के बीच हो रहे अरबिट्राज ट्रेड्स को रोकना है।**

बाजार के कुछ बड़े खिलाड़ी इन ट्रेड्स के जरिए रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी कर रहे थे, जिससे रुपये में अस्थिरता बढ़ रही थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से ट्रेडर्स को अपनी लंबी डालर पोजीशन छोड़नी पड़ेगी, जिससे डालर की मांग कम होगी और रुपये को मजबूती मिलने की संभावना है। हालांकि, इस उपाय के बैंकिंग सेक्टर पर नकारात्मक असर की भी संभावना है। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बैंकों को इस अचानक बदलाव के कारण बाजार से 30-45 अरब डालर तक की पोजीशन को बेचना या बंद करना पड़ सकता है। बैंकों के अनुसार, इतनी बड़ी पोजीशन को अचानक बेचने से बाजार की लिक्विडिटी कम हो जाएगी। इसका सीधा असर ग्राहकों, खासकर आयातकों और निर्यातकों को बेहतर दरें देने की क्षमता पर पड़ेगा।

लिक्विडिटी कम होने से छोटी ट्रेड भी कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव ला सकती हैं, जिससे रुपये में स्थिरता की बजाय अस्थिरता का खतरा बढ़ सकता है। अनवाइंडिंग प्रक्रिया में बैंकों को उस समय के स्प्रेड (खरीद और बिक्री दर का अंतर) के आधार पर घाटा भी उठाना पड़ सकता है। अगर सभी बैंक एक साथ 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन बंद करने की कोशिश करेंगे, तो बाजार में डालर की आवक अचानक बढ़ जाएगी। इसी कारण बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा बढ़ाने और पुरानी पोजीशन को इस कैप से बाहर रखने की गुहार लगाई है। उनका सुझाव है कि केवल नए एनडीएफ ट्रेड पर यह कैप लागू किया जाए, जिससे पोर्टफोलियो को चरणबद्ध तरीके से संतुलित किया जा सके और अनावश्यक वित्तीय नुकसान से बचा जा सके। आरबीआई का यह कदम रुपये की गिरावट रोकने और सट्टेबाजी कम करने के लिए अहम माना जा रहा है, लेकिन बैंकिंग सेक्टर पर इसके साइड इफेक्ट्स को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि नियम को धीरे-धीरे लागू करने और पुरानी पोजीशन को कुछ राहत देने से रुपये में स्थिरता के साथ-साथ बैंकिंग सेक्टर को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

जल्द ही लांच होगा वनप्लस नोर्ड 6

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। **वनप्लस भारत में जल्द ही वनप्लस नोर्ड 6 को लान्च करने की तैयारी कर रही है। इस फोन को पिछले साल आए वनप्लस नोर्ड 5 का अपग्रेड माना जा रहा है। लीक रिपोर्ट्स में इस सीरीज के और विस्तार के संकेत मिले हैं। मशहूर टिप्स्टर के अनुसार, कंपनी वनप्लस नोर्ड सीई 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 लाइट को भी भारतीय बाजार में उतार सकती है।**

बताया जा रहा है कि ये दोनों स्मार्टफोन मई महीने में लान्च हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह सीई लाइट सीरीज की लगभग दो साल बाद वापसी होगी, क्योंकि पिछली बार वनप्लस नोर्ड सीई 4 लाइट 5जी को जून 2024 में पेश किया गया था। लीक हुई जानकारी के अनुसार, नोर्ड सीई 6 का डिजाइन प्रीमियम लुक के साथ आ सकता है। सामने आई तस्वीर में फोन ब्लैक कलर और फ्लैट रियर पैनल के साथ दिखा है, जिसमें स्क्वायर शेप का डुअल कैमरा माड्यूल नजर आता है। वहीं, नोर्ड सीई 6 लाइट के स्पेसिफिकेशन्स भी सामने आए हैं, जिनमें 6.7 इंच की एलसीडी डिस्प्ले और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट शामिल हो सकता है।

यह डिवाइस मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 प्रोसेसर से लैस हो सकता है और इसमें 7,000एमएएच की बड़ी बैटरी मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है। यह फोन एंड्राएड 16 आधारित आक्सीजनओएस 16 पर काम करेगा और इसमें साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर भी मिल सकता है। कीमत की बात करें तो नोर्ड सीई 6 लाइट की शुरुआती कीमत 23,000 रुपये से कम हो सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अप्रैल...

रेलवे टिकट कैंसिल करने का भी नियम बदल रहा है। 1 अप्रैल से 72 घंटे पहले टिकट कैंसिल करने पर सबसे ज्यादा रिफंड दिया जाएगा। 72 से 24 घंटे पहले कैंसिल करने पर 25 फीसदी किराया कटेगा, 24 से 8 घंटे पहले टिकट कैंसिल करने पर 50 फीसदी किराया कटेगा और 8 घंटे बाद टिकट कैंसिल करने पर कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

मिडिल ईस्ट में जंग के बीच मार्च के दौरान घरेलू एलपीजी और कमर्शियल एलपीजी के दाम में इजाफा किया गया था। रसोई गैस के दाम में 60 रुपये और कमर्शियल एलपीजी के दाम में 115 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। अभी भी टेंशन बना हुआ है ऐसे में एलपीजी के दाम में फिर से संशोधन दिखाई दे सकता है।

दो बेटों के...

समस्या तब शुरू हुई जब प्रवीण को कथित तौर पर एक अन्य महिला से प्यार हो गया और उसने उससे शादी कर ली। इस बात को लेकर प्रवीण और श्रावंती के बीच अक्सर झगड़े होने लगे, जिसके चलते चार दिन पहले श्रावंती अपने बच्चों के साथ वरंगल स्थित अपने माता-पिता के घर चली गई थी। सोमवार रात को परिवार के बुजुर्गों की मदद से प्रवीण ने श्रावंती को बच्चों के साथ वापस खैतलापुर चलने के लिए मना लिया था।

अंदर से बंद था दरवाजा, फंदे से लटके मिले शव

बालानगर एसीपी पी. नरेश रेड्डी ने बताया, मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे जब प्रवीण काम से लौटा, तो उसने मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाया। श्रावंती द्वारा बार-बार खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं देने पर प्रवीण ने पड़ोसियों की मदद से जबरन दरवाजा खोला।

अंदर श्रावंती और दोनों लड़के फंदे से लटके पाए गए। स्थानीय लोगों ने दोपहर करीब 2:30 बजे डायल 100 के जरिए कूकटपल्ली पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी ने आगे कहा कि उन्हें संदेह है कि श्रावंती ने खुद को फांसी लगाई है, लेकिन बच्चों की मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएगा।

पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

कूकटपल्ली डीसीपी रीति राज ने बताया कि इस मामले में पति प्रवीण के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

वरंगल तक...

प्रवीण पेशे से कैब ड्राइवर है। अपनी बेटी और पोतों की मौत की खबर मिलते ही बिच्या और उनके रिश्तेदार बोडा माणिक्य थंडा पहुंचे। अत्यधिक गुस्से में आकर उन्होंने प्रवीण के पिता शंकर के घर और उनके मवेशी शेड पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। इस घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

श्रावंती के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उसने आत्महत्या इसलिए की क्योंकि वह अपने पति के उत्पीड़न को सहन नहीं कर पा रही थी। बताया जा रहा है कि प्रवीण का किसी दूसरी महिला के साथ विवाहेतर संबंध था, जिसे लेकर घर में कलह रहती थी। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर नेकोंडा पुलिस गांव पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है।

एप्पल-गूगल...

के डिजाइन और निगरानी में भूमिका निभा रही हैं, जिनका इस्तेमाल हमलों में किया जा रहा है। ईरान की तरफ से कहा गया है, अब से ये संस्थाएं ही हमारे निशाने पर होंगी।

आईआरजीसी ने इन कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है। उनसे कहा गया है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत ऑफिस को छोड़ दें। यह पहली बार है जब इस तरह खुलकर टेक कंपनियों को सीधे निशाने पर लेने की बात कही गई है। इससे मौजूदा संघर्ष अब पारंपरिक युद्ध की सीमाओं को पार कर रहा है।

मायके से ...

हालांकि, जब वर्ष 2005 में पहली पोती की मृत्यु बिना किसी संतान के हो गई तो उसकी दादी ने एक रद्दीकरण विलेख निष्पादित करके उस पूर्व उपहार को रद्द कर दिया। इसके बाद, उन्होंने एक पंजीकृत वसीयत निष्पादित की जिसके द्वारा उन्होंने वही संपत्ति अपनी दूसरी पोती (जो इस मामले में याचिकाकर्ता है) के नाम कर दी।

जब याचिकाकर्ता की दादी का 2012 में निधन हो गया तो उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने (म्यूटेशन) का अनुरोध किया। इस पर राजस्व मंडल अधिकारी (प्रतिवादी 3) ने 10.10.2017 के एक आदेश के माध्यम से मृत पोती के नाम पर दर्ज पिछली प्रविष्टियों को रद्द कर दिया और आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया।

लेकिन, इस आदेश को मृत पोती के पति (प्रतिवादी 5) ने पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष चुनौती दी। संयुक्त कलेक्टर ने 01.04.2023 के एक आदेश द्वारा आरडीओ के निर्णय को रद्द कर दिया और अपने पक्ष में म्यूटेशन करने का निर्देश दिया, यह मानते हुए कि प्रारंभिक उपहार विलेख को रद्द किया जाना अमान्य था।

दूसरी पोती ने दायर की याचिका, कोर्ट ने दिया यह फैसला

याचिकाकर्ता ने संयुक्त कलेक्टर के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी, जहां उन्होंने यह दलील दी कि यह आदेश हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 15(2)(ए) के विपरीत है और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उनकी बहन की मृत्यु बिना किसी संतान के हुई थी, इसलिए प्रतिवादी 5 का उस संपत्ति पर कोई अधिकार या हक नहीं बनता है।

याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि संपत्ति पर हक की घोषणा के लिए दायर एक दीवानी मुकदमा (सिविल सूट) वर्ष 2025 में ही उनके पक्ष में तय हो चुका था, जिससे उस संपत्ति पर उनका स्वामित्व (मालिकाना हक) पूरी तरह से पुष्ट हो गया था।

इस तर्क से सहमत होते हुए एकल-न्यायाधीश ने यह निर्णय दिया कि मृत पोती का पति मूल स्वामी द्वारा किए गए पंजीकरण के निरस्तीकरण पर प्रश्न नहीं उठा सकता, क्योंकि उसे अपनी मृत पत्नी से कोई स्वामित्व प्राप्त नहीं हुआ है।

जयललिता...

ब्याज के साथ कुल 1.6 करोड़ तक पहुंच गया था। 31 मार्च तक लागू वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना के तहत 90% ब्याज की छूट के बाद, देय कुल राशि घटकर लगभग 83 लाख रह गई।

विजय माल्या से जुड़ा है संपत्ति का नाता

इस इमारत को व्यावसायिक (कमर्शियल) श्रेणी में रखा गया था क्योंकि देश छोड़ने से पहले भगोड़े शराब व्यवसायी विजय माल्या ने इसे किराए पर लिया था। तब से, श्रेणी बदलने या कानूनी उत्तराधिकारियों के नाम पर टैक्स म्यूटेशन (नामांतरण) करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के रिकॉर्ड में स्वामित्व अभी भी जयललिता के नाम पर ही है।

भवन के लिए एक केयरटेकर नियुक्त किया गया है। हालांकि यह संपत्ति कई वर्षों से खाली पड़ी है, लेकिन उत्तराधिकारी इसके खाली होने से संबंधित सबूत पेश नहीं कर सके, जिसके कारण अधिकारियों के अनुसार वे संपत्ति कर में मिलने वाली रियायत का लाभ नहीं उठा सके।

मद्रास उच्च न्यायालय ने मई 2020 में जयललिता के भतीजे जे. दीपक और भतीजी जे. दीपा को उनका कानूनी उत्तराधिकारी घोषित किया था, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री का निधन बिना किसी वसीयत के हो गया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 01 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

महावीर जयंती समारोह में हरीश राव ने किया भगवान महावीर के आदर्शों का आह्वान

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के डिप्टी फ्लोर लीडर और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मंगलवार को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान (एग्जीबिशन ग्राउंड्स) में आयोजित महावीर जयंती समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और बीआरएस के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

समारोह को संबोधित करते हुए हरीश राव ने समकालीन समाज में भगवान महावीर की अहिंसा, सत्य और सद्भाव की शिक्षाओं की प्रासंगिकता को याद किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती असहिष्णुता के बीच अहिंसा परमो धर्म का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। उन्होंने लोगों से जीवन जीने के तरीके के रूप में जियो और जीने दो के सिद्धांत का पालन करने का आह्वान किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महावीर के आदर्श धर्म से परे हैं और सार्वजनिक जीवन एवं शासन के लिए शांति, पारदर्शिता और नैतिक आचरण का मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने तेलंगाना को सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बताया, जहाँ विभिन्न धर्म एक साथ सह-अस्तित्व में रहते हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना कई शताब्दियों से जैन और बौद्ध अभयारण्यों का निवास स्थान रहा है।

जैन समुदाय के सामाजिक योगदान की सराहना

हरीश राव ने सामाजिक सेवा में जैन समुदाय के योगदान का भी उल्लेख किया, जिसमें महावीर अस्पताल और डायलिसिस केंद्रों जैसी स्वास्थ्य सेवा पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों ने पिछली बीआरएस सरकार को पूरे राज्य में इसी तरह की पहल करने के लिए प्रेरित किया था।

उन्होंने रेखांकित किया कि बीआरएस ने उप्पल में जैन भवन के लिए दो एकड़ भूमि आवंटित करके, अल्पसंख्यक आयोग में जैन समुदाय को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके और अन्य कई कदम उठाकर समुदाय को निरंतर समर्थन दिया है। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने हरीश राव और तलसानी श्रीनिवास यादव को सम्मानित कर स्मृति चिन्ह भेंट किए।

जैन समाज की सेवा भावना और भविष्य का संकल्प

तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि जैन समाज अनेक सेवा कार्यों के माध्यम से गरीबों का संबल बना हुआ है। उन्होंने भगवान महावीर की शिक्षाओंअहिंसा और सत्यको जीवन में उतारने और सन्मार्ग पर चलने का आह्वान किया। राजनीतिक भविष्य पर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि आगामी ढाई साल बाद राज्य में फिर से बीआरएस की सरकार आएगी। उन्होंने संकल्प लिया कि जैन भवन का निर्माण पूरा होने के बाद, इसका उद्घाटन स्वयं उनके मुख्यमंत्री (केसीआर) के हाथों कराया जाएगा। समारोह में समाज के हर क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

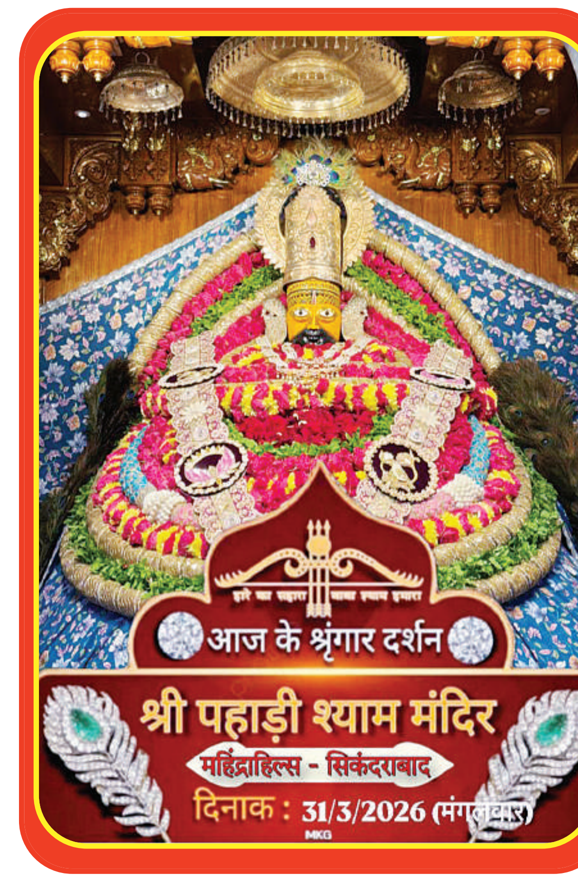

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हिन्दी को तकनीकी अनुसंधान एवं विकास का मौलिक माध्यम बनाना है: डॉ. अनीश कुमार शर्मा

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 174वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने की। इस अवसर पर समिति के सदस्य-सचिव एवं प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने निगम में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति, विभिन्न विभागों में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति तथा परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टों, राजभाषा निरीक्षणों तथा विभागीय गतिविधियों के माध्यम से राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया।

बैठक में मुख्य रूप से संसदीय राजभाषा समिति के विगत एवं संभावित निरीक्षण के संबंध में व्यापक चर्चा की गई। इस संदर्भ में निरीक्षण की तैयारियों, आवश्यक अभिलेखों एवं सूचनाओं की उपलब्धता, तथा समिति द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासनों एवं सुझावों के समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन पर विशेष बल दिया गया। अध्यक्ष महोदय ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े सभी बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए निरीक्षण की तैयारी पूर्ण रूप से सुनिश्चित करें।

इसके अतिरिक्त, बैठक में कार्यालयीन कार्यों विशेषकर; पत्राचार, टिप्पणी, नोटिंग एवं मसौदा-लेखन में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने पर जोर दिया गया। सभी इकाइयों एवं आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए यह अपेक्षा व्यक्त की गई कि हिन्दी का प्रयोग अधिकाधिक स्वाभाविक, सरल एवं प्रभावी बनाया जाए। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने हिन्दी भाषा के प्रयोग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी के साथ-साथ मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को विभिन्न भाषाओं का ज्ञान अर्जित करना चाहिए, जिससे कार्यकुशलता के साथ-साथ व्यापक दृष्टिकोण का विकास होता है। बैठक में राजभाषा संबंधी विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई तथा इन गतिविधियों में कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की गई। साथ ही, आगामी कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षण पहलों के माध्यम से राजभाषा के प्रचार-प्रसार को और अधिक गति प्रदान करने पर भी विचार किया गया। अध्यक्ष महोदय ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की भी प्रशंसा की। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि नराकास प्रतियोगिताओं में सभी सदस्य कार्यालयों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। नराकास की सदस्य कार्यालयों के मध्य परस्पर गतिविधि आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हिन्दी को तकनीकी अनुसंधान एवं विकास का मौलिक माध्यम बनाया जाए। इसके लिए नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में तकनीकी पेपर प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय ने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे समन्वित एवं निरंतर प्रयासों के माध्यम से राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाएं तथा इसे और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं व्यवहारिक रूप प्रदान करें। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान तथा सीएच. निहारिका, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महावीर जयंती पर केबीआर पार्क में सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान महावीर के अहिंसा, करुणा और त्याग के संदेशों को स्मरण करते हुए सभी ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दो-हराई।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, जयप्रकाश सारडा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भगवान् महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर नुमाइश मैदान मे श्री पार्श्वनाथ जैन मंडल, रसूलपुरा द्वारा एक मुट्ठी अनाज का स्टाल लगाकर प्रचार किया गया संस्था द्वारा विगत 108 महीने से लगतर उसका प्रति महीने अनाथ आश्रम में वितरण करते आ रही है। स्टाल मे उपस्थित महावीर जयंती संयोजक रिद्धिश जागीरदार, साथ में सदस्य टीम के मनीष जैन, अरुण जैन, हसमुख जैन, अजय जैन, रितेश मेहता। नितिन मेहता, प्रीतेश मेहता, मिलन मेहता, विक्रम भंडारी।

अखिल भारतीय सीरवी महासभा (तेलंगाना) की आमसभा 2 अप्रैल को

समाजहित के मुद्दों पर होगा व्यापक विचार-विमर्श

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय सीरवी महासभा, तेलंगाना की महत्व-पूर्ण आमसभा बैठक आगामी 2 अप्रैल को दोपहर 1 बजे पारसीगुटा स्थित आईमाता जी मंदिर (बडेर) में आयोजित की जाएगी।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में महासभा के अध्यक्ष हरजीराम काग तथा महासचिव सोहनलाल हाम्बड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में तेलंगाना की सभी बडेरों के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

आमसभा में समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक गतिविधियों के विस्तार तथा समाज के विकास से संबंधित प्रस्तावों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

महासभा पदाधिकारियों ने सभी समाज बंधुओं, विशेष रूप से विभिन्न बडेरों के पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।आयोजकों के अनुसार इस प्रकार की आमसभाएं समाज के बीच संवाद बढ़ाने, आपसी समन्वय मजबूत करने तथा सामूहिक निर्णय प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए सभी संबंधित सदस्यों की उपस्थिति को अत्यंत आवश्यक बताया गया है।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज, हैदराबाद द्वारा हनुमान जयंती का आयोजन कल

सुंदरकांड पाठ, 108 हनुमान चालीसा एवं अन्नदान सेवा रहेगी प्रमुख आकर्षण

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज, हैदराबाद की कार्यकारिणी सदस्यों की विशेष बैठक सोमवार, 30 मार्च 2026 को ऑनलाइन आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज द्वारा गुरुवार, 2 अप्रैल 2026 को हनुमान जयंती का भव्य आयोजन किया जाएगा।

समाज के महासचिव पंकज सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस बार भी हनुमान जयंती समाज द्वारा निर्मित परशुराम मंदिर, जगतगिरि गुट्टा में मनाई जाएगी।

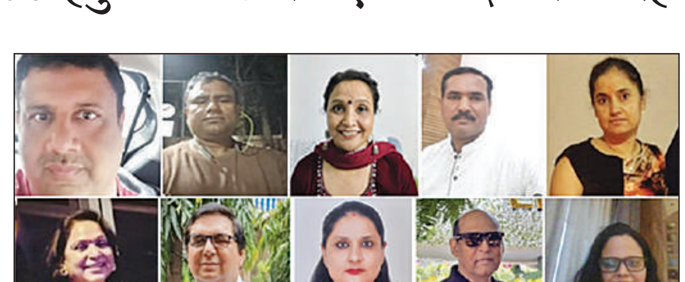

हनुमान जयंती महोत्सव का पहला चरण प्रातः 7:30 बजे श्री पंकज कुमार सीए एवं उनकी धर्मपत्नी प्रियंका सिंह द्वारा संकल्प लेकर हनुमान जी की पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ होगा।महोत्सव का दूसरा चरण शाम 4:00 बजे से आरंभ होगा। इस दौरान प्रत्येक माह पूर्णिमा को आयोजित होने वाली श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा एवं कथा का आयोजन किया जाएगा। इस माह की कथा के यजमान श्रीमती अनीता राय, महिला अध्यक्ष गीतू शर्मा तथा स्वप्निल राय होंगे।

इसके पश्चात सस्वर सुंदरकांड पाठ किया जाएगा तथा 108 बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर पवनपुत्र हनुमान की आराधना की जाएगी।

पूजा, भजन एवं आरती के उपरांत सायं 7:00 बजे से उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया जाएगा तथा अन्नदान सेवा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में समाज की उपाध्यक्ष अनीता राय, महासचिव पंकज कुमार, महिला अध्यक्ष गीतू शर्मा, सहसचिव मुकेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य स्वप्निल राय, पूर्व अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्र, गोविंद राय, पूर्व महिला अध्यक्ष सुधा राय एवं डॉ. आशा मिश्रा ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए।महासचिव ने शहर के समस्त ब्रह्मर्षि परिवारों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार सहित इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

पारीक मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आज से

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पारीक समाज, ग्रेटर हैदराबाद के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दो दिवसीय विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन बुधवार 1 अप्रैल एवं गुरुवार 2 अप्रैल को पारीक मंदिर, कोलसावाड़ी, बेगम बाजार में किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बुधवार, 1 अप्रैल को रात्रि 8 बजे अभिषेक, 9 बजे चोला तथा रात्रि 10:31 बजे से हवन का आयोजन किया जाएगा।

गुरुवार, 2 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव के मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रातः 6:01 बजे मंगला आरती, सायं 5:01 बजे ज्योत प्रज्ज्वलन तथा सायं 5:15 बजे से चित्रकूट निवासी गजेन्द्र शुक्ला द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पारायण प्रस्तुत किया जाएगा।

पारीक समाज, ग्रेटर हैदराबाद ने समस्त समाज बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा में पुरुषोत्तम मास के संदर्भ में विशेष बैठक आयोजित

18 से 26 मई तक 27 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन

विश्वशांति, लोककल्याण एवं भक्तों की मनोकामना पूर्ति हेतु होगा अनुष्ठान

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन पुण्य पुरुषोत्तम मास के अवसर पर श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा में प्रति अधिक मास की भांति इस वर्ष भी दिव्य एवं भव्य धार्मिक आयोजन की रूपरेखा तय की गई। इसी क्रम में 18 मई से 26 मई 2026 तक श्री जगन्नाथ मठ में विश्वशांति, लोककल्याण, पुत्र शांति एवं संतान प्राप्ति, सर्वदेह, धन, विद्या एवं आयु लाभ तथा समस्त रोग-पीड़ा निवारण हेतु श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में महंत अच्युत रामानुजाचार्य अजय स्वामी ने बताया कि वैकुंठवासी श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) सीताराम बाग में आयोजित बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से समिति गठन एवं कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने के प्रस्ताव को स्वीकार किया।

पूर्वाचार्यों के मार्गदर्शन में होगा आयोजन

बैठक के दौरान परम पूज्य एवं परम आदरणीय पूर्वाचार्य वैकुंठवासी श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रत नारायण रामानुज जियर स्वामीजी के बताए मार्ग पर चलने और कार्यक्रमों को संकल्पपूर्वक सम्पन्न करने का निर्णय लिया गया। स्वामीजी के स्मरण के साथ आयोजन की सफलता हेतु सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

बैठक में प्रमोद कुमार व्यास, राहुल किशोर अवस्थी, जितेंद्र अवस्थी, आलोक प्रसाद तिवारी, कांता अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद दुबे, सत्यनारायण सरदीवाल, रमेश मोदानी, भारत कालंत्री, पुरुषोत्तम दास लाहोटी, श्रीकांत लाहोटी, मुकेश चौहान, रिद्धीश जागीरदार, आनंद, अनिरुद्ध, निकेश, मनीष, प्रियंका, ग्रंथ भारद्वाज सहित समस्त भक्तवृंद उपस्थित रहे।

108 ब्राह्मणों द्वारा होगा भागवत पाठ, 27 कुंडीय यज्ञ मुख्य आकर्षण

आचार्य अजय महाराज मठाधीपति ने 29 मार्च 2026 को आयोजित बैठक में अनुष्ठान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 27 कुंडीय यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत मूल पाठ पारायण 108 ब्राह्मणों द्वारा 108 यजमानों के साथ संपन्न कराया जाएगा।

श्रीमद्भागवत पाठ पारायण 19 मई से 25 मई तक प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से 12:30 बजे तथा मध्यान्ह 2 बजे से 4 बजे तक किया जाएगा। वहीं 18 महापुराणों की व्याख्यानमाला प्रतिदिन सायंकालीन सत्र में 4:15 बजे से 7:15 बजे तक विभिन्न संतों, महंतों एवं विद्वानों द्वारा प्रस्तुत की जाएगी।

लक्ष्मी-नारायण यज्ञ का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व

समिति द्वारा बताया गया कि लक्ष्मी-नारायण यज्ञ भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी को समर्पित अत्यंत शुभ और शक्तिशाली अनुष्ठान है, जो सुख-समृद्धि, वैवाहिक सुख, आर्थिक उन्नति तथा जीवन में स्थिरता लाने के लिए किया जाता है। इस यज्ञ में वेदी निर्माण, कलश स्थापना, विष्णु-लक्ष्मी पूजन तथा मंत्रोच्चार के साथ 1251 या उससे अधिक आहुतियां दी जाएंगी।

18 पुराणों के अध्ययन से मिलता है जीवन मार्गदर्शन

स्वामीजी ने बताया कि 18 महापुराणों के अध्ययन से धर्म, भक्ति, कर्म एवं जीवन के मूल सिद्धांतों की समझ विकसित होती है। पुराणों के माध्यम से भगवान विष्णु, शिव, दुर्गा आदि की महिमा, कर्म-फल का सिद्धांत तथा मोक्ष का मार्ग स्पष्ट होता है। उन्होंने कहा कि पुराणों का वास्तविक लाभ तभी मिलता है जब उनकी शिक्षाओं को जीवन में उतारा जाए।

सेवा एवं सहयोग के लिए भक्तों से आह्वान

प्रचार संयोजक आलोक प्रसाद तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के मार्गदर्शकों में शोभाचंद शिवजी राम लोया (वेनुगोपाल लोया), मेघराज अग्रवाल, जसवंत भाई पटेल, ओमप्रकाश खंडेलवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, गोपाल सोनी, नरेंद्र गोयल, शंकरलाल महेंद्र सिंगोडिया, जेठमल परमानंदमल बंसल, उषा अग्रवाल, बृजलाल निर्मला देवी बंगड़, अरुणा अग्रवाल, कलवती जाजू एवं अनिल भांगड़िया शामिल हैं।

मुख्य यजमान के रूप में अमित अग्रवाल (चेन्नई) द्वारा 18 पुराण पारायण का संकल्प लिया गया है तथा रूपेश अग्रवाल द्वारा 300 किलो घी सेवा एवं एक दिवस अन्नदान सेवा का सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त तिरुमला श्रीधर सुनील, रमेश भालोटिया, सपना गुप्ता, सरिता देवी अग्रवाल, जय श्री कृष्ण, नीरज सिंह यादव, जल्लूरी वंशी, सत्यनारायण शार्दिवाल, प्रमोद कुमार गोयनका, कमल किशोर सोनी, महावीर प्रसाद गोयल सहित अनेक भक्तों ने विभिन्न सेवाओं का संकल्प लिया है।

फल सेवा, दूध सेवा, छाछ सेवा, यज्ञ समिधा, ब्राह्मण वरण, पुष्प, प्रसाद, जल एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी श्रद्धालुओं ने सहयोग प्रदान करने की सहमति दी है।

समिति ने समस्त जगन्नाथ भक्तों से निवेदन किया है कि वे इस पुण्य कार्य में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करें। आयोजन का समापन 26 मई को लक्ष्मी नारायण कल्याण उत्सव के साथ किया जाएगा।

पोते के जन्मदिन पर दादी ने किया अन्नदान, सेवा भाव से मनाया खास दिन

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने भगवान महावीर जयंती के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर एक भावुक और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जब एक दादी ने अपने पोते का जन्मदिन निराश्रित जनों को भोजन करवा कर मनाया। कार्यक्रम के दौरान रेनू शर्मा ने बताया कि उनके पोते मानवीक का आज जन्मदिन है। परिवार के साथ जन्मदिन मनाना तो परंपरा है, लेकिन इस बार उन्होंने इसे खास बनाने के लिए जरूरतमंद लोगों के बीच अन्नदान कर उत्सव मनाया।

उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने पोते का जन्मदिन निराश्रित लोगों के बीच मनाया, तो उन्हें आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति हुई। जरूरतमंदों के चेहरों पर आई मुस्कान ने इस अवसर को और भी यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्य समाज में सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देते हैं तथा दूसरों को भी प्रेरित करते हैं।

इस अवसर महेश अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल,विनोद तोषनीवाल, पन्नालाल अग्रवाल, महेश गोयल, रेनू शर्मा, शर्मिला अग्रवाल मीना गोयल, नीलम विजयवर्गीय एवं राधे राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

महावीर जैन सेवा संघ द्वारा संपतराज कोठारी को जैन रत्न से अलंकृत होने पर उनका सम्मान करते हुए गांग परिवार के सदस्य अनिल, सुनील, प्रमोद गांग व अन्य।

जगदीश्वर और डॉ. मुजीब के निर्विरोध निर्वाचन पर स्कूल शिक्षा विभाग हैदराबाद ने किया भव्य सम्मान

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीएनजीओ यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष के रूप में मारम जगदीश्वर और महासचिव के रूप में डॉ. एस. हुसैनी मुजीब के निर्विरोध निर्वाचित होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग हैदराबाद के अध्यक्ष के.आर. राजकुमार के नेतृत्व में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट अध्यक्ष और स्कूल शिक्षा विभाग हैदराबाद के अध्यक्ष के.आर. राजकुमार, सचिव एम. भास्कर और फोरम के संयुक्त सचिव रमेश ने अन्य पदाधिकारियों के साथ मिलकर मारम जगदीश्वर और डॉ. मुजीब को 'गजमाला' (बड़ी माला) और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के अध्यक्ष विक्रम कुमार, सचिव कुराडी श्रीनिवास और कोषाध्यक्ष बालराज भी मौजूद रहे।

समारोह में यूनियन के उपाध्यक्ष खालिद अहमद, बोलिगिडा शंकर, प्रचार सचिव वैदिक शास्त्र, संयुक्त सचिव गीता और कार्यकारिणी सदस्य श्रीधर व मुकीद ने भी हिस्सा लिया। साथ ही, टीएनजीओ यूनियन स्कूल शिक्षा विभाग हैदराबाद यूनिट के प्रचार सचिव फेरस अहमद, कार्यकारिणी सदस्य प्रियदेव ठाकुर और फोरम के संगठनात्मक सचिवों श्रीनिवास, शिव, शिवकुमार, राजशेखर, आदि नारायण, लक्ष्मीपति, अनिल, समीउल्लाह, परमेश और दामोदर राजू ने नवनिर्वाचित नेतृत्व को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ की घटना अत्यंत दु:खद : बिनय कुमार यादव

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बिहार के नालंदा जिले स्थित शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ की घटना को अत्यंत दु:खद और चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में अब तक 8 श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है, जिससे पूरे समाज में शोक और पीड़ा का माहौल है।बिनय कुमार यादव ने कहा कि यह घटना केवल स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था को आहत करने वाली नहीं है, बल्कि धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। मंदिर परिसर में हुए इस हादसे के कारण श्रद्धालुओं में भय और आक्रोश का वातावरण उत्पन्न हुआ है।

उन्होंने संबंधित प्रशासन एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों से इस घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कराने का आग्रह किया। साथ ही दोषियों की जवाबदेही तय करने और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अध्यक्ष यादव ने सरकार से मांग की कि जिन श्रद्धालुओं की इस दुर्घटना में जान गई है, उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए तथा प्रभावित परिवारों को उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान किया जाए।उन्होंने भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए मंदिर परिसर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण के प्रभावी उपाय तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई।बिनय कुमार यादव ने सभी नागरिकों और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे शांति और संयम बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि समाज में सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भाजपा सीनियर नेता गोविंद नारायण राठी को स्टेट एक्जीक्यूटिव पद

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता गोविंद नारायण राठी को तेलंगाना राज्य के स्टेट एक्जीक्यूटिव के पद पर नियुक्त किए जाने पर, उनके आवास स्थान कोटि पर उनका स्वागत सम्मान किया गया। यह सम्मान सोमराज सिंह भाजपा अध्यक्ष गोशामहाल के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर कमल सिंह, अनिल सिंह, नवीन अग्रवाल, अप्पा नरसिंह, प्रशांत कुमार, राकेश अग्रवाल, राजा जौहरी, किशन कुमार, दीपक कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

रियाद में एनआरआई टीडीपी सऊदी अरब द्वारा तेलुगु देशम पार्टी का 44वां स्थापना दिवस भव्य रूप से आयोजित

रियाद/हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) का 44वां स्थापना दिवस समारोह एनआरआई टीडीपी सऊदी अरब की रियाद टीम के नेतृत्व में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पार्टी नेताओं एन. चंद्रबाबू नायडू और नारा लोकेश के आह्वान पर, यह कार्यक्रम गल्फ डिवीजन के अध्यक्ष रवि राधाकृष्ण की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास राव, एनआरआई टीडीपी अध्यक्ष और एपीएनआरटी (अझछठढ) के चेयरमैन वेमुरी रवि तथा ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष के. बुचिराम प्रसाद ने वीडियो कॉल के माध्यम से खाड़ी देशों में मौजूद टीडीपी समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने दुनिया भर में बसे तेलुगु लोगों को जनता से जुड़े रहने और पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए काम करने हेतु प्रोत्साहित किया।समारोह का आयोजन रियाद टीम के सदस्यों तिरुपतिस्वामी स्वर्णा (स्वामी), महेंद्र वकाती, शिव मोरमपुडी, शिव डब्बाकुटी, अनिल मर्री, राम मद्दुकुरी, नरेश चेन्नुपति और हरीश के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर रवि मेदुरी, मोहन, वेंकट दासारी सहित कई टीडीपी परिवार के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने याद किया कि आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देने में एन. चंद्रबाबू नायडू के अथक प्रयासों के कारण ही आज उनमें से कई लोग सऊदी अरब में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं।

एनआरआई टीडीपी सऊदी अरब रियाद टीम की महिला सदस्यों, जिनमें श्रीदेवी वकाती, वनजा, विद्या, दीप्ति और सिरीषा शामिल थीं, ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गोर चिंचोली महादेव जात्रा महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

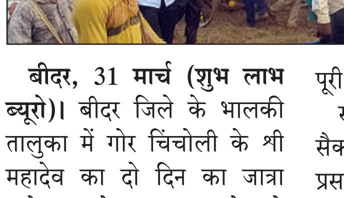

बीदर, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीदर जिले के भालकी तालुका में गोर चिंचोली के श्री महादेव का दो दिन का जात्रा महोत्सव सोमवार शाम को बड़े जोश और धूमधाम से संपन्न हुआ।

जात्रा महोत्सव के मौके पर श्री महादेव अभिषेकम, होम, हवन प्रोग्राम हुए। गांव के श्री सिद्धरामेश्वर मठ से श्री महादेव मंदिर तक पालकी उत्सव और एक बड़ी शोभायात्रा निकाली गई। कुंभ कलश लिए महिलाओं, बच्चों, युवाओं और लोक कला समूहों के नृत्य प्रदर्शन ने इस शोभायात्रा को खास बना दिया। बाद में, मंदिर परिसर में अग्नि पूजा और पूरी रात भजन का प्रोग्राम हुआ।

सोमवार सुबह मंदिर पहुंचे सैकड़ों भक्तों ने अन्न दसोह का प्रसाद लिया और महादेव का आशीर्वाद लिया। बाद में हुए श्री महादेव रथोत्सव में हजारों भक्तों ने हिस्सा लिया। मंदिर के प्रेसिडेंट विश्वनाथ धनसुरे ने बताया कि रथ-ोत्सव के दौरान *हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय:, जय भोलेनाथ शिवशंकर भगवान की जय* के नारे सुनाई देते रहे।

स्टाइल आइकन ऋतिक रोशन बने ओएनएन ब्रांड के एम्बेसडर, प्रीमियम सेगमेंट पर फोकस तेज

कोलकाता, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की प्रमुख इनरवियर कंपनी लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने प्रीमियम वियर ब्रांड ओएनएन के लिए बॉलीवुड अभिनेता रितिक रोशन को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस कदम के जरिए कंपनी भारत के तेजी से बढ़ते प्रीमियम इनरवियर और थर्मल वियर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। कंपनी की यह साझेदारी ओएनएन ब्रांड की पहचान को मजबूत करने और खासकर युवा एवं महत्वाकांक्षी उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। ओएनएन को एक आधुनिक लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में पेश किया गया है, जो कंफर्ट, परफॉर्मेंस और स्टाइल का संतुलित अनुभव देता है।

अशोक तोड़ी चेयरमैन, लक्स इंडस्ट्रीज ने कहा कि यह सहयोग कंपनी के पोर्टफोलियो में मजबूत और प्रेरणादायक ब्रांड बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।वहीं, साकेत तोड़ी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्स इंडस्ट्रीज के अनुसार, इस साझेदारी से ब्रांड की दृश्यता बढ़ेगी और प्रीमियम एवं परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड इनरवियर की तलाश कर रहे ग्राहकों से मजबूत जुड़ाव बनेगा। इस सहयोग पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए रितिक रोशन ने कहा कि व्यक्तिगत स्टाइल की नींव आराम और आत्मविश्वास है। ओएनएन का गुणवत्ता, इनोवेशन और आधुनिक डिजाइन पर फोकस उनकी लाइफस्टाइल सोच से मेल खाता है।इस नई साझेदारी के साथलक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ओएनएनब्रांड की ग्रोथ को गति देने और प्रीमियम सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भगवान महावीर जैन नेत्रालय द्वारा निःशुल्क जांच शिविर में सैकड़ों लाभान्वित

बेंगलूरु, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर जैन नेत्रालय, बैंगलोर द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर फ्री आई कैंप एवं फ्री आई स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर फ्रीडम पार्क में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

शिविर में नेत्र जांच, आंखों की स्क्रीनिंग, आवश्यक परामर्श निःशुल्क प्रदान किया गया तथा जरुरतमंदों को चश्मे भी वितरित किए गए। शिविर का उद्घाटन पूर्व पुलिस कमिश्नर भास्कर राव द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। नेत्रालय के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल एवं उपाध्यक्ष प्रकाश खांटेड ने अतिथियों का स्वागत किया। सचिव महेंद्र सोलंकी ने सभी का आभार व्यक्त किया। भगवान महावीर जैन नेत्रालय द्वारा समाज सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य से इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को नेत्र संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान एवं उपचार की सुविधा मिल सके।

शिविर के प्रायोजक संघवी इंदरचंद, रमेश कुमार एवं मंगलचंद बोहरा रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में कमिटी सदस्य भंवरलाल भंडारी, दीपक धोका, हसमुख जैन, अनिल बम्ब, किरण गादिया आदि की विशेष मेहनत रही। ट्रस्ट के कई ट्रस्टीगण भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अमेरिका में भी बढ़ गए पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में चल रही जंग से फैला तनाव अब सिर्फ युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में ले लिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव का सबसे बड़ा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ा है। इतना ही नहीं इससे अब आम आदमी की जेब पर भी सीधा असर पड़ रहा है। इस युद्ध की आग की लपटें अब पूरी दुनिया के किचन और जेब तक पहुंचने लगी हैं।

हालत यह है कि अमेरिका से लेकर खाड़ी देश यूएई तक में पेट्रोल-डीजल के दाम 72 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। आइए जानते हैं कि इस युद्ध ने कैसे दुनिया भर में तेल का बाजार बिगाड़ दिया है और अमेरिका- यूएई में पेट्रोल-डीजल का क्या भाव चल रहा है।

अमेरिका में पेट्रोल (गैसोलीन) की कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। यहां कीमतें बढ़कर 4 डॉलर यानी करीब 380 प्रति गैलन के पार निकल गई हैं। पिछले 3 सालों में यह पहला मौका है जब पेट्रोल इतना महंगा हुआ है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद से कीमतों में 30% से ज्यादा की तेजी आ चुकी है।

सिर्फ पेट्रोल ही नहीं, अमेरिका में डीजल की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। यहां डीजल 5 डॉलर प्रति गैलन (करीब 475) के स्तर को पार कर गया है। जब से मिडिल ईस्ट में तनाव शुरू हुआ है, तब से डीजल की कीमतों में 40% से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

खाड़ी के देशों में भी तेल की कीमतें अब लोगों को रुला रही हैं। यूएई की फ्यूल प्राइस कमेटी ने 1 अप्रैल से नई कीमतें लागू करने का ऐलान किया है। यहां डीजल की कीमतों में 72 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि हुई है, जिससे दाम 2.72 दिरहम से बढ़कर 4.69 दिरहम यानी करीब 120 प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं।

यूएई में सुपर 98 पेट्रोल की कीमत 30% बढ़कर 3.39 दिरहम (करीब 87 प्रति लीटर) हो गई है। वहीं, स्पेशल 95 पेट्रोल का दाम 32% बढ़कर 3.28 दिरहम (करीब 84 प्रति लीटर) हो गया है। खाड़ी देशों में इस तरह की तेजी ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। इस पूरी महंगाई की जड़ में है कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें ।

अमेरिका, इजरायल और ईरान युद्ध के चलते ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम सिर्फ एक महीने में 48 प्रतिशत बढ़ गया है और फिलहाल यह 107.28 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

ट्रंप ने यूके की खिल्ली उड़ाई और फ्रांस को धमकाया

नयी दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। ईरान से चल रही जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस पर बुरी तरह से भड़के नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट पर दोनों देशों के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की है। पोस्ट में ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में यह भी लिखा कि अब आपको अपने लिए खुद लड़ना सीखना होगा।

यूनाइटेड किंगडम के लिए ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखाअब आपको अपने लिए खुद लड़ना सीखना होगा; यूएसए अब आपकी मदद के लिए वहाँ मौजूद नहीं रहेगाठीक वैसे ही, जैसे आप हमारे लिए मौजूद नहीं थे। असल में, ईरान पूरी तरह से तबाह हो चुका है। मुश्किल काम हो चुका है। अब जाएं और अपना तेल खुद हासिल करें! ट्रंप ने अपने इसी पोस्ट में यह भी लिखा कि यूनाइटेड किंगडम ने ईरान को कमजोर करने की मुहिम में शामिल होने से इनकार कर दिया था।अपने एक दूसरे पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस पर भड़के नजर आए। उन्होंने लिखाफ्रांस ने इजरायल जा रहे उन विमानों को अपने क्षेत्र के ऊपर से उड़ने की अनुमति नहीं दी, जो सैन्य साजो-सामान से लदे हुए थे। ईरान के कसाई के मामले में फ्रांस का रवैया बेहद असहयोगी रहा है, जिसे सफलतापूर्वक खत्म कर दिया गया है। यूएसए. इसे याद रखेगा!!!

ईरान से चल रहे जंग के बीच ट्रंप का नाटो के देशों से नाराजगी की असल वजह यह है कि कई देश इस जंग में अमेरिका का साथ नहीं दे रहे। फ्रांस ने इजरायल जा रहे विमानों को अपना एयर स्पेस यूज नहीं करने दिया। साथ ही फ्रांस ने यह भी कहा कि ईरान के मामले में जंग की जरूरत नहीं थी। इसे शांति से निपटाया जा सकता था। दूसरी ओर यूनाइटेड किंगडम ने भी अमेरिका का खुलकर साथ नहीं दिया है। अब इटली और स्पेन ने भी अमेरिका का साथ देने से इनकार किया है। ऐसे में ट्रंप इस जंग में अकेले पड़ गए हैं।

जहां सेवा, वहीं श्रद्धा: महावीर जयंती पर राधे-राधे ग्रुप की अनोखी पहल

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास भगवान महावीर जयंती के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और सहयोग का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भगवान महावीर के अहिंसा, त्याग और सेवा के सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची श्रद्धा है और ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन इलाकुर्ती, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं नंद किशोर अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

महालक्ष्मी स्कीम: 10,000 करोड़ की भारी बचत, बांसवाड़ा में उत्सवपूर्ण समापन

राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण पहल का शानदार नतीजा

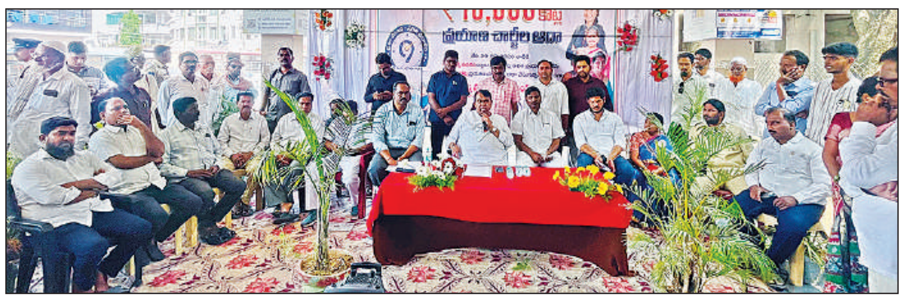

बांसवाड़ा, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महालक्ष्मी स्कीम के सफल जारी रहने के बाद आज बांसवाड़ा बस स्टैंड पर बांसवाड़ा डिपो मैनेजर रवि कुमार की देखरेख में, पूरे राज्य में महालक्ष्मी स्कीम के सफल समापन और राज्य भर की महिलाओं द्वारा 10,000 करोड़ रुपये की बचत के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार और बांसवाड़ा के MLA पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार महिलाओं को प्राथमिकता दे रही है और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखती है।

9 दिसंबर, 2023 को शुरू की गई महालक्ष्मी स्कीम के माध्यम से, राज्य में लगभग 290 करोड़ महिला यात्रियों ने मुफ्त यात्रा की है, जबकि यात्रियों द्वारा की गई कुल बचत 10,000 करोड़ रुपये है। इसमें से 30 मार्च, 2026 तक बांसवाड़ा डिपो से 2.42 करोड़ महिला यात्रियों ने मुफ्त यात्रा की है, जबकि यात्रियों द्वारा की गई कुल बचत 90.32 करोड़ रुपये है।

पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने राज्य की महिलाओं को बचत के मौके पर बधाई दी और इस मौके पर कई महिलाओं को सम्मानित किया। डिपो मैनेजर रविकुमार, कामारेड्डी जिला माइनॉरिटी प्रेसिडेंट म्युनिसिपल काउंसलर अब्दुल खलेख, नेता जंगम गंगाधर, एजास, कृष्णा रेड्डी, नरला रविंदर, कसुला रोहित, यंदी दाऊद, काउंसलर जंगम राजशेखर, रमेश, वेंकटेश, नागेश, मज्जू और अन्य लोग इस प्रोग्राम में शामिल हुए।

आज अयप्पा स्वामी की मूर्ति स्थापना

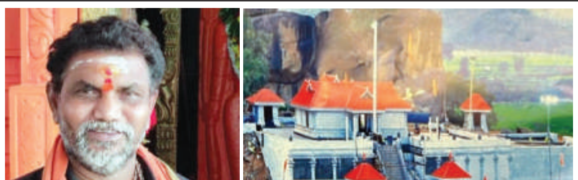

बांसवाड़ा, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा अयप्पा मंदिर महा पदयात्रा गुरु स्वामी गुरु विनय गुरु स्वामी ने एक बयान में कहा कि बुधवार, 01 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक कामारेड्डी जिले के लिंगमपेट गांव में श्री अयप्पा स्वामी की मूर्ति स्थापना का प्रोग्राम होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम श्री रवि गौड़ गुरु स्वामी की देखरेख में होगा। उन्होंने कहा कि लिंगमपेट अयप्पा सेवा समिति और गांव के लोगों के सहयोग से मंदिर का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया है और इसे एक ही पत्थर में बनाया गया है। इसका नाम उत्तर सबरीमाला रखा जाएगा। और मंदिर की खास बात यह है कि यहां लिंगमपेट में मंदिर भी उसी दिन खुलेगा जिस दिन सबरीमाला में मंदिर खुलेगा। भगवान के दर्शन उपलब्ध हैं। आज ऐसे ही एक खास मंदिर के लिए श्री श्री अयप्पा स्वामी प्रतिष्ठापन प्रोग्राम श्री उन्नीकृष्णन गुरुस्वामी की देखरेख में हो रहा है। इसलिए, हमारे कामारेड्डी जिले के सभी अयप्पाओं को इस बड़े प्रोग्राम में हिस्सा लेना चाहिए और अयप्पा स्वामी के आशीर्वाद के हकदार बनना चाहिए। उन्होंने रिक्वेस्ट की कि हर अयप्पा जो माला पहनता है, उसे इस प्रोग्राम में हिस्सा लेना चाहिए।

काचीगुड़ा स्थित मैडम अंजय्या सभागार में आगा खान सोशल वेल्फेयर बोर्ड द्वारा आयोजित डायरो कार्यक्रम में उपस्थित कलाकार बिहरीदान गढ़वी, दमयंती बरदाई, कनुभाई गढ़वी, गुजवंत चुडस्मा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, तरुण मेहता, बरकत लखानी, रिद्धीश जागीरदार व अन्य।

भाजपा स्टेट एग्जीक्यूटिव मेंबर बनने पर गोविंद राठी को बधाई देते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी टी. बब्बू।

महावीर जयंती पर दिव्यांगजनों को निःशुल्क उपकरण वितरित

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर जयंती के पावन अवसर पर नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट) हैदराबाद शाखा के तत्वावधान में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में नारायण सेवा संस्थान हैदराबाद की पूर्व अध्यक्षा अलका चौधरी ने बताया कि मंगलवार, 31 मार्च 2026 को प्रातः 9 बजे से श्री जैन सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित 2625वें भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत नामपल्ली स्थित नुमाईश मैदान में मेगा उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया।

समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हैदराबाद के संघपति स्वरूपचंद कोठारी, समाजसेविका चंद्रकला कोठारी एवं जीतो हैदराबाद एपेक्स के निदेशक गौतम सेहलोत उपस्थित रहे।

वहीं सम्माननीय अतिथियों में पूर्व चेयरमैन सुशील संचेती, वाइस चेयरमैन परेश शाह, लव फॉर काउ फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं महावीर जयंती संयोजक रिद्धीश जागीरदार सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

अलका चौधरी ने बताया कि शिविर में जरूरतमंद दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, कैलिपर्स, व्हीलचेयर तथा वैशाखी का निःशुल्क वितरण किया गया, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में सुविधा और आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी।

विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने दी उपस्थिति

इस अवसर पर महावीर अस्पताल ट्रस्टी डॉ. घीसुलाल जैन, श्री अजित पारस जैन युवा संगठन के अध्यक्ष पदम कोठारी, चेयरमैन शीलकुमार जैन, मंत्री जयेश शाह, निदेशक नरेश पारेख, श्री अजित पारस जैन महिला संगठन की ममता सुराणा एवं भारती शाह, श्री जैन सेवा संघ महिला विभाग की सुमित्रा सेठ, भारतीय जैन संगठन, हैदराबाद के सदस्य महावीर मुणोत तथा श्री गुजराती सेवा मंडल के कार्यकारिणी सदस्य तरुण मेहता सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन हैदराबाद शाखा प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SHABENA SHAIK Spouse of Service No.15417052M Hav/AA BAZI BABU SHAIK, Residing at VTC:Jillellamudi, P.O:Jillellamudi, Teh:Bapatla, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522113 have changed my name from SHABENA SHAIK to SHAIK SHABEENA vide affidavit dt:30-03-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar.

CHANGE OF NAME
I, MOHAMMED ASIF SHAIK Son of Service No.15417052M Hav/AA BAZI BABU SHAIK, Residing at VTC:Jillellamudi, P.O:Jillellamudi, Teh:Bapatla, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522113 have changed my name from MOHAMMED ASIF SHAIK to SHAIK MOHAMMED ASIF vide affidavit dt:31-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, Divya Bharathi G, W/o Baskaran S, R/o (V)-Muththiyal Pet, Katpadi, Vardranthangal, Vellore, T.N.-632059, have changed my name from DIVYA BHARATHI G to DIVYA BHARATHI B G, vide Affidavit Dt.31-3-2026, before Sec-Bad Court

तेलंगाना जल अधिकारों पर समझौता नहीं करेगा

जुपल्ली ने आंध्र सरकार को दी चेतावनी

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश सरकार पर न्यूनतम जलस्तर (एमडीडीएल) के करीब पहुंचने के बावजूद श्रीशैलम जलाशय में बिजली उत्पादन कर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

श्री राव ने गांधी भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने 834 फीट (254.2 मीटर) जलस्तर पहुंचने पर बिजली उत्पादन बंद करने के स्पष्ट नियमों के बावजूद बिजली उत्पादन जारी रखा है। ऐसा कर वह तेलंगाना की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं की अनदेखी करते हुए अवैध और अनुचित तरीके से पानी का दोहन कर रहा है।

श्री राव ने कहा कि तेलंगाना की बार-बार की अपीलों को अनसुना कर दिया गया, जिसके चलते अविभाजित महबूबनगर जिले के जन प्रतिनिधियों ने श्रीशैलम में विरोध प्रदर्शन (वंतवरपु) का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमारी चेतावनी के बाद, आंध्र प्रदेश सरकार ने बिजली उत्पादन रोक दिया है। तेलंगाना के हितों को सर्वोपरि बताते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य के पानी के उचित हिस्से पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार, कांग्रेस पार्टी और जन प्रतिनिधि तेलंगाना के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि पालमुरु क्षेत्र पर किसी भी प्रकार के प्रतिकूल प्रभाव का कड़ा विरोध किया जाएगा और सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा, यदि ऐसी कार्रवाई दोबारा दोहराई गई तो हम मूक दर्शक नहीं बने रहेंगे।

उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार से भविष्य में ऐसी कार्रवाई से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने पहले भी इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया था और उच्च न्यायालय का रुख किया था। श्री राव ने दोहराया कि राज्य के हितों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एसीबी ने नागरकुर्नूल में रिश्वत लेने के आरोप में सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ दर्ज किया मामला

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को नागरकुर्नूल जिले के थिम्माजीपेट पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षक चलामल्ला हरि प्रसाद रेड्डी के खिलाफ रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में मामला दर्ज किया।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपी अधिकारी ने पहले पांच मार्च को शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये की मांग की और बाद में 12 मार्च को शिकायतकर्ता के छोटे भाई के खिलाफ दर्ज मामले में जब्त किए गए वाहनों को छुड़ाने के लिए 20 हजार रुपये की आंशिक रिश्वत ली।

महबूबनगर रेंज स्थित एसीबी में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीबी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि अधिकारी ने बेईमानी से काम किया और निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया जाएगा।

हैदराबाद में मिलावटखोरी का बड़ा भंडाफोड़

खराब अदरक-लहसुन पेस्ट की फैक्ट्री सील

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद पुलिस ने मंगलवार को यहां के कट्टेदान इलाके में अवैध रूप से चल रही एक अदरक-लहसुन पेस्ट निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार एसकेआर फूड प्रोडक्ट्स का मालिक 55 वर्षीय हसन अली रूपानी कथित तौर पर घटिया दर्जे के कच्चे माल, लहसुन के छिलकों और एसिटिक एसिड तथा जेनथन गम जैसे रसायनों का उपयोग करके मिलावटी पेस्ट तैयार करता था। यह असुरक्षित पेस्ट खुले कंटेनरों में रखा जाता था, जहाँ इसमें अन्य प्रदूषक तत्व मिलने का भी खतरा रहता था।

जाँच में सामने आया कि सेहत के लिए घातक इस पेस्ट की आपूर्ति शहर के थोक किराना स्टोरों और कैटरिंग सेवाओं को की जा रही थी। छापेमारी के दौरान प्रशासन ने मौके से 4,000 किलोग्राम से अधिक तैयार मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट जब्त किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में घटिया कच्चा माल, रासायनिक पदार्थ और निर्माण में प्रयुक्त मशीनरी भी बरामद की गई है, जिसकी कुल कीमत लगभग 22 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस मामले की गहराई से तहकीकात कर रही है।

गज्जेला कांतम ने कौशिक रेड्डी पर बोला तीखा हमला

विधायक की सदस्यता रद्द करने की मांग

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के महासचिव गज्जेला कांतम ने मंगलवार को हुजुराबाद विधायक कौशिक रेड्डी पर तीखा हमला बोला और उनके आचरण पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

श्री कांतम ने गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए पूछा कि वरिष्ठ नेता और विधायक कादियाम श्रीहरि को धमकी देने का आचरण श्री रेड्डी के लिए कितना उचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री रेड्डी ने दलित पृष्ठभूमि होने के कारण वरिष्ठ नेता को निशाना बनाया है और उनके बयानों को अत्यंत आपत्तिजनक बताया। श्री कांतम ने पिछले घटनाक्रमों का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि श्री रेड्डी 2010 में कार्यकर्ताओं पर हमलों में शामिल रहे हैं तथा दलित समुदायों और राज्यपाल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। उन्होंने विधानसभा में उनके व्यवहार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उन्होंने स्पीकर का अपमान किया है।

श्री कांतम ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं, जिनमें के.टी.आर. भी शामिल हैं, गुंडा तत्वों को प्रोत्साहन दे रहे हैं। उन्होंने पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने उन्हें सामंती राजनीति में लिप्त बताते हुए कहा कि राज्य में दोरा राज्यम (जमींदारी शासन) को फिर से जीवित करने की कोशिश की जा रही है।

दलितों और वंचित वर्गों पर अत्याचार होने की चिंता जताते हुए श्री कांतम ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए काम करने वाले नेता, जिनमें उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क भी शामिल हैं, का अपमान किया जा रहा है, जबकि उन्होंने एससी, एसटी, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के हित में बजट पेश किया है।

श्री कांतम ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना की जनता परिवार केंद्रित शासन के अंत का इंतजार कर रही है। उन्होंने श्री रेड्डी से अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की अपील की। उन्होंने स्पीकर और मुख्यमंत्री से श्री रेड्डी की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की अपील की है।

भारतीय सेना ने भर्ती की समय-सीमा 10 अप्रैल तक बढ़ाई

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय सेना ने भर्ती वर्ष 2027 के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एक अप्रैल से बढ़ाकर 10 अप्रैल कर दी है, जिससे इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए 10 दिन का अतिरिक्त समय मिल गया है।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में मंगलवार को कहा गया कि यह विस्तार इसलिए दिया गया है ताकि उन योग्य युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, जो शायद प्रारंभिक समय-सीमा के भीतर अपना पंजीकरण पूरा नहीं कर पाये थे। उम्मीदवारों को सलाह दी गयी है कि वे इस बढ़ायी गयी समय-सीमा का लाभ उठायें और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से संशोधित अंतिम तिथि से काफी पहले अपने आवेदन पूरे कर लें।

आवेदकों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे आवेदन करने से पहले आधिकारिक पोर्टल पर अपनी पात्रता मानदंडों, जिसमें आयु, शैक्षणिक योग्यता और शारीरिक मानकों की जांच कर लें। भारतीय सेना ने एक निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि चयन पूरी तरह से स्वचालित प्रणाली के माध्यम से और योग्यता के आधार पर किया जाता है।

उम्मीदवारों को दलालों या धोखेबाज एजेंटों के साथ किसी भी तरह का लेन-देन करने के प्रति भी आगाह किया गया है, जो चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने का दावा करते हैं। इस बात पर जोर दिया गया है कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी मध्यस्थ की कोई भूमिका नहीं होती है।

लोकगायक गदर पर अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेताओं ने फूंका अमित शाह का पुतला

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। संसद में लोक गायक गदर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष मोठा रोहित मुदिराज के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को नल्लकुंटा फीवर अस्पताल जंक्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया।

श्री मुदिराज ने सभा को संबोधित करते हुए मांग की कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपनी टिप्पणी के लिए तुरंत माफी मांगें। उन्होंने तेलंगाना से भाजपा सांसदों, विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के इस्तीफे की भी मांग की और उन पर इस घटना के दौरान चुप रहने का आरोप लगाया।

तेलंगाना के गौरव के अपमान का आरोप लगाते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई कार्रवाई नहीं की गयी तो भाजपा नेताओं को कड़े विरोध का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से दिवंगत सांस्कृतिक प्रतीक के सम्मान में भाजपा कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क का नाम गदर मार्ग रखने का भी आग्रह किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने हिस्सा लिया और टिप्पणी की निंदा करते हुए नारेबाजी की।

गौरतलब है कि श्री शाह ने वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन पर संसद में चर्चा के दौरान आरोप लगाया था कि लोक गायक गदर नक्सली विचारधारा के करीब थे और उन्होंने 2018 में हैदराबाद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी।कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर और अन्य नेताओं ने श्री शाह पर श्री गदर को छोटा दिखाने का आरोप लगाया है और लोक गायक को तेलंगाना की आत्मा की आवाज बताया है।

हवाई अड्डे पर 25 करोड़ रुपये का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर एक बड़ी ड्रग कार्रवाई में, बैंकॉक से आये एक यात्री के पास से 25 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है।अधिकारियों के अनुसार, यात्री के सामान की जांच के दौरान यह प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गयी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है।

नशीले पदार्थ की पहचान हाइड्रोपोनिक गांजे के रूप में हुई है, जो उन्नत तरीकों से उगाई जाने वाली एक उच्च क्षमता वाली किस्म है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी चुनाव प्रचार के लिए केरल रवाना

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मंगलवार को चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने के लिए केरल के लिए रवाना हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री राज्य में चल रहे विधानसभा चुनाव अभियान के तहत बुधवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय प्रचार कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के समर्थन में सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करने की उम्मीद है। वह वहां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे और चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे।

केरल में दो दिनों के प्रवास के दौरान, मुख्यमंत्री विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करेंगे। उनका यह दौरा राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने और पड़ोसी राज्यों में पार्टी के समन्वय को बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

जीएचएमसी ने रचा इतिहास: पहली बार 2,500 करोड़ से अधिक का संपत्ति कर संग्रह

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपने अब तक के सबसे अधिक संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) संग्रह का रिकॉर्ड बनाया है, जो 2,500 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है।

मंगलवार को यहाँ जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नागरिक निकाय ने 31 मार्च की रात 8 बजे तक 2,501.25 करोड़ का संग्रह किया। यह पहली बार है जब निगम ने 2,500 करोड़ की सीमा को लांघा है।

इस वर्ष के दौरान, जीएचएमसी मुख्यालय और मुख्य क्षेत्रों से 962.82 करोड़ का कर एकत्र किया गया। वहीं अन्य सर्किलों, जिनमें सीएमसी और एमएमसी शामिल हैं, ने क्रमशः 986.03 करोड़ और 552.4 करोड़ का योगदान दिया। यह समन्वित संग्रह शहर के विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

निगम को अपनी 'वन टाइम सेटलमेंट' योजना से भी महत्वपूर्ण बढ़त मिली, जिसके तहत 4 दिसंबर, 2025 से 31 मार्च, 2026 के बीच 548 करोड़ एकत्र किए गए। इस योजना के माध्यम से करदाताओं को 100.8 करोड़ की छूट का लाभ भी मिला।

अधिकारियों ने कहा कि यह रिकॉर्ड संग्रह सभी जोनों के कर निरीक्षकों, बिल कलेक्टरों और वरिष्ठ नगर निगम अधिकारियों के समन्वित प्रयासों के कारण संभव हो सका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.